THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 143 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.11 2083 रविवार, 23 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

Lalithaa Jewellery Mart Limited

Lalithaa Jewellery Mart Limited
Hyderabad (Somajiguda / Kukatpally / Dilsukhnagar / Chanda Nagar / Suchitra Circle) Secunderabad
Nizamabad • Warangal • Miryalaguda • Khammam
Vijayawada • Vizag • Gopalapatnam • Vizianagaram
Anakapalli • Gajuwaka • Srikakulam • Tuni
Kakinada • Bhimavaram • Amalapuram
Rajamahendravaram • Guntur • Ongole • Narasaraopet
Anantapur • Kurnool • Kadapa • Sullurupeta • Gudur
Nellore • Chittoor • Tirupathi

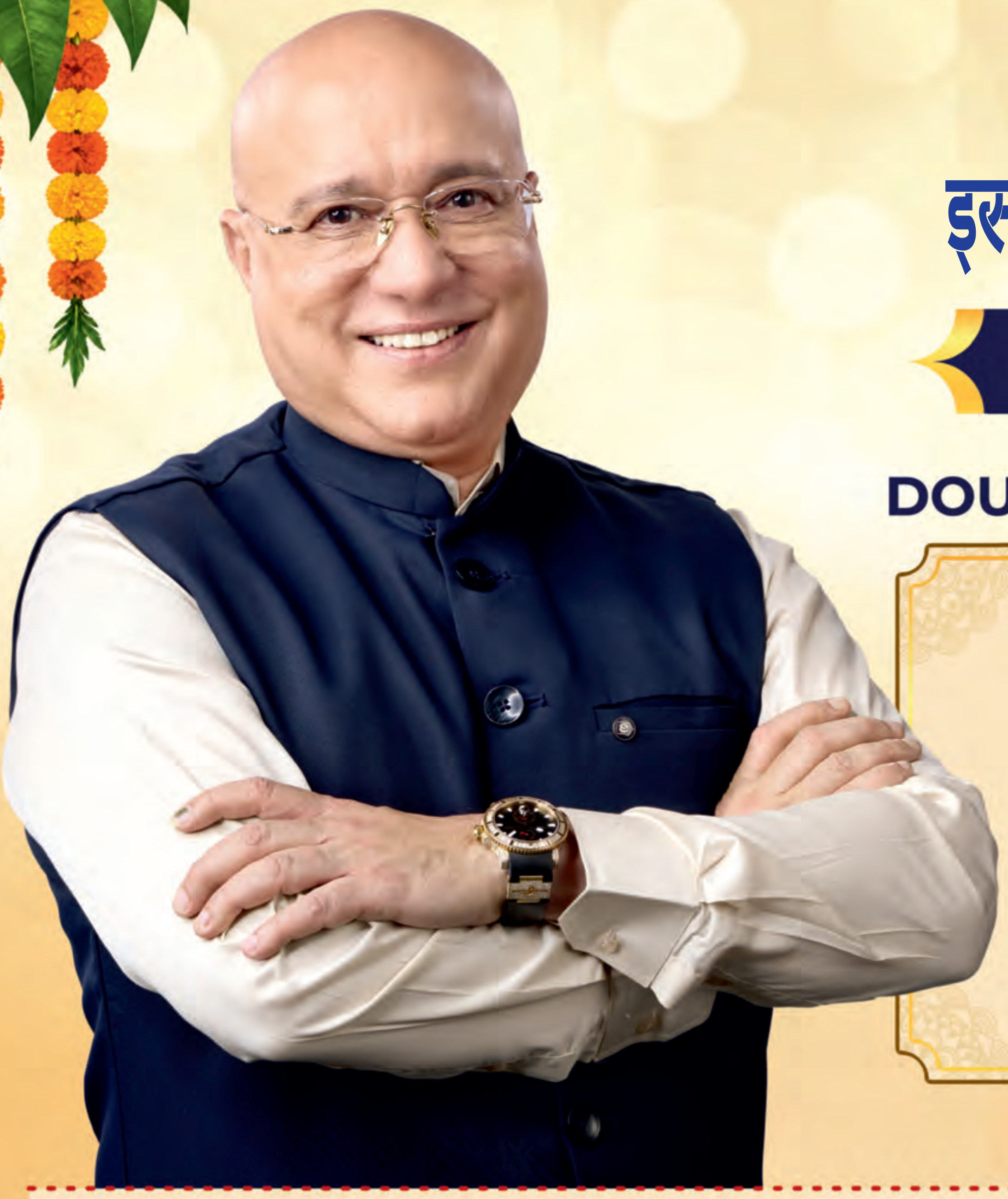

कोई भी कैसा भी ऑफर देने पर
इस बेजोड ऑफर की तुलना नहीं कर सकेंगे!

ललिता का 'आषाढ–श्रावण' का ऑफर

DOUBLE BENEFIT - ONLY AT LALITHAA !

समस्त स्वर्णाभूषणों पर मूल्यह्रास में (V.A.)
1% की छूट

+

पुराने स्वर्णाभूषणों की अदला-बदली/एक्सचेंज पर प्रति ग्राम
रु.150 ज्यादा पाएं

सीमित Offer

आभूषणों के दरों में 2% से ज्यादा बचत!

ललिता ज्वैलरी के 'मार्केट से कम दाम' में से और अधिक...2% से भी ज्यादा बचत कीजिए!
अन्य शोरूमों के ऑफर्स से, उनके द्वारा लागू किए गए ज्यादा मूल्यह्रास की तुलना करने पर, यह बचत कुछेक पैमाने पर 'अधिकतम' रहता है।

हीरे के आभूषण प्रति कैरेट पर
रु.6000 की छूट

90%
चांदी की वस्तूओं पर मूल्यह्रास, बनवाई खर्च नहीं!
0% V.A / M.C

सोने के सिक्के
लक्ष्मी कासु
22 KARAT GOLD COINS & LAKSHMI KASU
After Discount
Only 1% V.A

प्रारंभ किए गए नये डिजाइनों की भरमार!

Lalithaa Jewellery Mart Limited
Andhra Pradesh • Telangana • Tamil Nadu • Puducherry • Karnataka
Customer Care: 90 99 999 916 | www.lalithaajewellery.com

खड़े ट्रक में जा घुसी तेज रफ्तार कार, तीन लोगों की मौत

बैतूल, 22 अगस्त (एजेंसियां)। बैतूल जिले के मुलताई फोरलेन पर शनिवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की जान चली गई, जबकि नौ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना जीतू ढाबे के पास हुई, जहां तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसके कई हिस्से अलग हो गए। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कार में सवार सभी यात्री महाराष्ट्र के नागपुर के समीप स्थित बुट्टी बोरी क्षेत्र के निवासी थे। श्रद्धालुओं का यह समूह सीहोर स्थित प्रसिद्ध कुबेरेश्वर धाम के दर्शन के लिए रवाना हुआ था।

प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि चालक को नींद की झपकी आने के कारण वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया। हालांकि, दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा। हादसे में मृतकों में 42 वर्षीय दीपक और उनकी 40 वर्षीय पत्नी छाया की पहचान हो चुकी है।

' मज़दूरों की सुरक्षा कमज़ोर होने का ख़तरा है'

इंडस्ट्री की परिभाषा पर एससी के हालिया फ़ैसले पर कांग्रेस

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट के उस फ़ैसले पर चिंता जताई जिसमें कहा गया है कि 'इंडस्ट्री' (उद्योग) शब्द की 1978 वाली मज़दूर-हितैषी व्याख्या 'इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड, 2020' के तहत नए मामलों पर लागू नहीं होगी। पार्टी ने कहा कि कानून को 'इंडस्ट्री' की व्यापक परिभाषा से दूर करने या उसे सीमित करने के किसी भी कदम से मज़दूरों की सुरक्षा कमज़ोर होने का ख़तरा है।

कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि मोदी सरकार का 'इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड, 2020' हमारे मज़दूरों के लिए ज़रूरी सुरक्षा उपायों को काफ़ी हद तक कमज़ोर करता है। रमेश ने 'एक्स' पर कहा कि इस पृष्ठभूमि में, सुप्रीम कोर्ट की एक मामूली बहुमत वाली बेंच ने 'उत्तर प्रदेश राज्य बनाम जय बीर सिंह' मामले (फ़ैसला 20 अगस्त, 2026 को आया) में, फरवरी 1978 के अपने ऐतिहासिक फ़ैसले ('बैंगलोर वॉटर

सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड बनाम ए। राजाप्पा' मामला) में तय किए गए 'ट्रिपल टेस्ट' (तीन शर्तों वाले परीक्षण) को नए सिरे से परिभाषित करने की बात कही है।

उन्होंने कहा कि 'इंडस्ट्री' की व्याख्या कैसे की जाती है, इसका महत्व इस कानूनी सच्चाई में निहित है कि कौन 'वर्कमैन' (मज़दूर/कर्मचारी) माना जाता है और नतीजतन, किसे लेबर लॉ (श्रम कानून) के तहत सुरक्षा मिलती है। उन्होंने कहा, 1978 के बैंगलोर वॉटर सप्लाई मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने तीन ऐसे तत्व बताए थे जो आम तौर पर किसी इंडस्ट्री की पहचान होते हैं: एक व्यवस्थित गतिविधि; नियोक्ता (मालिक) और कर्मचारी के बीच सहयोग; और मानवीय ज़रूरतों और इच्छाओं को पूरा करने के उद्देश्य से वस्तुओं या सेवाओं का उत्पादन या वितरण (जिसमें पूरी तरह से आध्यात्मिक या धार्मिक सेवाएँ शामिल नहीं हैं)।

रमेश ने बताया कि कोर्ट ने यह भी माना था कि मुनाफ़ा कमाने का मकसद न होना कोई मायने नहीं रखता, और चैरिटेबल संस्थाओं या सार्वजनिक निकायों द्वारा की जाने वाली गतिविधियाँ भी इस परिभाषा के दायरे में आ सकती हैं। उन्होंने कहा कि इसमें एकमात्र छूट मुख्य संप्रभु गतिविधियों को दी गई थी - जैसे न्यायपालिका, कानून-व्यवस्था और रक्षा। उन्होंने कहा, लगभग पाँच दशकों तक, इस 'ट्रिपल टेस्ट' ने समय-समय पर संशोधित 'इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट्स एक्ट, 1947' के तहत 'इंडस्ट्री' क्या है, यह तय करने के लिए एक व्यापक और स्थापित ढांचा प्रदान किया, जिससे बड़ी संख्या में मज़दूर लेबर लॉ की सुरक्षा के दायरे में आ गए।

2026 का बहुमत वाला फ़ैसला इस नज़रिए को दो अहम तरीकों से सीमित करता है: इसके तहत किसी गतिविधि का 'साफ़ तौर पर कमर्शियल स्वरूप' (व्यापार या कारोबार जैसा) होना ज़रूरी है - यह एक अतिरिक्त शर्त है जो पहले वाले टेस्ट में नहीं थी; रमेश ने कहा कि इससे सरकारी कामकाज में छूट का दायरा बढ़ेगा और हो सकता है कि सरकारी गतिविधियों का एक बड़ा हिस्सा उद्योग की परिभाषा से बाहर हो जाए।

जेल में कैदी की संदिग्ध मौत

सोनीपत, 22 अगस्त (एजेंसियां)। सोनीपत की एक जेल में उस समय सनसनी फैल गई जब चचेरे भाई की हत्या के आरोप में बंद एक कैदी का शव उसके सेल के बाथरूम में फंदे से लटका मिला। जेल प्रशासन ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। शहर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गांव खंदराई निवासी विनोद अपने चचेरे भाई सोमबीर की हत्या के आरोप में जेल में बंद था। जिसका शव उसके सेल के बाथरूम में संदिग्ध परिस्थितियों में लटका मिला।

जेल प्रशासन को घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित किया। पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से उतारा और उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह आत्महत्या है या फिर कोई सुनियोजित हत्या। कैदी विनोद पर 29 जून को अपने चचेरे भाई सोमबीर की सुए से वार कर हत्या करने का गंभीर आरोप था।

भगवंत मान की पत्नी पर 5 करोड़ रुपए लेकर

दुष्कर्म केस को दबाने के आरोपों पर एनएचआरसी ने लिया संज्ञान

पंजाब, 22 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की पत्नी की ओर से दुष्कर्म मामले को दबाने के लिए 5 करोड़ रुपए मांगने के आरोपों पर संज्ञान लिया है। शिकायत में कहा गया है कि ये आरोप पंजाब के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति रणजीत सिंह ने लगाए हैं। एनएचआरसी के सदस्य प्रियंक कानूनगो की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की बेंच ने 'मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993' की धारा 12 के तहत इस मामले का संज्ञान लिया है। रजिस्ट्री को निर्देश दिया गया है कि वह पंजाब सरकार (चंडीगढ़) के मुख्य सचिव और पंजाब के डीजीपी को नोटिस जारी करे।

उन्हें निर्देश दिया जाए कि वे शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच करवाएं और आयोग के अवलोकन के लिए दो सप्ताह के भीतर 'की गई कार्रवाई की रिपोर्ट' सौंपें। एनएचआरसी के नोटिस में कहा गया है,

मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम (पीएचआर एक्ट), 1993 ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को देश के सभी लोगों के अधिकारों की रक्षा और उन्हें बढ़ावा देने की जिम्मेदारी सौंपी है। साथ ही, पीएचआर एक्ट-1993 की धारा 13 के तहत जांच के लिए इसे सिविल कोर्ट जैसी शक्तियां भी दी गई हैं।

आयोग ने शिकायतकर्ता के हवाले से नोटिस में कहा, एक रिटायर्ड जज ने सार्वजनिक रूप से कहा कि रेप के एक मामले में 5 करोड़ रुपए की मांग की गई थी, जिसमें कथित तौर पर पंजाब के मुख्यमंत्री की पत्नी शामिल थीं। 'लीगल राइट्स ऑब्जर्वेटरी' की ओर से दायर इस शिकायत में चिंता जताई गई कि इस तरह का दखल पीड़ित के सम्मान, सुरक्षा, निष्पक्ष जांच और न्याय पाने के अधिकार को प्रभावित कर सकता है।

इसमें आरोपों की स्वतंत्र जांच, सबूतों को सुरक्षित रखने और जांच को कमजोर या प्रभावित करने की किसी भी कोशिश की निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। इसमें कहा गया, शिकायतकर्ता ने इस बात को उठाया है कि रेप पीड़िता के न्याय पाने का अधिकार किसी भी प्रभाव, रुतबे या पद से ऊपर होना चाहिए। शिकायत में लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया पीड़ित के मानवाधिकारों का उल्लंघन प्रतीत होते हैं। आयोग ने यह मामला गृह मंत्रालय, भारत सरकार के महिला सुरक्षा प्रभाग को भी भेज दिया है। आयोग कार्रवाई रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगा।

नर्सिंग की छात्रा की मौत से मचा हड़कंप, हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटका मिला शव

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के राजेंद्र नगर इलाके में 19 साल की एक नर्सिंग छात्रा का शव हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटका मिला। शुरुआती जांच में मामला खुदकुशी का लग रहा है। छात्रा सर गंगाराम अस्पताल में बीएससी नर्सिंग थर्ड ईयर की पढ़ाई कर रही थी। वह दिल्ली के नजफगढ़ की रहने वाली थी। इस घटना की सूचना मिलते ही राजेंद्र नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जरूरी कार्रवाई शुरू की।

मामले की जांच के लिए क्राइम ब्रांच की टीम को भी बुलाया गया। पुलिस छात्रा की मौत के पीछे की परिस्थितियों की जांच कर रही है। वहीं सर गंगाराम अस्पताल प्रशासन ने घटना पर गहरा दुख जताया है। अस्पताल की ओर से कहा गया है कि वह जांच एजेंसियों को पूरा सहयोग दे रहा है और घटना से जुड़े सभी तथ्यों तथा मौत से पहले की परिस्थितियों की जांच की जा रही है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच में जुटी है

पंजाब चुनाव : 'वारिस पंजाब दे' ने मजीठा से पप्पलप्रीत सिंह को दिया टिकट, जेल में बंद रहते लड़ेंगे चुनाव

अमृतसर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। अकाली दल (वारिस पंजाब दे) ने आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर मजीठा विधानसभा से पप्पलप्रीत सिंह को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष तरसेम सिंह और अन्य नेताओं ने अमृतसर स्थित पप्पलप्रीत सिंह के घर पहुंचकर उनके नाम की घोषणा की। पप्पलप्रीत सिंह खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह के करीबी सहयोगी हैं और इस समय जेल में बंद हैं। उसे 2023 के अजनाला थाना मामले के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लिया गया था और असम की डिब्रूगढ़ जेल में रखा गया था।

बाद में उसे पंजाब लाया गया और वर्तमान में वह गोइंदवाल की जेल में बंद हैं। ताजा रिपोर्टों के मुताबिक, एनएसए के तहत उस पर कार्रवाई आगे नहीं बढ़ाई गई है, जबकि उनके खिलाफ अन्य मामलों में कानूनी कार्रवाई जारी है। पार्टी नेतृत्व का कहना है कि पप्पलप्रीत सिंह पंजाब के मुद्दों और पंथ से जुड़े मामलों को लेकर सक्रिय रहे हैं। उनके नाम की घोषणा के साथ ही मजीठा विधानसभा क्षेत्र में चुनावी मुकाबला दिलचस्प हो गया है। मजीठा को शिरोमणि अकाली दल का मजबूत गढ़ माना जाता है और इस सीट से पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया लंबे समय तक विधायक रहे हैं। अकाली दल (वारिस पंजाब दे) इससे पहले फतेहगढ़ साहिब की बस्सी पठाना सीट से सतवंत सिंह को अपना उम्मीदवार घोषित कर चुका है।

जम्मू के किश्तवाड़ में टीचर ने की 14 साल की छात्रा के साथ दरिंदगी, गर्भपात के प्रयास में मौत; लोगों ने किया प्रदर्शन

जम्मू, 22 अगस्त (एजेंसियां)। किश्तवाड़ में गुरु-शिष्या के रिश्ते और भरोसे को तार-तार करने वाली एक घटना ने समाज को झकझोर दिया है। आरोप है कि सरकारी स्कूल का मुख्य शिक्षक 14 वर्षीय छात्रा का यौन उत्पीड़न करता रहा। इससे मासूम गर्भवती हो गई। बाद में पंचायती स्तर पर मामला दबाने का प्रयास किया गया। इलाज के लिए ले जाते हुए किशोरी की मौत हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि मामले को दबाने के लिए किशोरी का अवैध रूप से गर्भपात कराने का प्रयास किया गया। इसी कारण उनकी तबीयत बिगड़ गई। घटना से गुस्साए स्थानीय व्यापारियों ने दुकानें बंद कर जोरदार प्रदर्शन किया।

शनिवार को भी बंद का एलान किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपित शिक्षक खालिद हुसैन को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, मुख्य शिक्षा अधिकारी ने उसे निलंबित कर दिया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी मामले पर कड़ा संज्ञान लेते हुए कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

एफआईआर के लिए 30 दिन और 7 घंटे का धरना

पैलेट गन केस में चिदंबरम का दिल्ली पुलिस पर हमला

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। सीजेपी प्रदर्शन के दौरान जंतर-मंतर पर पुलिस की कार्रवाई में पैलेट गन से घायल होने का आरोप लगाने वाले साहिल लोचाव की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने 30 दिन बाद प्राथमिकी दर्ज की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद पी चिदंबरम ने पैलेट गन से घायल होने के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने में हुई देरी को लेकर दिल्ली पुलिस पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पीड़ित की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कराने में 30 दिन लग गए और इसके लिए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को सात घंटे तक धरने पर बैठना पड़ा। यह प्राथमिकी दर्ज करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देशों का उल्लंघन है।

वहीं, राहुल गांधी ने दावा किया कि एम्स की रिपोर्ट में लोचाव के शरीर में 200 से अधिक छर्रे और आंख में तीन छर्रे होने की बात सामने आई है। चिदंबरम ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए प्राथमिकी दर्ज करने में हुई देरी पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय कानून के मुताबिक हर शिकायत पर प्राथमिकी तुरंत दर्ज की जानी चाहिए। लोकसभा में

विपक्ष के नेता के सात घंटे के धरने के बाद दिल्ली में पीड़ित की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई। इसमें 30 दिन लग गए।

यह तब है, जब सुप्रीम कोर्ट का स्पष्ट कानून है कि हर शिकायत पर तुरंत प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए। मैं पीड़ित साहिल लोचाव को उनके धैर्य और लगातार प्रयास के लिए बधाई देता हूं और विपक्ष के नेता राहुल गांधी को सत्याग्रह की ताकत साबित करने के लिए बधाई देता हूं। दिल्ली पुलिस ने पैलेट गन से घायल होने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की। यह कार्रवाई संसद मार्ग पुलिस थाने के बाहर राहुल गांधी के धरने के बाद हुई। राहुल गांधी ने साहिल लोचाव की शिकायत पर कार्रवाई और प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को लेकर यह विरोध-प्रदर्शन किया था।

पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 118 और 125 के तहत मामला दर्ज किया है। धारा 118 खतरनाक हथियार या साधन के जरिए जानबूझकर चोट या गंभीर चोट पहुंचाने से संबंधित है, जबकि धारा 125 ऐसे कृत्यों से जुड़ी है, जिनसे किसी व्यक्ति के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरा पैदा होता है।

दो जगहों पर एनआईए की छापेमारी डिजिटल डिवाइस जब्त, फॉरेंसिक जांच होगी

अनंतनाग, 22 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दो जगहों पर तलाशी अभियान चलाया। सीआरपीएफ जवानों और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने भी शनिवार सुबह चलाए गए इस अभियान में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की मदद की। इस ऑपरेशन में बिजबेहरा में सिकॉप ऑफिस और डूरू इलाके के क्रेरी गांव में एक रिहायशी घर को निशाना बनाया गया। अधिकारियों ने बताया कि ये छापेमारी एक चल रही जांच का हिस्सा है, हालांकि मामले की खास जानकारी अभी तक नहीं दी गई है। शाम तक एनआईए की ओर से और जानकारी वाला एक आधिकारिक बयान आने की उम्मीद है।

सूत्रों ने बताया कि तलाशी के दौरान मोबाइल फोन समेत कई डिजिटल डिवाइस जब्त किए गए हैं और उनकी फॉरेंसिक जांच की जाएगी। एनआईए पिछले कुछ सालों से जम्मू में आतंकवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों की लगातार जांच कर रही है और जम्मू-कश्मीर में टेरर-इकोसिस्टम को खत्म करने की कोशिशों

के तहत कश्मीर घाटी में भी ऐसे कई ऑपरेशन चला चुकी है। एनआईए की टीमें, संबंधित पुलिसवालों के साथ, एसआईसीओपी बिजबेहरा में कथित ड्रग पेडलर गुलाम नबी हजाम के घर पर रेड कर रही हैं। एनआईए की एक और रेड क्रेरी दूरू में सुहैल गनी भट के घर पर चल रही है। आगे की जानकारी का इंतजार है।

कठुआ के पुलिस अधीक्षक (अभियान) प्रीतपाल सिंह ने कहा कि सीमावर्ती इलाकों में सतर्कता बनाए रखने के लिए इस तरह के नियमित तलाशी अभियान चलाए जाते हैं। सिंह ने कहा, सतर्कता बनाए रखने के लिए इस तरह के नियमित अभियान चलाए जाते हैं। जहां तक संदिग्ध गतिविधि की सूचना का सवाल है, यह सीमावर्ती इलाका है। इसी को ध्यान में रखते हुए हम यह तलाशी अभियान चला रहे हैं।

ओडिशा में मानसून बरपाएगा कहर

23 से 25 अगस्त तक भारी वर्षा का अलर्ट

भुवनेश्वर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा में पिछले करीब डेढ़ महीने से रुक-रुककर हो रही बारिश के बाद अब एक बार फिर मौसम बिगड़ने के आसार हैं। राज्य में एक साथ तीन-तीन चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय हैं। इनमें एक पश्चिम-मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में उत्तर आंध्र प्रदेश तथा दक्षिण ओडिशा तट के ऊपर बना हुआ है। दूसरा चक्रवाती परिसंचरण मध्य म्यांमार के ऊपर और तीसरा उत्तर बंगाल की खाड़ी तथा उससे सटे बांग्लादेश के ऊपर मौजूद है। इसके अलावा पूर्वी मध्य प्रदेश के ऊपर भी एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। मौसम विज्ञानिक विश्वजीत साहू के अनुसार, दक्षिण ओडिशा और उत्तर आंध्र प्रदेश तट के पास बना चक्रवाती परिसंचरण फिलहाल ज्यादा प्रभावी होने की संभावना कम है। हालांकि, म्यांमार और बांग्लादेश के पास मौजूद दोनों चक्रवाती परिसंचरण आपस में मिलकर अगले 48 घंटे में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना सकते हैं।

संभावना है कि 23 अगस्त के आसपास यह निम्न दबाव के रूप में विकसित हो जाए। इस मौसम प्रणाली के प्रभाव से 23 से 25 अगस्त के बीच कई इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। विशेष रूप से उत्तर ओडिशा और तटीय जिलों में इसका असर अधिक रहने की संभावना जताई गई है। ऐसे में उत्तर ओडिशा पर एक बार फिर भारी बारिश का खतरा मंडराने लगा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के भुवनेश्वर कार्यालय की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार, शनिवार को राज्य के कई हिस्सों में बारिश हुई है।

23 अगस्त को भी राज्य के कई स्थानों पर बारिश होने तथा कुछ जगहों पर भारी बारिश की संभावना है। 24 और 25 अगस्त को बारिश का प्रभाव और बढ़ सकता है। इस दौरान राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश होने के आसार हैं। खासकर उत्तर और पश्चिम ओडिशा तथा आसपास के जिलों में बारिश अधिक हो सकती है।मौसम विभाग ने कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है। अनुमान है कि 26 अगस्त तक राज्य में बारिश का प्रकोप बना रह सकता है।

छिंदवाड़ा अस्पताल में बड़ा हादसा: वार्मर में लगी आग तीन नवजात झुलसे

छिंदवाड़ा, 22 अगस्त (एजेंसियां)। छिंदवाड़ा जिला अस्पताल के नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में शनिवार की दरमियानी रात करीब दो बजे उस समय हड़कंप मच गया, जब एक वार्मर मशीन में अचानक स्पार्किंग के बाद आग लग गई। हादसे के दौरान वार्मर में रखे तीन नवजात बच्चे इसकी चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गए। जानकारी के अनुसार, नवजात बच्चों को जन्म के बाद शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखने और गहन देखभाल के लिए वार्मर में रखा जाता है। रात में वार्मर की हीटिंग यूनिट के फिलामेंट में अचानक स्पार्किंग हुई, जिसके बाद आग लग गई। आग की चपेट में आने से वार्मर में मौजूद तीनों नवजात गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। तत्काल चिकित्सकों और अस्पताल स्टाफ ने बच्चों को वार्मर से बाहर निकालकर उपचार शुरू किया।

उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए तीनों नवजातों को बेहतर उपचार के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। बच्चों को दो डॉक्टरों की निगरानी में जबलपुर भेजा गया। सिविल सर्जन के अनुसार, तीनों बच्चों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेफर किया गया है। इनमें से एक बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसे सर्जरी की आवश्यकता है। छिंदवाड़ा में पीडियाट्रिक सर्जन उपलब्ध नहीं होने के कारण बच्चे को जबलपुर रेफर करना पड़ा।

भारत से अफगानिस्तान तक कांपी धरती

एक ही दिन में ताबड़तोड़ भूकंप से हड़कंप

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। आज भारत से लेकर अफगानिस्तान तक धरती कांपी है। जी हां, धरती के अलग-अलग हिस्सों में आज यानी शनिवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। भारत के हिमाचल प्रदेश से लेकर अफगानिस्तान और म्यांमार तक भूकंप आया है। सबसे तेज झटकों वाला भूकंप अफगानिस्तान में आया। यहां हिमाचल प्रदेश और म्यांमार से अधिक तीव्रता थी। म्यांमार और हिमाचल प्रदेश के चंबा में तो एक ही दिन में दो बार धरती हिली है। इससे हड़कंप मच गया है। लोगों में दहशत का माहौल है। राहत की बात है कि इन भूकंपों की तीव्रता बहुत ज्यादा नहीं थी। इसलिए अभी इन झटकों से किसी बड़े नुकसान या जानमाल के नुकसान की संभावना नहीं दिख रही।

भारत में कहां आया भूकंप

हिमाचल प्रदेश के चंबा में आज दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। चंबा में पहला भूकंप आधी रात को आया तो दूसरा आज सुबह। जी हां, चंबा में 1 बजकर 25 मिनट पर पहला भूकंप आया। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.8 थी। यह भूकंप धरती से 15 किलोमीटर अंदर की गहराई पर आया था। इसके बाद हिमाचल प्रदेश के चंबा में सुबह करीब 6 बजकर 20 मिनट पर 2.5 तीव्रता का भूकंप आया।

म्यांमार में दो बार कांपी धरती

म्यांमार में पहला भूकंप 12 बजकर 53 मिनट पर आया। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 3.3 ही थी। इसके बाद म्यांमार में सुबह करीब 9 बजकर 4 मिनट पर भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.7 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन के करीब 134 किलोमीटर नीचे बताया गया है। इस तरह म्यांमार में दो भूकंप के झटकों ने सबको डरा दिया। राहत की बात है कि यहां अभी तक किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं आई है।

अफगानिस्तान में भी आए भूकंप के झटके

अफगानिस्तान में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। यहां सुबह 4 बजकर 43 मिनट पर 4.3 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। इसके अलावा अफगानिस्तान में एक और भूकंप की जानकारी सामने आई है। यह भूकंप सुबह 3 बजकर 24 मिनट पर आया और इसकी तीव्रता 4.2 मापी गई। इस भूकंप की गहराई करीब 157 किलोमीटर बताई गई है। भूकंप से लोगों में दहशत का माहौल है। अफगानिस्तान भी दुनिया के उन क्षेत्रों में शामिल है, जहां भूकंप का खतरा बना रहता है। देश का बड़ा हिस्सा सक्रिय भूकंपीय क्षेत्रों के करीब स्थित है। यहां समय-समय पर भूकंप आते रहते हैं और कई बार तेज झटकों से बड़े स्तर पर नुकसान भी हो चुका है।

बर्तन धोने गई महिला से दुष्कर्म की कोशिश, विरोध करने पर नदी में डुबोकर हत्या

कोलकाता, 22 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्धमान के एक बेहद सनसनीखेज और शर्मनाक मामला सामने आया है। यहां बर्तन धोने गई एक गृहवधू के साथ कथित तौर पर अश्लील हरकत और दुष्कर्म की कोशिश की गई। जब महिला नए इसका कड़ा विरोध किया तो आरोपी ने उसे नदी के पानी में डुबोकर बेरहमी से मार डाला। यह पूरी घटना घटना पूर्व बर्धमान जिले के नदनघाट थाना क्षेत्र के नसरतपुर पंचायत अंतर्गत चाई-कालितला इलाके की है। घटना के बाद पूरे इलाके में भारी तनाव का माहौल है। मृतका की पहचान तापसी सामंत (37) के रूप में हुई है। घटना के सिलसिले में पुलिस ने आरोपी युवक वासुदेव मन्ना को गिरफ्तार किया है। उसे पूर्व बर्धमान के कालना अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने आरोपी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने का निर्देश दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार शाम तापसी सामंत बर्तन धोने के लिए खड़ी नदी के किनारे गई थीं। इसी दौरान स्थानीय इलाके के एक घर में मनसा पूजा के सिलसिले में घूमने आए वासुदेव मन्ना ने कथित तौर पर उनके साथ अश्लील व्यवहार किया। आरोप है कि युवक ने उन्हें पकड़ लिया और जबरदस्ती करने की कोशिश की। गृहवधू ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने कथित तौर पर उन्हें खड़ी नदी के पानी में डुबो दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। घटना के दौरान वहां मौजूद एक स्थानीय बच्चे ने पूरी घटना देख ली। उसने अपने परिवार को इसकी जानकारी दी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 143 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.11 2083 रविवार, 23 अगस्त-2026

बैठकें ही पार्टी को मजबूत करती हैं : मोदी

भाजपा की नई कार्यकारिणी से मुलाकात की, जेन-जी और सोशल मीडिया पर भी बात की

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। पीएम मोदी शनिवार शाम दिल्ली के भाजपा मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने पार्टी की नई राष्ट्रीय टीम से मुलाकात की। मुलाकात की जानकारी देते हुए पीएम ने X पर लिखा- पार्टी के साथियों के साथ बैठक अच्छी रही। ऐसी बैठकें पार्टी को मजबूत करने और जनता से जुड़ाव पर गहरे विचारों का मंच होती हैं।

बैठक के दौरान पीएम जेन-जी और सोशल मीडिया से जुड़े मुद्दों पर बात की। इससे पहले शनिवार सुबह नए पदाधिकारियों की भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ भी बैठक हुई थी। दरअसल, नई टीम की घोषणा 17 अगस्त को हुई थी। 65 सदस्यीय टीम में

राम माधव को उपाध्यक्ष और स्मृति ईरानी को महासचिव बनाकर वापस लाया गया है।

केंद्र सरकार ने यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम के जरिए कॉलेज और यूनिवर्सिटी के छात्रों से सीधे जुड़ने की तैयारी की है। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया था कि 19 अगस्त की कैबिनेट बैठक में यह फैसला हुआ था कि केंद्रीय मंत्री अलग-अलग यूनिवर्सिटी में जाकर छात्रों से बातचीत करेंगे और उनके सवाल, विचार और समस्याएं सुनेंगे। बैठक में मंत्रियों की सोशल मीडिया पोस्ट की पहुंच पर भी चर्चा हुई। इसमें खासतौर पर युवा लोगों तक संदेश पहुंचाने के लिए ज्यादा मेहनत करने की बात कही गई।

नई टीम में 14 पुराने चेहरों को दोबारा जगह मिली है, जबकि 51 नए चेहरे शामिल किए गए हैं। यानी 65 सदस्यों वाली टीम में करीब 78.5% नए चेहरे हैं। इससे साफ है कि संगठन में बड़े स्तर पर बदलाव किया गया है, हालांकि कुछ अनुभवी नेताओं को भी बरकरार रखा गया है।

अमित शाह ने पहाड़ी नेताओं के साथ बैठक की

दार्जिलिंग, 22 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को अपने तीन दिवसीय उत्तर बंगाल दौरे के आखिरी दिन दार्जिलिंग की पहाड़ियों के नीचे सुकना के एक होटल में पहाड़ी इलाकों के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की।

बैठक में पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी मौजूद थे। इसके अलावा गोरखा जनमुक्ति मोर्चा के प्रमुख बिमल गुरुंग और पार्टी के वरिष्ठ नेता रोशन गिरी, गोरखा नेशनल लिबरेशन फ्रंट के प्रमुख मान घिसिंग, दार्जिलिंग के सांसद राजू बिस्टा, राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ राज्य के कई मंत्री और पहाड़ी इलाकों से बीजेपी विधायक भी शामिल हुए।

इस बैठक में बीजेपी के उस चुनावी वादे पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है।

आर्ट ऑफ लिविंग' पर 5 करोड़ का जुर्माना रद्द

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 'आर्ट ऑफ लिविंग फउंडेशन' से जुड़ी संस्था 'व्यक्ति विकास केंद्र' की अपील को मंजूरी दे दी। इसके साथ दिल्ली में यमुना फ्लडप्लेन पर 2016 में हुए इवेंट के लिए संस्था पर लगाए गए 5 करोड़ के पर्यावरण मुआवजे को रद्द कर दिया। इस मामले में, कोर्ट को 'आर्ट ऑफ लिविंग' के इवेंट और फ्लडप्लेन को हुए नुकसान को जोड़ने वाला कोई सीधा सबूत नहीं मिला। जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि किसी व्यक्ति को तभी पूरी तरह से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है जब काम और पर्यावरण को हुए नुकसान के बीच सीधा संबंध साबित हो।

महिलाओं के खिलाफ 3 तरह से हिंसा : राहुल

पहली- पैदा होते ही हत्या, दूसरी- शारीरिक अत्याचार, तीसरी- आर्थिक बंदिशें

पुणे, 22 अगस्त (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने शनिवार को 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में कहा- देश की लड़कियों का आजाद होना जरूरी है। पिता, पति और बेटे से आपका रिश्ता है, लेकिन आपकी पहचान उनसे नहीं है। उन्होंने कहा कि मनुस्मृति कहती है लड़की पिता, पति, बच्चों की संपत्ति है। यह शर्मनाक, महिलाओं को आजाद होना चाहिए। वे किसी पर आश्रित नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'महिलाओं के खिलाफ 3 तरह से हिंसा होती है। पहली- पैदा होते ही हत्या, दसरी- शारीरिक अत्याचार, तीसरी- आर्थिक बंदिशें।' इस कार्यक्रम में सिर्फ

छात्राओं को ही बुलाया गया था। इस दौरान इन्होंने राहुल-राहुल के नारे लगाए।

पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में सिर्फ छात्राएं शामिल हुईं। राहुल गांधी के मंच पर पहुंचते ही छात्राओं ने 'राहुल-राहुल' के नारे लगाए। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि देश की लड़कियों का आजाद होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि पिता, पति और बेटे से महिलाओं का रिश्ता है, लेकिन उनकी पहचान इन रिश्तों से तय नहीं होती। राहुल गांधी ने कहा कि आज मैं राजनीति की बात करने नहीं आया हूं। आज आपको मौका दूंगा। आज आप बोलें कि आप क्या सोचती हैं और क्या चाहती हैं। हम आपके विचारों को आपसे ही साझा करेंगे और उस पर चर्चा करेंगे। >14

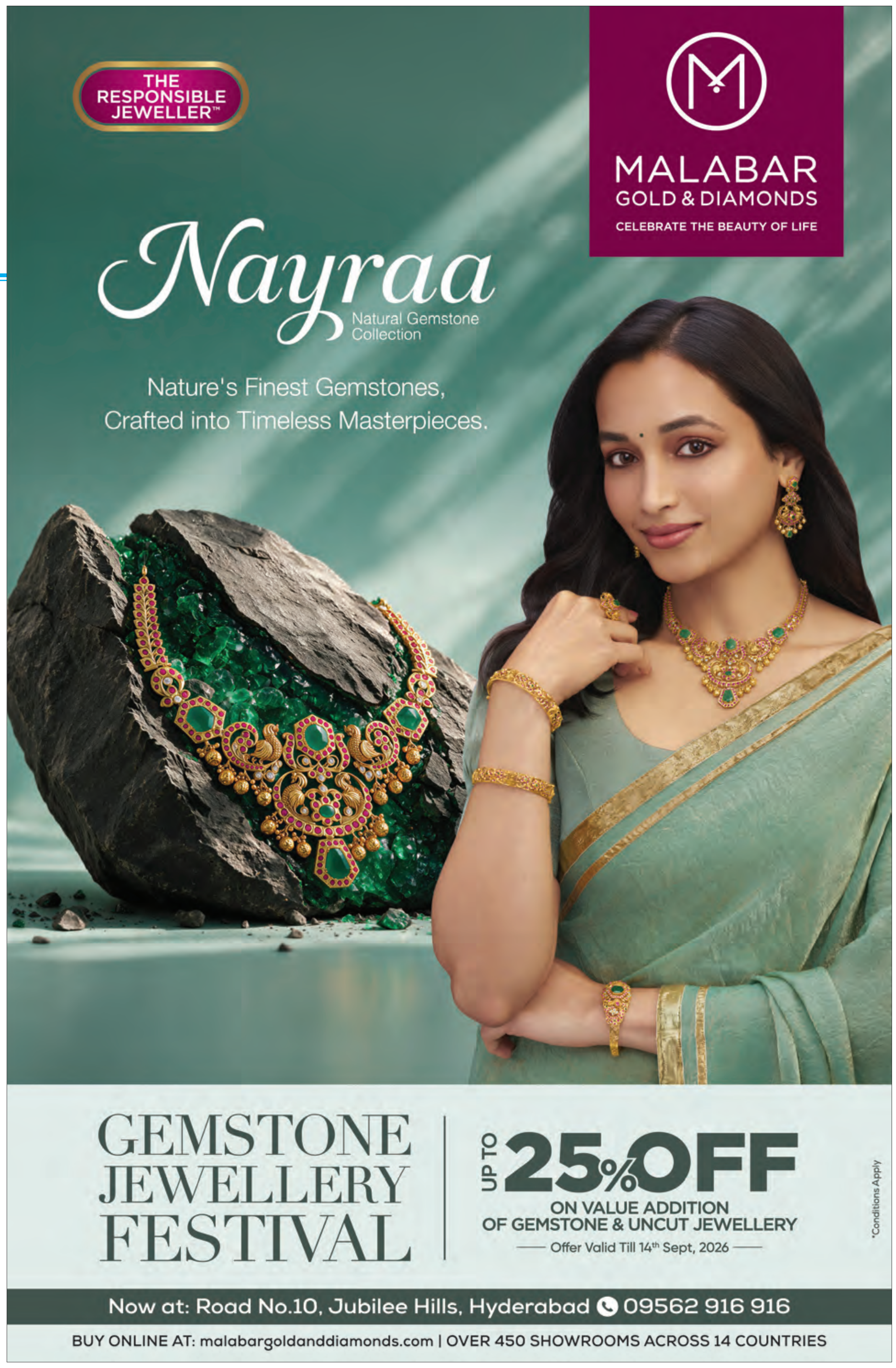

योगी के 'पी' मतलब पाकिस्तान बयान पर अखिलेश का पलटवार, बोले- वो घबराए हैं, इसलिए पी की परिभाषा बदल रहे

लखनऊ, 22 अगस्त (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पीडीए में पी से पाकिस्तान वाले बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कि एकरंगी क्या जानें, पीडीए के बहुरंग। वो घबराए हुए हैं, इसलिए पी की परिभाषा बदल रहे हैं। जितनी उनकी पीड़ा बढ़ेगी, उतना पीडीए मजबूत होगा। बल्कि पीडीए का असली मतलब है प्रेम, दया और अपनापन। भाजपा सत्ता के दुरुपयोग को अपना अधिकार समझती है। भ्रष्टाचार और सरकारी बजट की लूट भाजपा का मुख्य एजेंडा है। पीडीए समाज पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए कहा कि फर्जी एनकाउंटर हो रहे हैं। भाजपा सरकार ने अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर में हुए चढ़ावा चोरी को गंभीरता से नहीं लिया।

सरकार ने चढ़ावा चोरी में शामिल बड़े लोगों को बचाने का काम किया है। समाजवादी पार्टी के ही पास भाजपा के षड्यंत्र को विफल करने की ताकत है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि सपा गिरगिट की तरह रंग बदलती है और पीडीए का पी एक दिन पाकिस्तान कर देगी। सपा को गिद्ध बताते हुए कहा कि इनके बयानों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। सपा का ''पी' कभी पिछड़ा था, फिर पंडित हो गया।

अखिलेश की 'चवन्नी' टिप्पणी पर जयंत चौधरी का पलटवार

'ये जाट समुदाय का अपमान', बोले-ऐसा अहंकार केवल पतन लाता है

मेरठ, 22 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। दोनों पूर्व सहयोगी अब राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बन गए हैं। अखिलेश यादव ने हाल ही में 'चवन्नी' वाली टिप्पणी की थी। इस पर राष्ट्रीय लोक दल प्रमुख जयंत चौधरी ने अब तीखा पलटवार किया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में यह टकराव अखिलेश यादव के 'चवन्नी' वाले कटाक्ष को लेकर है। अखिलेश यादव ने हाल ही में एक कार्यक्रम को संबोधित किया।

उन्होंने कहा था, जाने कहां-कहां से आ गए थे लोग गठबंधन बनाने। यादव ने आगे कहा कि हमने चवन्नी का रुपया बना दिया था, तब भी हमें छोड़कर चले गए वो। उन्होंने किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया था। लेकिन उनकी यह टिप्पणी जयंत चौधरी के लिए मानी गई। यह 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अभियान के दौरान की बात है। तब जयंत चौधरी ने भाजपा की पेशकश को अस्वीकार कर दिया था।

उन्होंने कहा था कि वह 'चवन्नी' नहीं हैं जिसे आसानी से पलटा जा सके। अखिलेश ने यह भी कहा कि कई लोग सपा छोड़कर चले गए हैं। उनकी पार्टी ने जनता से जुड़ने का संकल्प लिया है। सपा सामाजिक न्याय स्थापित करने

और लोगों पर भरोसा करने को प्रतिबद्ध है। यह विवाद 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सामने आया है। रालोद ने अखिलेश यादव के बयान को किसान नेता चौधरी चरण सिंह की विरासत का अपमान कहा। साथ ही जाट समुदाय का भी अपमान बताया गया है। रालोद के अध्यक्ष और केंद्री मंत्री जयंत चौधरी ने अखिलेश यादव पर तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें सस्ती राजनीतिक टिप्पणियां करनी थीं, तो कम से कम उनका नाम लेना चाहिए था। जयंत चौधरी ने एक्स पर एक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, अगर आपको कुछ सस्ते शब्द इस्तेमाल करने थे, तो कम से कम मेरा नाम लेकर कहते। जयंत चौधरी ने अपनी पोस्ट में जोड़ा, जाट समुदाय को निशाना बनाना और कहना कि हमने ए बी सी डी सिखाई? उन्होंने यादव का नाम लिए बिना कहा कि ऐसा अहंकार केवल पतन लाता है। चौधरी ने कहा, मैं इस अहंकार को देख चुका हूं करीब से और मानता हूं ऐसा आचरण सिर्फ़ पतन लाता है! समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल ने 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव गठबंधन में लड़े थे।

इस गठबंधन के तहत रालोद ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 33 सीटों पर चुनाव लड़ा था। पार्टी ने इनमें से आठ सीटों पर जीत हासिल की थी। यह रालोद के लिए एक बड़ी बढ़त थी। 2017 के विधानसभा चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन बहुत खराब रहा था। तब रालोद ने पूरे उत्तर प्रदेश में 277 सीटों पर चुनाव लड़ा था। लेकिन पार्टी को सिर्फ एक सीट पर जीत मिली थी। अखिलेश यादव ने अपनी टिप्पणी से संकेत दिया कि सपा के साथ गठबंधन ने रालोद को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में खोई हुई जमीन वापस पाने में मदद की थी। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले जयंत चौधरी ने भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल होने का फैसला किया। वह वर्तमान में केंद्र सरकार में मंत्री हैं। उत्तर प्रदेश के मंत्री और रालोद नेता अनिल कुमार ने यादव के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे अत्यधिक आपत्तिजनक और दुर्भाग्यपूर्ण₹ बताया। अनिल कुमार ने आरोप लगाया कि यह टिप्पणी केवल जयंत चौधरी का अपमान नहीं है।

यह चौधरी चरण सिंह की विचारधारा और पूरे किसान समुदाय का भी अपमान है। कुमार ने कहा, समाजवादी पार्टी के नेताओं को यह नहीं भूलना चाहिए। आज समाजवादी पार्टी के राजनीतिक अस्तित्व में चौधरी चरण सिंह परिवार का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि किसान समुदाय 2027 के विधानसभा चुनाव में इस कथित अपमान का लोकतांत्रिक जवाब देगा।

स्कूलों के बाहर लगेंगे कैमरे हर स्कूल से 1.12 लाख रुपये का खर्च; हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को दिया आदेश

लखनऊ, 22 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी में स्कूलों के बाहर सुरक्षा और यातायात संबंधी समस्याओं के मुद्दे पर हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने राज्य सरकार और पुलिस को अहम आदेश दिया है। पुलिस उपायुक्त (यातायात) लखनऊ से याचिका में प्रतिवादी सभी 17 स्कूलों के बाहर कैमरे लगाने और इस काम में होने वाले खर्चों के बारे में सूचित करने के लिए कहा है।

कोर्ट ने कहा कि इस संबंध में विस्तृत पत्र पुलिस उपायुक्त (यातायात) के कार्यालय की ओर से डीएम को भेजा जाएगा, जो जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से विद्यालयों को इसकी सूचना सुनिश्चित करेंगे। न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति वृजराज सिंह की खंडपीठ ने यह आदेश गोमती रिवरबैंक रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की जनहित याचिका पर दिया।

इससे पहले न्यायमित्र ने अदालत के समक्ष मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) प्रस्तुत की। इसे लामार्टिनियर गर्ल्स कॉलेज के परामर्श से तैयार किया गया है। इसके अनुसार स्कूल ने खुद परिसर के चारों ओर 12 कैमरे लगाने का प्रस्ताव रखा। यह भी बताया कि इनका फुटेज यातायात पुलिस से साझा किया जा सकता है।

सड़क किनारे आर्केस्ट्रा देख रहे लोगों को बस ने रौंदा, 5 की मौत

पश्चिमी चंपारण, 22 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के पश्चिमी चंपारण में एक बस बेकाबू होकर ऑर्केस्टा देख रहे लोगों की भीड़ में घुस गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं, कई अन्य लोग घायल हुए हैं। घटना लौरिया थाना क्षेत्र की है। यहां देर रात भीषण सड़क हादसे की खबर सामने आई। बेतिया-लौरिया मुख्य मार्ग पर पराउ टोला बनकटवा के समीप तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे चल रहे आर्केस्ट्रा कार्यक्रम में जा घुसी।

हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार और अफरातफरी मच गई। बताया जा रहा है कि बनकटवा निवासी शत्रुघ्न दुबे के घर बच्चे के छठियार का कार्यक्रम चल रहा था। इसी मौके पर सड़क किनारे आर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। इसी दौरान गोरखपुर की तरफ से बेतिया जा रही एक यात्री बस और सामने से आ रहे ट्रक के बीच टक्कर से बचने की कोशिश में बस अनियंत्रित हो गई और सीधे कार्यक्रम स्थल में जा घुसी। बस की चपेट में आने से कई लोग घायल हो गए। मृतक के परिजनों के मुताबिक इस हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है।

मृतकों की पहचान बनकटवा निवासी बहादुर महतो, संजय कुमार, भोला दुबे, देवेंद्र दुबे और छांगुर राम के रूप में बताई जा रही है। हालांकि, स्थानीय पुलिस की ओर से अभी तक मृतकों की संख्या पांच होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इस हादसे की सबसे दर्दनाक तस्वीर यह है कि मृतकों में देवेंद्र दुबे भी शामिल हैं,

सेंट्रल मार्केट मामला: व्यापारियों का एलान

'अब आर-पार की होगी लड़ाई, नहीं तोड़ने देंगे मकान-दुकान'

मेरठ, 22 अगस्त (एजेंसियां)। मेरठ के शास्त्रीनगर सेंट्रल मार्केट में मकान और दुकान बचाने की मांग को लेकर व्यापारियों ने आंदोलन तेज करने का ऐलान किया है। शनिवार को हुई बैठक में व्यापारियों ने आवास एवं विकास परिषद के अधिकारियों पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया और कहा कि अब अपने अधिकारों के लिए आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। व्यापारियों ने 3 सितंबर को बड़े आंदोलन की घोषणा करते हुए कहा कि इसमें किसान भी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ शामिल होंगे।

जगदंबा हॉस्पिटल के संचालक रविंद्र गुर्जर ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने 21 सितंबर तक किसी भी निर्माण को नहीं तोड़ने का आश्वासन दिया था। इसके बावजूद कुछ व्यापारियों को तीन सितंबर तक कथित अनधिकृत निर्माण हटाने के लिए कहा जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि कार्रवाई नहीं होने पर तीन सितंबर से अभियान चलाने की बात अधिकारियों की ओर से कही गई है। राहुल मलिक एडवोकेट, अंजनेय सिंह एडवोकेट और कंवलजीत सिंह समेत अन्य व्यापारियों ने कहा कि उनका आंदोलन किसी विधायक, मंत्री या सरकार के खिलाफ नहीं है।

उन्होंने कहा कि यह लड़ाई मकान, दुकान और रोजी-रोटी बचाने के साथ अपने अधिकारों के लिए है। व्यापारियों ने 3 सितंबर के आंदोलन में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने का दावा किया है। उन्होंने 10 लाख लोगों के पहुंचने की बात कही और आंदोलन की तैयारियां शुरू करने का ऐलान किया।

पूर्वी चंपारण में जुड़वां बच्चों को जन्म देने के बाद प्रसूता की मौत

मोतिहारी (पूर्वी चंपारण), 22 अगस्त (एजेंसियां)। मोतिहारी के अगरवा मोहल्ला स्थित एक निजी नर्सिंग होम में जुड़वा बच्चों को जन्म देने के बाद महिला की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित स्वजन नर्सिंग होम पहुंचे और जमकर हंगामा किया। सूचना मिलने पर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर मामला शांत कराया। बताया गया कि महिला की तबीयत बिगड़ने के बाद नर्सिंग होम की ओर से उसे रेफर किया गया था। स्वजन उसे लेकर दूसरे अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत के बाद स्वजन आक्रोशित हो गए और नर्सिंग होम पहुंचकर हंगामा किया। मृतका के पति अरविंद कुमार ने अनुमंडल दंडाधिकारी, सदर को आवेदन देकर मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है। आवेदन के अनुसार, अरविंद कुमार अपनी गर्भवती पत्नी को प्रसव के लिए अगरवा मोहल्ला स्थित निजी नर्सिंग होम लेकर पहुंचे थे।

वहां 19 अगस्त को आपरेशन से प्रसव कराया गया, जिसके बाद महिला ने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। प्रसव के बाद महिला की तबीयत बिगड़ने लगी और उसकी हालत गंभीर हो गई। इसके बाद नर्सिंग होम की ओर से उसे रेफर कर दिया गया। स्वजन महिला को लेकर दूसरे अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

कोचिंग से घर लौटीं तीन छात्राएं अचानक बिगड़ी तबीयत, दो की मौत, एक की हालत गंभीर

सीतामढ़ी, 22 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के सीतामढ़ी जिले से एक झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। यहां कोचिंग पढ़कर अपने घर लौट रही तीन छात्राओं की अचानक तबीयत बिगड़ गई। आनन-फानन में तीनों को इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान दो छात्राओं ने दम तोड़ दिया। वहीं, तीसरी छात्रा की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है और उसका इलाज जारी है। इस हृदयविदारक घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है और पूरे इलाके में सन्नाटा पसा हुआ है। बाजपट्टी थाना क्षेत्र के बाजितपुर गांव में कोचिंग से घर लौटने के बाद तीन छात्राओं की अचानक तबीयत बिगड़ गई।

तीनों के बेहोश होने के बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए अलग-अलग अस्पताल और निजी क्लीनिक लेकर पहुंचे। इलाज के दौरान दो किशोरियों की मौत हो गई, जबकि तीसरी छात्रा की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतकों की पहचान घनश्याम सदा की 16 वर्षीय पुत्री सपना कुमारी और रामएकबाल सदा की 15 वर्षीय पुत्री कोतरी कुमारी के रूप में हुई है।

कौन हैं पुष्पा प्रसाद? छुट्टी के दिन भी स्कूल पहुंचकर लेती थीं एक्स्ट्रा क्लास, अब मिलेगा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

गोपालगंज, 22 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में गोपालगंज की सहायक शिक्षिका पुष्पा प्रसाद का चयन राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए हुआ है। आगामी पांच सितंबर को नइ दिल्ली में उन्हें देश के अन्य शिक्षकों के साथ राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित किया जाएगा। पुष्पा प्रसाद गोपालगंज के राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, कुचायकोट में पढ़ाती हैं। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चुनी गई पुष्पा प्रसाद गोपालगंज के राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, कुचायकोट में पढ़ाती हैं। उनके चयन से जिले के शिक्षा जगत में खुशी है।

पुष्पा प्रसाद ने बच्चों के भविष्य को बदलने के लिए बढ़-चढ़कर जो प्रयास किया, उसके कारण सोशल मीडिया में भी उनकी खूब सराहना हुई। इससे पहले भी उन्हें राज्य स्तर पर पटना में भी राजकीय पुरस्कार से दो-दो बार सम्मानित किया जा चुका है।

सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत पुष्पा प्रसाद स्कूल में छोटे बच्चों के गणित सो लेकर हिंदी और अंग्रेजी तक सब विषयों की पढ़ाई कराती हैं। उन्हें स्कूल में खाली समय मिलता या छुट्टी का दिन होता, तो वो उस दौरान भी

स्कूल में पहुंचकर बच्चों को पेंटिंग और अन्य एक्स्ट्रा आर्डिनरी गुण सिखाती है।

इस वजह से उन्हें जिला स्तर पर भी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर सम्मानित किया गया है। पुष्पा प्रसाद की प्रारंभिक पढ़ाई बेंगलुरु में हुई। उनके पिता रघुनंदन प्रसाद एयरफोर्स में कार्यरत थे। इस कारण पुष्पा का एडमिशन केंद्लीय विद्यालय में हुआ था। नौवीं तक पढ़ाई के बाद उनके पिता का ट्रांसफर हरियाणा के नजफगढ़ में हो गया। यहां से उन्हों ने 10वीं और 12वीं की पढ़ाई पूरी की।

2004 में पुष्पा की शादी बाढ़ के ही घोसवारी पंचायत निवासी बाल्मिकी प्रसाद से हुई, तब उनके पति बाल्मिली प्रसाद 1999 बैच के शिक्षक थे। पति ने पुष्पा को भी शिक्षक बनने के लिए प्रेरित किया। जिसके बाद गोपालगंज में वर्ष 2006 में चयन हुआ।

पुष्पा प्रसाद को 5 सितंबर को शिक्षक दिवस पर नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के तहत चयनित शिक्षकों को प्रमाणपत्र, रजत पदक और 50 हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चयनित शिक्षकों को समारोह में शामिल होने के लिए एक सहयोगी के सात इनोनॉमी क्लास में हवाई यात्रा की अनुमति दी गई है। चयनित शिक्षकों के लिए नई दिल्ली के होटल द अशोक में 3 से 6 सितबंर की सुबह तक ठहरने की व्यवस्था की गई है। 3 सितंबर को शाम पांच बजे ब्रीफिंग बैठक प्रस्तावित है, जबकि 5 सितंबर को विज्ञान भवन में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार समारोह आयोजित होगा।

पंडारक में बड़ी वारदात की फिराक में थे तीन अपराधी, तीन देसी कट्टा-पिस्टल और 30 जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार

पटना, 22 अगस्त (एजेंसियां)। पंडारक थाना क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बम्पुर पुल के पास छापेमारी कर तीन अपराधियों को हथियार और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों के पास से तीन देसी कट्टा, एक 7.65 एमएम पिस्टल, 30 जिंदा कारतूस, तीन मोबाइल फोन और एक ग्लैमर मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

पटना ग्रामीण एसपी कुंदन कुमार ने फतुहा एसडीपीओ कार्यालय में जानकारी देते हुए बताया कि पंडारक पुलिस को 22 अगस्त की रात करीब 12:20 बजे सूचना मिली थी कि संजय यादव उर्फ संजय अपने तीन-चार साथियों के साथ बम्पुर पुल के पास किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की तैयारी में है। सूचना मिलते ही वरीय पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर छापेमारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

8 साल की बच्ची की निकाली 1 किलोग्राम की गांठ, एसएन मेडिकल कॉलेज में सर्जरी से तीन मासूमों को मिला नया जीवन

आगरा, 22 अगस्त (एजेंसियां)। सरोजिनी नायडू मेडिकल कॉलेज (एसएन मेडिकल कॉलेज) के बाल शल्य चिकित्सा विभाग की टीम ने तीन जटिल सर्जरी में सफलता पाई है। इनमें 8 वर्षीय बच्ची की छाती से एक किलोग्राम से अधिक की गांठ निकालने, 10 वर्षीय बच्चे के दुर्लभ फियोक्रोमोसाइटोमा का ऑपरेशन और आठ माह के शिशु की छाती व जबड़े के नीचे फैली लिम्फैटिक विकृतियों को हटाने के ऑपरेशन शामिल है। डॉ. राजेश गुप्ता के निर्देशन में हुए इन ऑपरेशनों में बच्चों की कम उम्र और बीमारी की जटिलता के कारण विशेष सावधानी बरती गई। तीनों बच्चों की हालत में सुधार के बाद उन्हें स्वस्थ अवस्था में छुट्टी दे दी गई।

पहला केस आठ वर्षीय बच्ची की छाती की दीवार में करीब एक किलो की गांठ बन गई थी। आठ वर्षीय बच्ची की छाती की दीवार में करीब 12×10 सेंटीमीटर की मायोफाइब्रोमा गांठ थी, जिसका वजन एक किलोग्राम से अधिक था। जिससे ऑपरेशन के दौरान अधिक रक्तस्राव का खतरा था। चिकित्सकों ने हारमोनिक स्कैलपेल तकनीक से रक्त वाहिकाओं को सील करते हुए गांठ को पूरी तरह निकाल दिया।

मराठी नहीं आती तो? गिरिराज सिंह ने बताया समाधान, राहुल गांधी पर भी बरसे

पटना, 22 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में ऑटो चालकों और दूसरे राज्यों से आए लोगों को लेकर चल रहे मराठी भाषा विवाद के बीच केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जो लोग महाराष्ट्र से बाहर के हैं और यहां रोजगार के लिए आते हैं, उन्हें स्थानीय भाषा सीखनी चाहिए, लेकिन इसके लिए सरकार को उन्हें पर्याप्त समय देना चाहिए। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति महाराष्ट्र में रहकर रोजी-रोटी कमा रहा है तो उसे वहां की भाषा से अनजान नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय भाषा सीखना और उसे बोलचाल में लाना जरूरी है।

उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कहता कि अगर मैं महाराष्ट्र में रोजी-रोटी कमाता हूं तो मैं यहां की भाषा न जानूं। भाषा जरूर सीखें, लेकिन इसके लिए समय देना चाहिए। गिरिराज सिंह ने कहा कि महाराष्ट्र से बाहर के लोगों के लिए एक समय सीमा तय की जा सकती है, जिसमें वे मराठी भाषा सीख सकें और उसे अपने दैनिक जीवन में इस्तेमाल कर सकें। उन्होंने कहा कि अचानक किसी पर भाषा थोपने के बजाय लोगों को सीखने और समझने का अवसर दिया जाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी हमला बोला। उन्होंने 1984 के सिख विरोधी दंगों का जिक्र करते हुए राहुल गांधी पर सवाल उठाए।

गिरिराज सिंह ने कहा, ये ओछी राजनीति नहीं है तो क्या है? 1984 में जो दंगे हुए, तब भी वो जवान थे। हजारों-लाखों सिखों की हत्या हुई, क्या राहुल गांधी ने कभी माफी मांगी या फिर कभी राजीव गांधी पर केस करवाया? बता दें कि इसी साल जनवरी में मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों से पहले भी मराठी भाषा/अस्मिता गिरिराज सिंह का बयान आया था, जिसमें ठाकरे परिवार (राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे) की तरफ से हिंदी भाषियों पर हमलों और मराठी अस्मिता के मुद्दे को लेकर उन्होंने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि ठाकरे परिवार मराठी बनाम गैर-मराठी का मुद्दा उछालकर हिंदुओं के बीच बंटवारा करने की कोशिश कर रहा है।

रॉक लक्जरी स्पा सेंटर में पुलिस की रेड, मुंह छिपाकर भागीं लड़कियां, देह व्यापार का आरोप

अलीगढ़, 22 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के अलीगढ़ जिले में पुलिस ने स्पा सेंटर में चल रहे अनैतिक काम का भंड़ाफोड किया है। पुलिस ने रॉक लक्जरी स्पा सेंटर में छापेमारी की। जिससे मौके पर हड़कंप मच गया। पुलिस ने स्पा सेंटर से कई युवक और युवतियां को हिरासत में लिया है। पुलिस द्वारा की गई छापेमारी के बाद स्पा सेंटर को बंद करा दिया गया। पुलिस के जाने के बाद एक युवक द्वारा स्पा सेंटर का गेट खोल दिया गया। स्पा सेंटर का गेट खुलते ही लड़कियां चादर लपटे कर मुंह छिपाकर सड़क पर भागती दिखी। स्थानीय लोगो ने स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार होने का आरोप है। स्पा सेंटर से लड़कियां के भागने का वीडियो भी सोशल मीडिया में सामने आया है। मिली जानकारी के मुताबिक,थाना गांधी पार्क क्षेत्र के बस स्टैंड के पास स्थित एक रॉक लग्जरी स्पा सेंटर पर देर शाम पुलिस ने छापामार कार्यवाही की है।

पुलिस को स्पा सेंटर पर अनैतिक कार्य होने की शिकायत लगातार स्थानीय लोगों द्वारा मिल रही थी। स्थानीय पुलिस ने शुक्रवार शाम को स्पा सेंटर पर छापा मार दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। वही पुलिस ने छापेमार कार्यवाही के दौरान कई युवक और युवतियां को हिरासत में लिया, जिसके बाद स्पा सेंटर को बंद करा दिया।

बिहार में फिर आंदोलन की तैयारी! 25 अगस्त को सीएम आवास का घेराव

पटना, 22 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में छात्रों का आंदोलन तेज होता जा रहा है। ऑल बिहार स्टूडेंट यूनियन (एबीएसयू) ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 25 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास घेराव करने का ऐलान किया है। संगठन का दावा है कि इस आंदोलन में बिहार के बड़ी संख्या में छात्र और युवा शामिल होंगे। एबीएसयू पिछले 12 दिनों से पटना के गर्दनीबाग में धरना दे रहा है। संगठन के मुताबिक, दो छात्र पिछले छह दिनों से अनशन पर बैठे हैं। एबीएसयू अध्यक्ष सौरव कुमार ने अनशन पर बैठे छात्रों और अन्य प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर आंदोलन को आगे बढ़ाने का ऐलान किया है।

छात्रों की सबसे बड़ी मांग 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा को रद्द कर दोबारा कराने की है। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों का आरोप है कि परीक्षा संचालन और परिणाम प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती गई। छात्रों ने मांग की है कि पूरी प्रक्रिया की जांच उच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश की निगरानी में सीबीआई से कराई जाए। अभ्यर्थियों ने मार्क्स, कॉपियों की जांच, टॉपर्स के मूल्यांकन और मार्किंग पैटर्न पर भी सवाल उठाए हैं। एबीएसयू ने बिहार में कई अन्य भर्तियों को लेकर भी सरकार के सामने मांगें रखी हैं।

संगठन का कहना है कि लाइब्रेरियन की बहाली पिछले 18 वर्षों से नहीं निकाली गई है, जिसे जल्द जारी किया जाए। इसके अलावा बिहार कर्मचारी चयन आयोग (बीपीएससी) की परीक्षाओं में संविदा वेटेज हटाने, लंबित परीक्षाओं की तारीख घोषित करने और भर्ती प्रक्रिया को समय पर पूरा करने की मांग की गई है। छात्रों ने 1799 पदों वाली दरोगा भर्ती परीक्षा को भी रद्द करने की मांग की है। उनका आरोप है कि इस परीक्षा में गड़बड़ी हुई है। वहीं, असिस्टेंट प्रोफेसर की बहाली से पहले अनिवार्य एलिजिबिलिटी टेस्ट कराने की मांग भी रखी गई है।

एबीएसयू ने कहा है कि बिहार में सभी भर्ती परीक्षाओं के लिए एक वार्षिक कैलेंडर जारी किया जाना चाहिए, ताकि अभ्यर्थियों को परीक्षा और नियुक्ति प्रक्रिया की स्पष्ट जानकारी मिल सके। छात्र संगठन ने बिहार की सभी भर्ती परीक्षाओं में अधिकतम आयु सीमा बढ़ाकर 45 वर्ष करने की मांग की है।

खूनी खेल, सिरफिरे पति ने पत्नी और बेटी का किया कत्ल

गाजियाबाद, 22 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले से एक बेहद दर्दनाक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। खोड़ा थाना क्षेत्र के लोकप्रिय विहार इलाके में शनिवार देर रात एक व्यक्ति ने अपने ही हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया। सिरफिरे पति ने बेरहमी से अपनी पत्नी और बड़ी बेटी की हत्या कर दी, जबकि इसी दौरान उसकी छोटी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। इस दोहरे हत्याकांड के बाद से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और स्थानीय लोग इस घटना से स्तब्ध हैं। यह पूरी घटना खोड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत लोकप्रिय विहार की गली नंबर-3 की है। जानकारी के अनुसार, मूल रूप से बिहार के अररिया जिले का रहने वाला राजा अंसारी यहां एक मकान की चौथी मंजिल पर अपने परिवार के साथ किराए पर रहता था।

उसके परिवार में उसकी पत्नी बीबी तबस्सुम (38), 15 वर्षीय बड़ी बेटी सना तबस्सुम और 14 वर्षीय छोटी बेटी रूबी तबस्सुम शामिल थीं। शनिवार 22 अगस्त 2026 की रात करीब सवा 12 बजे अचानक मकान से चीखने-चिल्लाने की आवाजें आने लगीं, जिसके बाद पड़ोसियों को किसी अनहोनी का अंदेशा हुआ। घटना की सूचना मिलते ही खोड़ा थाना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। जब पुलिस टीम चौथी मंजिल पर स्थित कमरे में दाखिल हुई, तो वहां का नजारा बेहद खौफनाक था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: क्रोध सभी को आता है उसे अपनी मंजिल का अरोडा नहीं, उसे सीढ़ी बनाओ।

औद्योगिक मांग को पूरा करने के लिए बिजली के बुनियादी ढांचे को उन्नत किया जाएगा : भट्टी

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार 2047 तक तेलंगाना को 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में बदलने के अपने लक्ष्य के अनुरूप बिजली क्षेत्र को मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना निवेश के लिए सबसे अच्छे गंतव्यों में से एक के रूप में उभरा है और सरकार राज्य में बिजली या पानी की किसी भी कमी के बिना औद्योगिक क्षेत्र के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। भट्टी विक्रमार्क ने देश भर के उद्योगों और निवेशकों को तेलंगाना में विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि भविष्य की बिजली आवश्यकताओं का अनुमान लगाने और तापीय, सौर, जलविद्युत, पंप स्टोरेज और बैटरी स्टोरेज आदि माध्यमों से बिजली उत्पादन और आपूर्ति क्षमता बढ़ाने के लिए दीर्घकालिक योजनाएं तैयार की जा रही हैं। उपमुख्यमंत्री ने शनिवार को हैदराबाद के नेकलेस रोड स्थित पीपुल्स प्लाजा में एसपीडीसीएल द्वारा आयोजित विद्युत प्रदर्शनी-2026 का उद्घाटन किया। बाद में मीडिया से बात करते हुए भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि यह प्रदर्शनी आम जनता, विशेष रूप से छात्रों के बीच, विद्युत विभाग की उपलब्धियों, लागू किए जा रहे सुधारों और आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए आयोजित की गई थी। इस अवसर पर उन्होंने विद्युत विभाग के कर्मचारियों द्वारा दी जा रही सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि यद्यपि उनका काम हमेशा दिखाई नहीं देता है, लेकिन राज्य के विकास में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में बिजली की मांग में भारी वृद्धि के बावजूद, सरकार निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में सक्षम रही है। उन्होंने बताया कि पहले लगभग 13,000 मेगावाट की चरम मांग अब 18,000 मेगावाट से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि पारेषण प्रणाली को मजबूत करने, अग्रिम योजना बनाने और आवश्यक बिजली की समय पर खरीद करने से सरकार उपभोक्ताओं को बिना किसी रुकावट के बिजली की आपूर्ति करने में सक्षम हुई है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि अधिकारियों को 2047 तक के लक्ष्य निर्धारित करने और भविष्य की बिजली आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अभी से योजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार तापीय ऊर्जा के साथ-साथ हरित ऊर्जा को प्राथमिकता दे रही है और सौर, जलविद्युत, पंप स्टोरेज और बैटरी स्टोरेज क्षमताओं को बढ़ाने के लिए कदम उठा रही है।

फार्मा यूनिट में रिएक्टर धमाके में दो लोगों की मौत, नौ घायल

नलगोंडा, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। यादद्री-भोनगिर ज़िले के भूदान पोचमपल्ली मंडल में डोथिगुडेम गाँव के बाहरी इलाके में एक इंडस्ट्रियल यूनिट में रिएक्टर फटने से दो कर्मचारियों की मौत हो गई और दो अन्य की हालत गंभीर है।

इस घटना में दस लोग गंभीर रूप से घायल हो गए; बताया जा रहा है कि यह घटना तब हुई जब कर्मचारी नाइट शिफ्ट में काम कर रहे थे। धमाके के बाद ज़बरदस्त आग लग गई और घना धुआँ पूरे इलाके में फैल गया। खबरों के अनुसार, रिएक्टर के पास काम कर रहे दस कर्मचारी घायल हो गए, जिनमें बिहार के रहने वाले कर्मचारी भी शामिल है।

कंपनी मैनेजमेंट ने घायलों को इलाज के लिए तुरंत हैदराबाद के एक प्राइवेट अस्पताल में पहुँचाया। ज़ोरदार धमाके से कर्मचारियों में अफरातफरी मच गई और आस-पास के गाँवों के लोगों में डर फैल गया। घटना की जानकारी मिलने पर चौतुप्पल रूरल सीआई सतीश रेड्डी, एसआई जगन और पुलिस के अन्य जवान मौके पर पहुँचे। फायर ब्रिगेड की गाड़ियाँ भी पहुँचीं और आग पर काबू पाया।

कंपनी में यह कोई पहला हादसा नहीं था।

मिलाद-उन-नबी का जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में निकालें : पुलिस आयुक्त

26 अगस्त को प्रस्तावित जुलूस को लेकर पुलिस और आयोजक समिति की समन्वय बैठक

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार ने कहा कि 26 अगस्त को शहर में आयोजित होने वाले पवित्र मिलाद-उन-नबी जुलूस को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न कराया जाए। उन्होंने सभी आयोजकों और श्रद्धालुओं से जिम्मेदारी के साथ सहयोग करने की अपील की। बंजारा हिल्स स्थित तेलंगाना ग्लोबल इंडस्ट्रीज एवं कॉमर्स सेंटर में शनिवार को पुलिस आयुक्त ने 'मरकज-ए-मिलाद जुलूस समिति' के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय बैठक की। उन्होंने कहा कि पैगंबर हजरत मुहम्मद का जन्मदिवस शांति और भाईचारे का प्रतीक है। इसलिए सभी लोग उनके शांति संदेश को आगे बढ़ाते हुए संयम और जिम्मेदारी के साथ जुलूस में भाग लें। सज्जनार ने पिछले तीन वर्षों के दौरान गणेश विसर्जन और मिलाद समारोह एक ही समय पर आने के बावजूद जुलूस स्थगित कर पुलिस को पूर्ण सहयोग देने के लिए समिति के पदाधिकारियों का विशेष आभार जताया। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार का समन्वय बनाए रखने की अपील की। पुलिस आयुक्त ने स्पष्ट किया कि जुलूस निर्धारित समय पर शुरू होकर तय समय सीमा के भीतर समाप्त होना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय और सरकार के नियमों के अनुसार डीजे तथा अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण करने वाले ध्वनि उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध है। उन्होंने कहा कि समारोह में आध्यात्मिक वातावरण और धार्मिक भावना को ही प्राथमिकता दी जाए।

उन्होंने नाबालिगों के वाहन चलाने, मोटरसाइकिल पर तीन लोगों के सवार होने तथा साइलेंसर हटाकर तेज और लापरवाही से वाहन चलाने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। निर्धारित तिथि से पहले किसी भी बाइक रैली की अनुमति नहीं होगी। बारिश के मौसम को देखते हुए विद्युत सजावट में सुरक्षा मानकों का पालन करने, झंडों को बिजली के तारों से दूर रखने और अन्नदान केंद्रों के आसपास यातायात बाधित न होने देने के लिए स्वयंसेवकों को पुलिस के साथ समन्वय करने के निर्देश दिए गए। इससे पहले पुलिस अधिकारियों के साथ वीडियो सम्मेलन में भी सज्जनार ने सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। संवेदनशील क्षेत्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी तथा मुख्य जुलूस की ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। सामाजिक माध्यमों पर भड़काऊ संदेश और नफरत फैलाने वाली टिप्पणियां करने वालों तथा उपद्रवी तत्वों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी। बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त तफसीर इकबाल, संयुक्त पुलिस आयुक्त यातायात जोएल डेविस, पुलिस उपायुक्त राहुल हेगड़े, खारै किरण प्रभाकर, श्रीनिवास, राजेश और राघवेंद्र रेड्डी सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तथा मरकज-ए-मिलाद जुलूस समिति के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

गले में इमली के बीज फंसने से नौ साल के लड़के की मौत

आदिलाबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक दुखद घटना में, शुक्रवार शाम यहां केआरके कॉलोनी में नौ साल के एक लड़के के गले में इमली के बीज फंसने से मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि ज्योतिराम और आशाबाई के बेटे मंगेश ने खेलते समय बीज चबाए थे। जब बीज उसके गले में फंस गए तो उसे सांस लेने में दिक्कत हुई। उसे तुरंत राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स)-आदिलाबाद ले जाया गया। हालांकि, इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

लिवरपूल प्रमुख क्षेत्रों में तेलंगाना के साथ रणनीतिक साझेदारी पर विचार

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। लंदन में, लिवरपूल सिटी डेवलपमेंट की अधिकारी सुसान फिननेगन और नुआला गैलाघर ने लिवरपूल फुटबॉल क्लब के प्रतिनिधियों के साथ तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार भेंट की। लिवरपूल प्रतिनिधिमंडल ने जीवन विज्ञान, प्रौद्योगिकी, खेल और रचनात्मक अर्थव्यवस्था सहित प्रमुख क्षेत्रों में तेलंगाना के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाने में गहरी रुचि व्यक्त की। चर्चाओं के फलस्वरूप, प्रस्तावित साझेदारी को औपचारिक रूप से अंतिम रूप देने के लिए लिवरपूल का एक प्रतिनिधिमंडल अक्टूबर में हैदराबाद का दौरा करने वाला है।

साइबर और हवाई अड्डे से जुड़े विवादों के लिए समय पर न्याय महत्वपूर्ण: मुख्य न्यायाधीश

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति अपारेश कुमार सिंह ने दूरसंचार, प्रसारण, हवाई अड्डा शुल्क और साइबर क्षेत्रों में समय पर, विशेषीकृत और विशेषज्ञ विवाद समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया है।

इन क्षेत्रों में विवादों के समाधान के तंत्रों पर आयोजित एक सेमिनार में बोलते हुए, न्यायमूर्ति अपारेश कुमार सिंह ने दूरसंचार विवाद निपटान और अपीलीय न्यायाधिकरण (टीडीएसएटी) जैसे विशेष संस्थानों की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तकनीकी रूप से जटिल नियामक विवादों के समाधान के लिए विशेषज्ञता, नियामक स्वायत्तता और न्यायिक जवाबदेही के बीच संतुलन आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि निर्णय में देरी से नियामक उद्देश्यों को नुकसान पहुंच सकता है और व्यवसायों तथा उपभोक्ताओं के लिए अनिश्चितता उत्पन्न हो सकती है।

न्यायमूर्ति सिंह ने साइबर प्रौद्योगिकियों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ी उभरती चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि प्रौद्योगिकी न्यायनिर्णय में सहायता कर सकती है, लेकिन न्यायिक तर्क, जवाबदेही और मानवीय निगरानी का स्थान नहीं ले सकती। उन्होंने विवादों के त्वरित समाधान के लिए मध्यस्थता और आपसी सहमति से होने वाले समझौतों का भी समर्थन किया। टीडीएसएटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति डीएन पटेल ने कहा कि नियामकों, नीति निर्माताओं, कानूनी पेशेवरों और अन्य हितधारकों के बीच उपलब्ध उपायों के बारे में अधिक जागरूकता की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत, साइबर से संबंधित दीवानी दावों, जिनमें 5 करोड़ रुपये तक का मुआवजा शामिल है, का निपटारा नामित अधिकारियों द्वारा किया जा सकता है, जिसमें टीडीएसएटी अपीलीय मंच के रूप में कार्य करता है। 5 करोड़ रुपये से अधिक के दावे उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं और सक्षम दीवानी न्यायालयों द्वारा निपटाए जाते हैं। इस संगोष्ठी में तेलंगाना उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एस. सुरेंद्र रेड्डी, एडवोकेट जनरल ए. सुदर्शन रेड्डी और उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी. सैम कोशी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

नागावली एक्सप्रेस में महिला की तबीयत बिगड़ने से मौत

विवाह समारोह में शामिल होकर लौट रही थी घर

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पार्वतीपुरम में विवाह समारोह में शामिल होकर परिवार के साथ हैदराबाद लौट रही एक महिला की चलती ट्रेन में अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। घटना शनिवार तड़के नागावली एक्सप्रेस में हुई। पुलिस के अनुसार, घटकेसर के बालाजीनगर की रहने वाली शिवम जानकी (42) अपने परिवार के सदस्यों के साथ पार्वतीपुरम में आयोजित विवाह समारोह में शामिल हुई थीं। इसके बाद वह ट्रेन संख्या 20809 नागावली एक्सप्रेस के एस-1 डिब्बे में सवार होकर चेर्लापल्ली लौट रही थीं। शनिवार सुबह करीब 5 बजे यात्रा के दौरान जानकी की अचानक तबीयत गंभीर रूप से बिगड़ गई और उन्होंने ट्रेन में ही दम तोड़ दिया। ट्रेन के चेर्लापल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचने के बाद रेलवे कर्मचारियों और संबंधित अधिकारियों को घटना की जानकारी दी गई। शव को ट्रेन से नीचे उतारकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की तथा शव को गांधी अस्पताल भेजा गया। अस्पताल में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव को मृतका के परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और महिला की मौत के कारणों की जांच की जा रही है। मामले की जांच जारी है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, N Sravanthi, W/o, JC 778306F, Nb Sub, Nam Sridhar,R/o, Vill: Kannapur, Dist: Jagtial, Telangana, changed my name from N Sravanthi to Nam Sravanthi, vide Affidavit No. 280884 dt. 04.06.2026, before Advocate and Notary at Jagtial.

I, Padmini P P, Mother of No. 14665781A, Hav, Lijesh P P, R/o, Vill: Chandhappura, Dist; Kannur, Kerala, changed my name from Padmini P P to Padmakshi P P, vide Affidavit No. 995224 dt.20.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, M Sreedharan, Father of No. 14665781A, Hav, Lijesh P P, R/o, Vill: Chandhappura, Dist: Kannur, Kerala, changed my name from M Sreedharan to Sreedharan M, vide Affidavit No. 995198 dt. 18.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 775024X, Sub Hony Lt, Sanjeevi C, R/o, Dist: Tiruvannamalai, Tamil Nadu, changed my Daughter's name from S Deepika to Deepika S, vide Affidavit No. 995254 dt. 21 .08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 775024X, Sub Hony Lt, Sanjeevi C, R/o, Dist: Tiruvannamalai, Tamil Nadu, changed my Daughter's name from S Rajeshwari to Rajeshwari S vide Affidavit No. 995253 dt. 21.08.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

हाईकोर्ट ने मिलावटी मसालों के मामले में अंतरिम राहत देने से इनकार किया

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाई कोर्ट के जस्टिस जे. श्रीनिवास राव ने मिलावटी मसालों के निर्माण और बिक्री से जुड़े मामले की जांच पर रोक लगाने वाले अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया।

कोर्ट विकास अग्रवाल और अन्य द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें पुलिस द्वारा उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को रद्द करने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने तर्क दिया कि पुलिस के पास खाद्य मिलावट के संबंध में मामले दर्ज करने का कानूनी अधिकार नहीं है, और कहा कि ऐसे मामले विशेष वैधानिक ढांचे के अंतर्गत आते हैं। वकील ने आगे कहा कि मुख्य याचिकाकर्ता उस स्थान पर मौजूद नहीं था जहां पुलिस ने तलाशी ली थी, और दावा किया कि उसे केवल पुलिस हिरासत में एक सह-आरोपी द्वारा दिए गए बयान के आधार पर फंसाया गया था। याचिका का विरोध करते हुए, लोक अभियोजक पल्ले नागेश्वर राव ने तर्क दिया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां पूरे क्षेत्र में खाद्य मिलावट के व्यापक प्रसार से निपटने के लिए लक्षित छापे मार रही हैं और मामले दर्ज कर रही हैं।

राज्यपाल ने श्री विद्या कोटि कुमकुमार्चन महायज्ञ में की पूजा

ललिता त्रिपुर सुंदरी देवी से देश की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने शनिवार को श्रीनगर कॉलोनी स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर में आयोजित 'श्री विद्या कोटि कुमकुमार्चन महायज्ञ' में भाग लिया और देवी ललिता त्रिपुर सुंदरी की विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने जगतमाता ललिता त्रिपुर सुंदरी देवी से देशवासियों और सभी श्रद्धालुओं पर अपनी कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि भारतीय महिलाएं जिस श्रद्धा और भक्ति के साथ कुमकुमार्चन सहित विभिन्न आध्यात्मिक अनुष्ठानों में भाग लेती हैं, वह देश की समृद्ध सनातन परंपराओं और आध्यात्मिक विरासत को दर्शाता है। उन्होंने राष्ट्र की निरंतर प्रगति, विश्व शांति, लोककल्याण तथा सभी लोगों के सुख और स्वास्थ्य की कामना की। दो दिवसीय इस महायज्ञ का आयोजन वाराणसी के स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी महाराज के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। महायज्ञ के दौरान ललिता सहस्रनाम के एक करोड़ पाठ तथा महाकुमकुमार्चन का आयोजन किया जा रहा है। देशभर में आयोजित किए जा रहे इस प्रकार के कार्यक्रमों की शृंखला में हैदराबाद का यह महायज्ञ 58वां कार्यक्रम है। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेकर देवी ललिता त्रिपुर सुंदरी की आराधना कर रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में आध्यात्मिक साधना और लोककल्याण की भावना का विशेष महत्व है। ऐसे धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा, शांति और सद्भाव का संदेश देते हैं। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को महायज्ञ के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

बीआरएस ने मुख्यमंत्री की रद्द की गई अमेरिकी यात्रा पर स्पष्टीकरण की मांग की

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने केंद्र और तेलंगाना सरकार से मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की प्रस्तावित संयुक्त राज्य अमेरिका यात्रा के लिए 'राजनीतिक मंजूरी' से इनकार करने के पीछे के सभी विवरण और कारणों का खुलासा करने की मांग की है। विदेश मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित दौरे को अनुचित बताए जाने पर सवाल उठाते हुए, श्रवण ने एक प्रेस बयान में स्पष्टीकरण मांगा कि वास्तव में क्या अनुचित माना गया था और किन बैठकों या कार्यक्रमों ने कथित तौर पर मुख्यमंत्री के दौरे के उद्देश्य या प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया था। उन्होंने मांग की कि सरकार प्रस्तावित 27-30 अगस्त के अमेरिकी दौरे का पूरा कार्यक्रम सार्वजनिक करे, जिसमें नियोजित बैठकें, शामिल संगठन और निमंत्रण देने वालों का विवरण शामिल हो। श्रवण ने उन रिपोर्टों पर भी सवाल उठाया जिनमें कहा गया था कि न्यूयॉर्क शहर के मेयर ज़ोहरान ममदानी के साथ प्रस्तावित बैठक के कारण मंज़ूरी रद्द की गई थी। यदि यही कारण था, तो उन्होंने पूछा कि आधिकारिक कार्यक्रम में ममदानी का नाम क्यों शामिल नहीं किया गया।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित अमेरिका दौरे पर जनता को जवाब चाहिए : एन. रामचंदर राव

अमेरिका दौरे को राजनीतिक मंजूरी न मिलने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने उठाए सवाल

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के प्रस्तावित अमेरिका दौरे को राजनीतिक मंजूरी नहीं मिलने के मुद्दे पर सवाल उठाते हुए कहा कि केंद्र सरकार के विदेश मंत्रालय का निर्णय उचित है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की अमेरिका यात्रा के दौरान ऐसे लोगों से मुलाकात का प्रस्ताव था, जिनके भारत संबंधी रुख को लेकर विवाद रहा है। रामचंदर राव ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि ऐसी खबरें सामने आई हैं कि प्रस्तावित यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क के मेयर जोहान ममदानी से मुलाकात भी कार्यक्रम का हिस्सा थी। उन्होंने सवाल किया कि यदि ऐसी मुलाकात प्रस्तावित थी तो इसे मुख्यमंत्री के आधिकारिक यात्रा कार्यक्रम में क्यों शामिल नहीं किया गया। उन्होंने पूछा कि मुख्यमंत्री ममदानी से क्यों मिलना चाहते थे और ऐसी मुलाकात से तेलंगाना को क्या लाभ होने वाला था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि ममदानी ने कई मौकों पर ऐसे रुख अपनाए हैं, जिनकी भारतीय-अमेरिकी और हिंदू समुदायों के कुछ वर्गों ने आलोचना की है। उन्होंने वर्ष 2020 में राम मंदिर भूमि पूजन के विरोध में हुए प्रदर्शनों में ममदानी की भागीदारी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्ष 2023 की अमेरिका यात्रा से पहले उनके राजनीतिक विरोध का भी उल्लेख किया। रामचंदर राव ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सांसद अभिषेक मनु सिंघवी द्वारा ममदानी के भारत संबंधी रुख पर की गई सार्वजनिक आलोचना का भी हवाला दिया। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं है, बल्कि तेलंगाना की जनता को यह जानने का अधिकार है कि मुख्यमंत्री की प्रस्तावित मुलाकात का उद्देश्य क्या था। उन्होंने कहा कि यदि अमेरिका दौरे का उद्देश्य निवेश आकर्षित करना और तेलंगाना के हितों को आगे बढ़ाना था, तो ममदानी से मुलाकात की जरूरत क्यों महसूस हुई और इससे राज्य को क्या लाभ मिलने की उम्मीद थी।

सड़क हादसे में दो नाबालिगों की मौत

खम्मम, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को जिले के रघुनाधापालेम मंडल में खम्मम-येल्लंडु मुख्य सड़क पर एक सड़क हादसे में दो नाबालिगों की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, यह घटना तब हुई जब मंडल की ग्रीन कॉलोनी का रहने वाला 18 वर्षीय गुंडेटी श्रीनिवास, खम्मम शहर के रामनागुट्टा इलाके की अपनी रिश्तेदार गरलापति ऋषिका (10) के साथ मोटरसाइकिल से कॉलोनी जा रहा था।

हैदराबाद जा रही एक कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे ऋषिका की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल श्रीनिवास की खम्मम के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

AGROHA CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
RIKAB GUNJ, HYDERABAD
2nd & 3rd Floor, D.No. 21-1-974, Opp. to High Court, Ghansi Bazar, Hyderabad-500 002. E-mail : ceo@agrohabank.com

Special Notice to members : of Agroha Co-operative Urban Bank Ltd
Special Notice of Extra-ordinary General Body Meeting :

The special notice is hereby given to the members, that - Extra ordinary special General body meeting of the members of Agroha co-operative Urban Bank Limited (T.A. No.1473) will be held on 30.08.2026, Sunday at 11:25 A.M. at Hotel Royalton, Chirag Ali lane, Abids, to pass the following Special Resolutions.

1. To consider, and approve, the board resolution passed unanimously by board of directors in their meeting no. 290 agenda 22 held on 24.07.2026 for considering amalgamation of Agroha co-operative Urban Bank Ltd Ghansi bazar, Hyderabad with Agrasen co-operative Urban Bank Ltd , siddiamber bazar, Hyderabad in terms of RBI/DoR/2025-26/270 DoR.HOL.REC.189/16-13-100/2025-26 November 28, 2025 Reserve Bank of India (Urban Co-operative Banks - Voluntary Amalgamation) Directions, 2025.
2. To consider transfer of All its assets and liabilities in whole to Agrasen Co-op. Bank in terms Section 44A and Section 35 A of Banking Regulation Act 1949 as amended vide Banking Regulation (Amendment)Act 2020(39 of 2020), read with section 56 of Banking Regulation Act 1949, and as per provisions of section 12 of T.S.C.S. Act 1964 -shareholders are required to pass the resolution by two -thirds in number and value present in the meeting called for this purpose.
3. To Authorize the Chairman of the Board of Directors / CEO of the Bank to submit the scheme of Amalgamation for Approval to RBI and Registrar of Co-operative Societies, Govt of Telangana.
4. To Authorize Directors, Chairman, CEO to implement the scheme of Amalgamation as approved by RBI.
5. To Discuss and approve the Swap Ratio for shares of Agroha Bank to Agrasen Bank as 1:1 offered by Agesen Bank.
6. To discuss and approve -In terms of section 44 A(3) dissenting members shall be required to claim within three months from date of sanction the value of the shares held by them as per the scheme as Approved By RBI.
7. To take note - of assurance and undertaking given By Agrasen Bank to all the depositors that the Interest of Depositors shall be fully protected.
8. To take note - of assurance and undertaking given By Agrasen Bank to all the Creditors of Agroha Bank that , the Interest of creditors shall be fully protected and their dues shall be immediately cleared as and due.
9. To approve the appointment of Statutory Auditors for conducting Audit of Balance sheet and Profit and Loss account.
10. Any other subject that may be placed before the General Body Meeting with relation to process of Amalgamation - with consent of Chairman.

Date : 08.08.2026
Place : Hyderabad

(By order of the Board of Directors)
Sd./- Mahesh Kumar Kedia
Chairman

भारत के पानी से चीनी बनाई

अब उसे दिल्ली को ही बेचने की फिराक में पाकिस्तान सिंधु जल संधि पर इस्लामाबाद का दोमुंहापन

इस्लामाबाद, 22 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान की हालत इस कदर खस्ता है कि वह एक तरफ दुनिया के सामने भारत को दुश्मन बताता है और दूसरी तरफ अपनी कंगाली मिटाने के लिए उसी के साथ व्यापार करने को भी बेकरार रहता है। अब ताजा रिपोर्ट है कि पाकिस्तान की योजना भारत को चीनी निर्यात करने की है। हाल ही में पाकिस्तान की शुगर मिल एसोसिएशन ने पाकिस्तान सरकार से मांग की है कि वह भारत को अतिरिक्त चीनी का निर्यात करने की मंजूरी दे।

पाकिस्तान में 12 लाख टन अतिरिक्त चीनी

पाकिस्तान मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, देश के पास चीनी का 12 लाख टन से ज्यादा का अतिरिक्त स्टॉक है। ऐसे में जब चीनी मिलें अगले सीजन की तैयारी कर रही हैं, यह स्टॉक उन पर आर्थिक दबाव बढ़ा रहा है। पाकिस्तानी चीनी इंडस्ट्री चाहती है कि वह इस चीनी को भारत में बेचे। इस मांग की टाइमिंग ऐसे समय में हुई है, जब भारत ने एक दशक में पहली बार चीनी बाहर से आयात करने को मंजूरी दी है। लेकिन पाकिस्तान की चीनी का भारत कनेक्शन भी है।

पाकिस्तान जो चीनी भारत को बेचना चाहता है, उसे बनाने के लिए उसी सिंधु नदी के पानी का इस्तेमाल करता है, जिसके लिए वह आए दिन भारत के खिलाफ जहर उगलता रहता है। पाकिस्तान को हाल के महीनों में पानी की भारी किल्लत का सामना करना पड़ा है और इसके लिए वह सिंधु जल संधि पर भारत की रोक को जिम्मेदार ठहराता रहा है।

भारत का कहना रहा है कि पाकिस्तान चीनी के रूप में पानी का निर्यात करता है और इसलिए पानी की कमी का दावा नहीं कर सकता। यह कथन किसी भी तरह से गलत नहीं है। चीनी बनाने के लिए गन्ने की एक एकड़ फसल को पूरे मौसम में 48 से 72 एकड़ फीट पानी की जरूरत होती है। चीनी को रिफाइंड करने के लिए हर टन पर 1500 से 2000 लीटर पानी खर्च होता है। इसलिए जब पाकिस्तान चीनी का निर्यात करता है तो सिंधु का पानी निर्यात करता है।

पाकिस्तान के फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के आंकड़े बताते हैं कि इस सीजन में पाकिस्तान में 75 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा चीनी का उत्पादन हुआ है।

शुगर बीट (चुकंदर) को मिलाने के बाद यह 79.58 लाख मीट्रिक टन पहुंचने का अनुमान है। सालाना घरेलू खपत 66.38 लाख मीट्रिक टन है। चीनी इंडस्ट्री का प्रस्ताव है कि इस अतिरिक्त स्टॉक को बेचकर 600 मिलियन डॉलर तक विदेशी मुद्रा कमाई जा सकती है।

एफआईआर लिखने वाला एएसआई ही बना जांच अधिकारी

महिला जेल में, बच्चे को 10 घंटे थाने में बैठाया था, हाईकोर्ट ने डीजीपी से मांगा एफिडेविट

बिलासपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने बिलासपुर पुलिस की एनडीपीएस एक्ट के तहत की गई कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित नशीली टेबलेट की बरामदगी और जांच प्रक्रिया से जुड़ा है। कोर्ट ने जांच प्रक्रिया पर आपत्ति जताते हुए डीजीपी से एफिडेविट के साथ जवाब मांगा है। कोर्ट ने खास तौर पर पूछा है कि जिस एएसआई ने मामले में एफआईआर दर्ज की, उसे ही जांच अधिकारी कैसे नियुक्त कर दिया गया। इस प्रक्रिया को लेकर हाईकोर्ट ने पुलिस से स्पष्टीकरण मांगा है। दरअसल, सरकंडा थाना क्षेत्र के बंधवापारा में पुलिस ने महिला के घर दबिश देकर 2925 क्लोनाजेपाम (रिवोट्रिल) टैबलेट जब्त करने का दावा किया था।

पेंटागन की सख्त कार्रवाई: सैन्य अखबार के संपादक समेत तीन बर्खास्त

वाशिंगटन, 22 अगस्त (एजेंसियां)। पेंटागन के वरिष्ठ अधिकारियों और निकाले गए पत्रकारों का हवाला देते हुए बताया गया है कि पेंटागन ने शुक्रवार को 'स्टार्स एंड स्ट्राइप्स' के प्रकाशक, प्रधान संपादक और पश्चिम एशिया के संवाददाता को नौकरी से निकाल दिया। आलोचक इसे अमेरिकी युद्ध विभाग के जबरदस्ती दबाने वाले पुराने तरीकों की वापसी बता रहे हैं।

यह कार्रवाई रक्षा विभाग की ओर से सरकार से फंड पाने वाले सैन्य समाचार पत्र की कानूनी संपादकीय आजादी को सीमित करने की कोशिश है, जो ईरान में चल रहे युद्ध के बीच की जा रही है।

ये बर्खास्तगी उस आउटलेट की कई खोजी रिपोर्टों के बाद हुई हैं। जिनमें सर्विस मेंबर्स की गंभीर मुश्किलों को उजागर किया गया था। इनमें विमानवाहक पोत यूएसएस ब्राहम लिंकन पर नौसेना के नाविकों की नौ महीने की लंबी तैनाती भी शामिल है। शुक्रवार को

प्रधान संपादक एरिक स्लाविन, प्रकाशक मैक्स लेडरर और पश्चिम एशिया के संवाददाता लारा कोर्टे को नौकरी से निकालने का नोटिस दिया गया। वॉर डिपार्टमेंट ने इन लोगों को नौकरी से निकालने पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

स्लाविन ने बताया कि उन्हें मिले नोटिस में जुलाई में सीबीएस न्यूज को दिए गए एक इंटरव्यू का जिक्र था, जिसमें उन्होंने एडिटोरियल मामलों में दखलअंदाजी की बात कही थी।

स्लाविन ने साफ तौर पर कहा था कि आउटलेट को पब्लिक रिलेशंस का जरिया बनाना हद पार करने जैसा होगा। वे स्वतंत्र रिपोर्टिंग की जरूरत पर कायम रहे। ये बर्खास्तगी कई महीनों से बढ़ते प्रतिबंधों का सिलसिला जारी रखती हैं। जनवरी में, पेंटागन ने स्वतंत्र समाचार प्रवाह की गारंटी देने वाले लंबे समय से चले आ रहे नियमों को रद्द कर दिया। मुख्य प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने अखबार से जागरूक विचारों से ध्यान भटकाने वाली सामग्री से दूर रहने की मांग की। मार्च तक, पेंटागन के एक ज्ञापन ने एपी के वायर रीप्रिंट और कॉमिक्स पर प्रतिबंध लगा दिया। यह अनिवार्य कर दिया कि सामग्री 'सुव्यवस्था और अनुशासन' के अनुरूप हो।

अप्रैल में, आंतरिक संपादकीय लोकपाल जैकलिन स्मिथ को एजेंसी के हस्तक्षेप की आलोचना करने के बाद बर्खास्त कर दिया गया। जिसके बाद विभाग के खिलाफ प्रथम संशोधन का मुकदमा दायर किया गया। कैप्टन विलियम अर्बन, जो पेंटागन के पूर्व वरिष्ठ प्रवक्ता हैं, जिन्हें हाल ही में प्रकाशक के सैन्य उप प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया है।

जस्टिस करोल बोले- जज भगवान नहीं, हर फैसला सही नहीं

कहा- न्याय के लिए विनम्रता जरूरी याचिकाकर्ता के पीछे खड़े इंसान को भी देखें

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय करोल ने शनिवार को अपने विदाई भाषण में कहा कि जज भगवान नहीं होते। उनसे हर फैसला पूरी तरह सही होने की उम्मीद नहीं की जा सकती।

जस्टिस करोल ने कहा, "हम जज कोई भगवान नहीं हैं। हम हर फैसला सही नहीं कर सकते। न्याय करने के लिए विनम्रता जरूरी है। जजों को हर मुकदमे में केवल याचिकाकर्ता नहीं, बल्कि उसके पीछे खड़े इंसान को भी देखना चाहिए।

जस्टिस करोल ने कहा कि संविधान जजों से केवल कानून को सही तरीके से लागू करने की उम्मीद नहीं करता। वह कानून को न्यायपूर्ण तरीके से लागू करने की भी मांग करता है।

जस्टिस करोल ने संवैधानिकता और न्याय के अर्थ पर बात करते हुए कहा कि कानून, उचित प्रक्रिया और संवैधानिक वैधता जैसे विचारों को समझने का सबसे आसान तरीका धर्म है।

उन्होंने साफ किया कि यहां धर्म का अर्थ किसी अनुष्ठान से नहीं, बल्कि कर्तव्य से है। उन्होंने कहा कि जज का कर्तव्य न्याय का सम्मान करना और यह सुनिश्चित करना है कि अदालत के सामने खड़ा हर व्यक्ति, चाहे वह कितना भी छोटा या कमजोर क्यों न हो, देखा और सुना जाए।

जस्टिस करोल ने अपनी चार दशक लंबी कानूनी यात्रा को याद करते हुए कहा कि अदालत उनके लिए कभी सिर्फ काम करने की जगह नहीं रही। कोर्ट रूम ने उन्हें हमेशा सहारा दिया और उनके जीवन में उनसे कहीं बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि उन्होंने अदालतों में करीब 40 साल बिताए।

बद्दी में बनी 82 दवाओं के सैंपल फेल

सोलन, 22 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में बनी 82 दवाओं और देशभर की 240 मेडिसिन के सैंपल फेल हुए हैं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की जांच में ये दवाएं गुणवत्ता मानकों पर खरी नहीं उतरीं। देशभर में फेल हुए कुल सैंपलों में करीब एक तिहाई हिस्सेदारी हिमाचल में बनी दवाओं की है।

फेल हुए 82 सैंपलों में 52 दवाएं अकेले बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ के उद्योगों में बनी हैं। इससे देश के बड़े फार्मा हब बीबीएन में दवाओं की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हुए हैं।

स्टूडेंट ने टीचर से 1.54 करोड़ ठगे

क्रिप्टो इन्वेस्ट में 25% मुनाफे का झांसा, बैंक-कर्ज की रकम लगवाई, मोबाइल बंद कर भागे

रायपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। क्रिप्टो ट्रेडिंग में तय मुनाफा दिलाने का झांसा देकर स्टूडेंट ने अपने टीचर से 1 करोड़ 54 लाख 90 हजार की ठगी कर ली। शिक्षक का आरोप है कि आरोपियों ने शुरुआत में कुछ समय तक मुनाफा देकर उसका भरोसा जीता। इसके बाद अलग-अलग खातों में रकम जमा कराई। जब शिक्षक ने अपनी मूल रकम वापस मांगी तो आरोपी मुंबई से पैसा आने, ट्रेडिंग आईडी ब्लॉक होने और रकम फंसने जैसे बहाने बनाने लगे। बाद में दोबारा निवेश के नाम पर भी पैसे लिए गए और 5 फरवरी 2026 से सभी आरोपी मोबाइल बंद कर मकान छोड़कर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर पुलिस मामले में आरोपियों की भूमिका और पैसों के लेन-देन की जांच कर रही है। आरोपियों का नाम नेहल अग्रवाल, ललित अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, सीमा अग्रवाल और नमित अग्रवाल है।

ओहायो गवर्नर चुनाव : विवेक रामास्वामी के समर्थन में उतरे जेडी वेंस

बोले- मेरा दोस्त शानदार उम्मीदवार

वॉशिंगटन, 22 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने ओहायो के गवर्नर पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के अपने साथी और अच्छे दोस्त विवेक रामास्वामी का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय-अमेरिकी कारोबारी से नेता बने रामास्वामी "एक शानदार गवर्नर साबित होंगे।"

41 वर्षीय रामास्वामी को वेंस का समर्थन ऐसे समय मिला है, जब कुछ सप्ताह पहले सिनसिनाटी में यंग अमेरिकन्स फॉर लिबर्टी सम्मेलन के दौरान उनके बयानों से नाराज भीड़ ने उन्हें हूट किया था और मंच से जाने के लिए मजबूर कर दिया था। वेंस ने शुक्रवार को ओहायो में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, "हमारे पास एक शानदार गवर्नर पद के उम्मीदवार हैं और मेरा दोस्त विवेक रामास्वामी ओहायो के अगले शानदार गवर्नर भी होंगे।" वेंस ने कहा, "मुझे नहीं लगता कि उस दिन विवेक को मतदान केंद्र जाने के लिए किसी को प्रोत्साहित करने की जरूरत थी। जब मतपत्र पर आपका नाम होता है, तो किसी को आपको मतदान करने के लिए कहने की जरूरत नहीं होती। लेकिन विवेक ओहायो राज्य के लिए एक शानदार गवर्नर साबित होंगे।"

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन से रामास्वामी ने मई में रिपब्लिकन पार्टी का प्राइमरी चुनाव जीता था। इसके बाद वह नवंबर में होने वाले ओहायो के गवर्नर पद के चुनाव में पार्टी के उम्मीदवार बने। रामास्वामी ट्रंप के डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी के पूर्व सह-अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने 2024 में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव अभियान भी शुरू किया था, लेकिन बाद में इससे बाहर हो गए और ट्रंप का समर्थन किया।

तेज रफ्तार पिकअप ट्रक से टकराई, 3 मजदूरों की मौत

बलरामपुर/अंबिकापुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में देर रात मजदूरों से भरी तेज रफ्तार पिकअप बाक्साइट लोड ट्रक से टकरा गई। हादसे में 3 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 7 गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा रात करीब 2 बजे राजपुर-कुसमी मार्ग पर सेवारी के पास हुआ। सूरजपुर जिले के 10 मजदूर पिकअप में सवार होकर टमाटर की खेती के काम से शंकरगढ़ जा रहे थे।

इसी दौरान तेज रफ्तार पिकअप की बाक्साइट लोड ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप बुरी तरह डैमेज हो गई और उसमें सवार सभी 10 मजदूर घायल हो गए। इनमें 3 की मौके पर मौत हो गई, जबकि 7 की हालत गंभीर है। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

सिख परिवारों का राहुल के घर के बाहर प्रदर्शन: पुतला जलाया

सिख दंगों के दोषी सज्जन को हीरो कहने पर नाराजगी, 2 दिन पहले निधन हुआ

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। सिख नेताओं और 1984 के सिख विरोधी दंगों से प्रभावित परिवारों के सदस्यों ने शनिवार को 5, सुनहरी बाग रोड स्थित राहुल गांधी के घर के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए पुतला भी फूंका।

प्रदर्शनकारी सिख कांग्रेस नेताओं की ओर से पूर्व पार्टी नेता सज्जन कुमार को हीरो और आदर्श बताने वाले बयान से नाराज हैं। उन्होंने कहा- कांग्रेस को इस बयान को वापस लेकर माफी मांगनी चाहिए।

सज्जन कुमार 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में दोषी ठहराए गए थे। दिल्ली की तिहाड़ जेल में गुरुवार को 80 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था।

बातचीत में कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा ने सज्जन कुमार के निधन को कभी न पूरी होने वाली क्षति बताया था। वहीं, कांग्रेस के नेता उदित राज ने सज्जन कुमार के निधन को पार्टी के लिए बड़ी क्षति बताते हुए कहा कि उन्होंने विशेष रूप से गरीबों के लिए बहुत काम किया था। इन बयानों के बाद से सिख समाज में नाराजगी है। प्रदर्शन का नेतृत्व दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कलका और महासचिव जगदीप सिंह कहलोन ने किया। डीएसजीएमसी के नेता ने कांग्रेस से साफ करने को कहा कि क्या दंगों से जुड़े मामलों में दोषी ठहराए गए सज्जन कुमार को हीरो माना जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सज्जन कुमार की मौत के बाद कांग्रेस नेताओं ने जिस तरह के बयान दिए और उन्हें अपना हीरो बताया, वह आपत्तिजनक हैं। राहुल गांधी को आज साफ करना होगा कि क्या सज्जन कुमार उनके हीरो हैं।

उन्होंने कहा, 42 साल बाद हमारे परिवारों के जख्म फिर हरे हो गए हैं। हमारी भावनाओं को ठेस पहुंची है। राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं को इसे स्वीकार कर माफी मांगनी चाहिए।

उम्रकैद काट रहे सज्जन कुमार का गुरुवार को तिहाड़ में निधन

तिहाड़ जेल में कैद कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार का गुरुवार को 80 साल की उम्र में निधन हो गया था। सज्जन दिसंबर 2018 से जेल में थे। 7 साल 8 महीने जेल में रहे। उन्हें 1984 सिख विरोधी दंगों के दो मामलों में उम्रकैद की सजा मिली थी, जबकि दंगों से ही जुड़े दो केस में बरी हो गए थे।

बीजेपी ने जेन-जी से जुड़ने के लिए टीम बनाई

नितिन नवीन, स्मृति-तावड़े शामिल, कांग्रेस के पूरा वंदे मातरम न गाने के खिलाफ प्रस्ताव पास

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। बीजेपी ने जेन-जी यानी युवा वोटर्स से जुड़ने के लिए खास टीम बनाई है। इसमें भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी और विनोद तावड़े के साथ गुजरात के मंत्री हर्ष सांघवी और छत्तीसगढ़ के मंत्री ओपी चौधरी शामिल हैं।

वहीं, दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में शनिवार को नितिन नवीन की अध्यक्षता में 65 सदस्यीय नई राष्ट्रीय टीम की पहली बैठक हुई।

वंदे मातरम को लेकर कांग्रेस के फैसले के खिलाफ प्रस्ताव पास किया गया। भाजपा ने कांग्रेस के कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत के केवल दो पैरा गाने के फैसले की निंदा की।

नितिन नवीन की नई टीम शनिवार शाम 7 बजे पीएम मोदी से बीजेपी मुख्यालय में मुलाकात करेगी। टीम की घोषणा 17 अगस्त को हुई थी।

नई बीजेपी टीम जेन-जी के बीच 'युवा संवाद' अभियान चलाएगी। इसके तहत 14 से 25 साल के युवाओं को जोड़ने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान का मकसद युवा वोटर्स के बीच पार्टी की पहुंच और संपर्क मजबूत करना है। इसके तहत बातचीत, चर्चा और युवा संवाद जैसे कार्यक्रम होंगे।

कार्यक्रमों के जरिए जेन-जी की सोच, उनकी चिंताओं, जरूरतों और उम्मीदों को समझने की कोशिश की जाएगी। युवाओं को बीजेपी नेताओं से सीधे बातचीत करने और अपने मुद्दे रखने का मौका भी दिया जाएगा। कार्यक्रम का शेड्यूल, फॉर्मेट और जगहों की जानकारी जल्द जारी होने की उम्मीद है।

2027 में यूपी, गुजरात, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर और गोवा में विधानसभा चुनाव होंगे। इन 7 राज्यों में करीब 22% वोटर 18 से 29 साल की उम्र के हैं। पिछले विधानसभा चुनावों के आंकड़ों पर नजर डालें तो इन राज्यों की कुल 940 सीटों में 257 सीटें यानी करीब 27% सीटों पर जीत का अंतर 5% या उससे कम रहा था।

ऐसे में अगर 18-29 साल के वोटर्स में से सिर्फ 5% वोटर भी एकजुट होकर किसी एक पार्टी के पक्ष में वोट करते हैं, तो कई सीटों पर मुकाबले का नतीजा बदल सकता है। यही वजह है कि 2027 के चुनावों से पहले राजनीतिक दल जेन-जी और युवा वोटर्स तक अपनी पहुंच बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। जो किशोर आज 14 या 15 साल का है, वह 2029 के लोकसभा चुनाव में पहली बार वोट डालेगा।

पार्टियां जानती हैं कि अगर इस उम्र में किसी विचारधारा के प्रति लगाव पैदा कर दिया जाए, तो वह भविष्य का एक स्थायी और लॉयल वोटर बन सकता है।

छात्रों से मारपीट, भाजपा ने सरकार पर साधा निशाना

गिरिडीह, 22 अगस्त (एजेंसियां)। गिरिडीह में शुक्रवार की शाम मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन करने पहुंचे छात्रों और झामुमो कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प अब राजनीतिक रंग ले चुकी है। भाजपा ने इस घटना को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

नेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को गिरिडीह परिसदन भवन में पत्रकार वार्ता कर घटना की कड़ी निंदा की और इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों और नौजवानों की आवाज दबाने के लिए दमन की नीति अपना रही है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा छात्रों के साथ सड़क से लेकर सदन तक खड़ी है। बाबूलाल मरांडी ने चेतावनी दी कि सरकार छात्रों की आवाज दबाने की जितनी कोशिश करेगी, आंदोलन उतना ही तेज होगा। हजारीबाग, रांची और गिरिडीह में छात्रों के साथ मारपीट की घटनाएं सामने आई हैं।

गिरिडीह की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि छात्र मुख्यमंत्री का पुतला दहन करने की तैयारी कर रहे थे, तभी झामुमो कार्यकर्ता वहां पहुंचे और पुतला छीन लिया। इसके बाद छात्रों को दौड़ा-दौड़ाकर डंडे से पीटा गया। बाबूलाल मरांडी ने दावा किया कि मारपीट में कई छात्र घायल हुए हैं और एक छात्र को गंभीर चोट लगने के बाद आईसीयू में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि वह स्वयं घायल छात्र से मिलने अस्पताल गए थे। उन्होंने घटना को पूर्व नियोजित बताते हुए कहा कि छात्रों ने पहले ही प्रेस वार्ता कर 21 अगस्त को राज्य के सभी जिलों में मुख्यमंत्री का पुतला दहन करने की जानकारी दी थी। इसके बावजूद झामुमो कार्यकर्ताओं का वहां पहुंचना और छात्रों के साथ मारपीट करना गंभीर सवाल खड़े करता है।

बाबूलाल मरांडी ने एक कथित सोशल मीडिया संदेश का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि झामुमो कार्यकर्ता मो. इमरान अजीज खान के सोशल मीडिया हैंडल से कार्यकर्ताओं को शुक्रवार शाम चार बजे तक पार्टी कार्यालय पहुंचने का संदेश दिया गया था। उन्होंने इस संदेश की जांच कराने और इसकी सत्यता सामने लाने की मांग की।

भाजपा नेता ने कहा कि घटना से जुड़े वीडियो में मारपीट करने वाले लोगों की पहचान की जा सकती है।

नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग तेज

शेर बहादुर देउबा का सनातन पर बड़ा ऐलान, क्या फैसला लेंगे बालेन शाह?

काठमांडू, 22 अगस्त (एजेंसियां)। नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ता नजर आ रहा है। देश में इसको लेकर आंदोलन के बीच पूर्व प्रधानमंत्री और नेपाली कांग्रेस (एनसी) नेता शेर बहादुर देउबा ने सनातन धर्म को राष्ट्रीय पहचान देने का ऐलान किया है। इससे नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग को बल मिला है। देउबा के नेतृत्व वाले एनसी गुट के 14वें राष्ट्रीय सम्मेलन में इसे देश की राष्ट्रीय पहचान के तौर पर बढ़ावा देने का प्रस्ताव पास किया गया। सम्मेलन में 'मैं हिंदू हूं' के नारे लगाए गए।

देउबा ने कहा है कि सनातन धर्म को नेपाल की पहचान बनाया जाए। इस बयान से राजनीतिक माहौल गरमा गया है। हालांकि प्रस्ताव में सभी धार्मिक समुदायों की आजादी, सहिष्णुता और सामाजिक सद्भाव के साथ-साथ हिंदू, बौद्ध, किरात और प्रकृति-आधारित धार्मिक परंपराओं के संरक्षण पर भी जोर दिया गया है।

नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र घोषित करने का अभियान अब एक नए चरण में पहुंच गया है।

हिंदू-समर्थक संगठन अपनी मांग को आगे बढ़ाने के लिए संविधान संशोधन को एक रास्ते के तौर पर देख रहे हैं। नेपाल सरकार भी संविधान के विभिन्न प्रावधानों में संशोधन के लिए सुझाव इकट्ठा कर रही है। विश्व हिंदू परिषद नेपाल ने सरकार को लिखित प्रस्ताव सौंपा है। इसमें संविधान के अनुच्छेद 4 से 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द हटाने को कहा गया है।

सर्दी-जुकाम की दो दवाइयों का कॉम्बीनेशन बच्चों के लिए बैन

4 साल से छोटे बच्चों को खतरा पैकेट पर वार्निंग लिखना जरूरी

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने चार साल से छोटे बच्चों के लिए सर्दी-जुकाम की दवा को लेकर शनिवार को आदेश जारी किया है। सरकार के मुताबिक, क्लोरफेनिरामाइन मैलेट और फिनाइलेफ्राइन हाइड्रोक्लोराइड के कॉम्बिनेशन से बनने वाली सभी दवाएं चार साल से छोटे बच्चों को न दी जाएं।

सरकार ने दवा कंपनियों को इन दवाओं के पैकेट, अंदर की जानकारी और प्रचार सामग्री पर साफ चेतावनी लिखने का आदेश दिया है, ताकि छोटे बच्चों को इनके इस्तेमाल से होने वाले संभावित खतरे से बचाया जा सके। दवा के पैकेट पर लिखना होगा कि 4 साल से कम उम्र के बच्चों में इसका इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

सरकार ने एक्सपर्ट कमेटी और

ड्रग्स टेक्नीकल एडवाइजरी बोर्ड (डीटीएबी) की सिफारिश के बाद यह फैसला लिया है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस दवा कॉम्बिनेशन से छोटे बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी जोखिम हो सकते हैं, जबकि इस उम्र के लिए सुरक्षित विकल्प उपलब्ध हैं।

क्लोरफेनिरामाइन मैलेट और फिनाइलेफ्राइन हाइड्रोक्लोराइड का कॉम्बिनेशन आमतौर पर सर्दी-जुकाम और नाक बंद होने के बाद दी जाने वाली दवाओं में इस्तेमाल होता है।

गुप्तेश्वर गुफा मंदिर: ओडिशा की रहस्यमयी गुफा में विराजमान स्वयंभू शिवलिंग

हमारे देश में मंदिरों का अपना अलग इतिहास और कहानी है। कुछ मंदिर अपनी वास्तुकला के लिए जाने जाते हैं, तो कुछ की ऐसी अनोखी कहानियां हैं जो इनके महत्व को और ज्यादा बढ़ाती हैं। इन्हीं मंदिरों में से एक है- गुप्तेश्वर गुफा मंदिर।

यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और इसके लिए मान्यता है कि इस मंदिर में शिवलिंग स्वयं प्रकट हुआ था इसलिए इसे स्वयंभू मंदिर भी कहा जाता है। यह भारत के ओडिशा राज्य के कोरापुट जिले के जेपोर से लगभग 55 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रहस्यमयी गुफाओं के बीच मौजूद होने की वजह से यह मंदिर गुप्तेश्वर गुफा मंदिर के नाम से जाना जाने लगा। इसकी कुछ अनोखी कहानियां और अपना अलग इतिहास है। यही नहीं इस मंदिर के लिए कहा जाता है कि यहां आने वाले भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। आइए जानें इस मंदिर से जुड़ी कुछ अद्भुत बातों के बारे में।

मंदिर की खासियत क्या है?

कोरापुट से लगभग 80 किलोमीटर दूर स्थित है 'गुप्तेश्वर' गुफा मंदिर जिसका अर्थ है 'छिपे हुए देवता'। यह एक अत्यंत मनमोहक तीर्थस्थल ही जो न केवल भगवान शिव को समर्पित एक धार्मिक स्थल है, बल्कि इतिहास, प्रकृति की भव्यता और अटूट आस्था का एक अनूठा संगम भी है।

स्थानीय लोग इसे 'गुप्त केदार' के नाम से बुलाते हैं और यह गुफा घने जंगलों से घिरी है और शांत कोलाब नदी के किनारे स्थित है। इसका शांत माहौल इसे और भी खास बनाता है। मंदिर का एक और आकर्षण है चूना-पत्थर से बनी यह गुफा जो अपने विशाल और लगातार बढ़ते स्वयंभू शिवलिंग के लिए मशहूर है।

गुप्तेश्वर मंदिर का शिवलिंग है खास

गुप्तेश्वर मंदिर का सुंदर रास्ता भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करता है और गुप्तेश्वर गुफा तक पहुंचने के लिए पहाड़ी के नीचे से 200 सीढ़ियां बनाई गई हैं। जब आप गुफा के प्रवेश द्वार पर पहुंचते हैं, तो चंपा के पेड़ों की भीनी-भीनी खुशबू हवा में घुली होती है।

मंदिर का प्रवेश द्वार लगभग 9.5 फीट चौड़ा और 6.5 फीट ऊंचा है। इस मंदिर में मौजूद शिवलिंग 3 फीट ऊंचा है और इसकी गोलाई 10 फीट है। इस मंदिर में एक और गुफा है जिसे कामधेनु के थन के रूप में पूजा जाता है। लोग उस थन से टपकने वाली पानी की बूंदों को इकट्ठा करने के लिए लंबे समय तक इंतजार करते हैं और इस पानी को पीना अमृत पान के सामान माना जाता है।

रामायण काल से जुड़ा है मंदिर का इतिहास

इस मंदिर के लेकर एक मान्यता है कि रामायण काल में भगवान राम ने स्वयं वनवास के दौरान दंडकारण्य जंगल में इस लिंग की खोज की थी। मशहूर कवि कालिदास ने अपनी रचना 'मेघदूतम्' में रामगिरि जंगल की मनमोहक सुंदरता का जिक्र किया है, जहां यह गुफा मंदिर स्थित है।

समय के साथ इस गुफा का अस्तित्व धुंधला पड़ने लगा, लेकिन 17वीं सदी में एक शिकारी की अचानक हुई मुलाकात से महाराजा वीर विक्रम देव को इस गुफा के बारे में पता चला और गुप्तेश्वर गुफा को फिर से खोजा गया।

यहां मौजूद स्वयंभू शिवलिंग की भव्यता से प्रभावित होकर, राजा ने पुजारियों को नियुक्त किया और एक ऐसी परंपरा शुरू की जो आज भी जारी है। इस मंदिर में सावन के पवित्र महीने में पैदल तीर्थयात्रा होती है और हजारों श्रद्धालु इस जगह पर इकठ्ठा होकर मनोकामनाओं की पूर्ति करते हैं।

सावन में लगता है भक्तों का मेला

इस मंदिर में सावन के महीने में, बोल बम यात्रा के दौरान हजारों भक्त लगभग 40 से 60 किलोमीटर की पैदल यात्रा करते हैं। लाखों की संख्या में कांवड़िये यहां जल लेकर आते हैं और शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं। इस मंदिर में भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। भले ही इस मंदिर का नाम गुप्तेश्वर है जिसका अर्थ होता है छिपे हुए ईश्वर, लेकिन गुप्तेश्वर मंदिर में भगवान शिव की मौजूदगी का एहसास यहां आने वाले हर भक्त को जरूर होता है।

पुत्रदा एकादशी : व्रत में भूलकर भी न खाएं ये चीजें

सेंधा नमक और फलाहार के सही नियम

सावन पुत्रदा एकादशी का व्रत वर्ष 2026 में 23 अगस्त, रविवार को रखा जाएगा। इस दिन श्रद्धालु भगवान विष्णु की आराधना करते हुए व्रत रखते हैं। धार्मिक परंपराओं में एकादशी के दौरान सात्विक भोजन और संयम को विशेष महत्व दिया जाता है। हालांकि, व्रत रखने का तरीका व्यक्ति की धार्मिक परंपरा और स्वास्थ्य के अनुसार अलग हो सकता है।

व्रत में क्या खा सकते हैं?

एकादशी के व्रत में सामान्य रूप से फलाहार किया जाता है। श्रद्धालु फल, दूध, दही और अपनी परंपरा के अनुसार व्रत में इस्तेमाल होने वाले खाद्य पदार्थों का सेवन कर सकते हैं। साबूदाना, कुट्टू का आटा, सिंघाड़े का आटा और आलू से बने सात्विक व्यंजन भी कई घरों में व्रत के दौरान खाए जाते हैं।

सेंधा नमक का किया जाता है इस्तेमाल

व्रत के भोजन में सामान्य नमक की जगह कई लोग सेंधा नमक का उपयोग करते हैं। इससे फलाहार व्यंजन तैयार किए जाते हैं। हालांकि, भोजन संबंधी नियम अलग-अलग परिवारों और धार्मिक परंपराओं में भिन्न हो सकते हैं।

किन चीजों से करना चाहिए परहेज?

पुत्रदा एकादशी व्रत में सामान्य रूप से अनाज और दालों का सेवन नहीं किया जाता। चावल, गेहूं से बने सामान्य खाद्य पदार्थ और अन्य नियमित भोजन से व्रत रखने वाले श्रद्धालु परहेज करते हैं। मांसाहार और शराब जैसी तामसिक चीजों से दूर रहने की भी धार्मिक परंपरा है।

ज्यादा तला-भुना खाना खाने से बचें

व्रत के नाम पर अधिक तला-भुना या भारी भोजन करने से बचना बेहतर हो सकता है। फल, पर्याप्त पानी और हल्का भोजन शरीर को ऊर्जा देने में मदद कर सकता है। निर्जला व्रत रखने या भोजन में बड़ा बदलाव करने से पहले अपनी शारीरिक क्षमता का ध्यान रखना जरूरी है।

व्रत में सात्विकता और संयम का रखें ध्यान

एकादशी व्रत को केवल खान-पान से नहीं, बल्कि संयम और सात्विक व्यवहार से भी जोड़ा जाता है। भगवान विष्णु की पूजा, नाम जाप, जरूरतमंदों की सहायता और सकारात्मक व्यवहार को धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण माना गया है।

इस मंत्र का करें जाप

सनातन धर्म की परंपराओं के मुताबिक, पुत्रदा एकादशी पर विष्णु जी की पूजा के बाद संतान गोपाल सिद्ध मंत्र का जाप लाभदायी बताया है। इस मंत्र को संतान सुख और परिवार की खुशहाली की कामना से जोड़ा जाता है। **मंत्र इस प्रकार है: ॐ देवकीसुत गोविंद वासुदेव जगत्पते। देहि मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गतः॥**

पति-पत्नी करें जाप

मान्यता के अनुसार, पति और पत्नी दोनों मिलकर इस मंत्र का जाप करें तो इसे अधिक शुभ माना जाता है। पूजा के बाद भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण की प्रतिमा के सामने बैठकर श्रद्धापूर्वक मंत्र का जाप किया जा सकता है।

कितनी बार जपें मंत्र

संतान गोपाल सिद्ध मंत्र का 5, 7 या 11 बार जाप करने की परंपरा बताई गई है। जाप करते समय मन को शांत रखें और भगवान श्रीकृष्ण का ध्यान करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, श्रद्धा और विश्वास के साथ किया गया जाप विशेष फलदायी माना जाता है।

बाल गोपाल को लगाएं भोग

मंत्र जाप के साथ बाल गोपाल को तुलसी दल, मक्खन मिश्री, फल और मिठाई का भोग लगाने की परंपरा है। इसके बाद भगवान से संतान के सुख, स्वास्थ्य और परिवार की खुशहाली की प्रार्थना करें। हालांकि, संतान संबंधी प्रजनन या किसी भी तरह की स्वास्थ्य संबंधी समस्या के लिए चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है।

रात में कपड़े सुखाना कितना होता है खतरनाक? क्या है सही तरीका

रात में कपड़े बाहर सुखाना वास्तु और विज्ञान दोनों के अनुसार गलत माना जाता है. वास्तु शास्त्र कहता है कि इससे नकारात्मक ऊर्जा आती है और घर का माहौल बिगड़ता है.

आमतौर पर लोग घर के बाहर रात के समय कपड़े सुखाने के लिए डाल देते हैं, या फिर दिन में सुखाने के बाद भी उन्हें रात भर बाहर लटकाए रखते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार देखा जाए तो यह तरीका बिल्कुल भी सही नहीं माना जाता है। कहा जाताा है कि इससे घर का वातावरण बिगड़ता है और पॉजिटिव एनर्जी पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। वहीं, वैज्ञानिक आधार पर भी देखा जाए तो भी रात के समय कपड़े सुखाने से स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो सकती है।

घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश

वास्तु शास्त्र के अनुसार, रात की ऊर्जा दिन की ऊर्जा से बहुत अलग होती है। रात में गीले और नम कपड़ों को लंबे समय तक बाहर छोड़ने से घर में नकारात्मक ऊर्जा के प्रवेश की संभावना बढ़ जाती है इसलिए कपड़ों को सुखाने का काम दिन में ही पूरा कर लेना सबसे अच्छा है। वास्तु शास्त्र की मान्यता के अनुसार, रात में बाहर रखे कपड़े घर में भारीपन और बेचैनी जैसी ऊर्जा ला सकते हैं। इसीलिए शास्त्रों में सलाह दी गई है कि शाम से पहले कपड़ों को घर के अंदर ले आएं।

स्वास्थ्य पर भी प्रभाव

वैज्ञानिक आधार पर देखा जाए तो रात में कपड़े सुखाने के लिए टांगने से उनमें नमी लंबे समय तक बनी रहती है। लंबे समय तक गीले रहने से कपड़ों में बैक्टीरिया और फफूंद तेजी से पनप सकते हैं, जिससे त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं इसलिए दिन में थोड़ी देर के लिए कपड़ों को धूप में सुखाना उचित है।

दिन के समय कपड़े सुखाएं

आपको हमेशा दिन के समय धूप और खुली हवा में कपड़े सुखाने की कोशिश करनी चाहिए। धूप कपड़ों को जल्दी सुखाती है, नमी को दूर करती है और उन्हें कीटाणुरहित और ताजा बनाती है। शाम या सूर्यास्त से पहले कपड़े उतारकर कमरे के अंदर ले आएं। ऐसा करने से काम समय पर पूरा हो जाता है और घर की सकारात्मक ऊर्जा भी बनी रहती है।

किचन में 3 बर्नर वाला गैस स्टोव रखना शुभ या अशुभ?

कई बार लोगों के मन में गैस को लेकर सवाल आता है कि क्या किचन में 3 बर्नर वाला स्टोव रखना सही है या फिर नहीं. अगर आपको भी इसे लेकर कंफ्यूजन है, तो आइए जानते हैं वास्तु में इसकी मान्यता.

वास्तु शास्त्र में रसोईघर को घर का बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। यहां अग्नि तत्व का प्रभाव रहता है। वास्तु की मान्यता है कि किचन में रखी चीजों की दिशा का असर घर की ऊर्जा और सुख-समृद्धि पर पड़ सकता है। खासतौर पर गैस चूल्हे को लेकर वास्तु में कुछ नियम बताए गए हैं। अगर आप भी किचन में गैस स्टोव रखते हैं, तो उसकी दिशा और आसपास रखी चीजों का ध्यान रखना जरूरी माना जाता है।

किचन में फ्रिज रखने से लेकर गैस स्टोव को लेकर लोगों के मन में कई सवाल होते हैं। इन्हीं में से एक है कि क्या 3 बर्नर वाला गैस स्टोव रसोई में रख सकते हैं या फिर नहीं। अगर आपको भी ये कंफ्यूजन है, तो आइए जानते हैं कि वास्तु शास्त्र में गैस स्टोव को लेकर क्या कुछ कहा गया है और आप कितने बर्नर वाला स्टोव रख सकते हैं।

3 बर्नर वाला गैस स्टोव वास्तु?

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, आप किचन में किसी भी संख्या में गैस स्टोव रख सकते हैं। गैस चूल्हे में 2, 3 या 4 बर्नर हो, इससे घर के वास्तु पर कोई असर नहीं पड़ता है। अक्सर ऐसा कहा जाता है कि किसी शुभ कार्य के लिए तीन संख्या सही नहीं मानी जाती है या 3 अंक अशुभ होता है। लेकिन जहां तक वास्तु में गैस स्टोव के बर्नर का सवाल है, तो ये रसोई के लिए सबसे बेस्ट होता है।धार्मिक मान्यताओं में ब्रह्मा विष्णु महेश तीन देवता हैं। महाकाली, महासरस्वती और महालक्ष्मी तीन देवियां हैं। तीन अंक के स्वामी देव गुरु बृहस्पति को माना जाता है और इसलिए तीन अंक को सबसे शुभ माना जाता है और इसका अशुभ से कोई लेना देना नहीं है। घर में आपकी रसोई किस दिशा में हैं, किचन में चूल्हा किस कोने में रखा है और गैस चूल्हे पर खाना बनाते समय मुंह किस दिशा में रहता है, ये तीनों चीजें ज्यादा जरूरी मानी जाती हैं। जबकि गैस स्टोव में कितने बर्नर हैं, इसका वास्तु से कोई लेना देना नहीं है।

किचन के 3 सबसे जरूरी नियम

गैस स्टोव की दिशा:- गैस स्टोव हमेशा रसोई घर के दक्षिण-पूर्व (आग्नेय कोण) में ही रखना चाहिए, क्योंकि ये अग्नि का स्थान माना जाता है।

खाना बनाते समय दिशा:- वेंटिलेशन या स्टोव की स्थिति ऐसी हो कि खाना बनाते समय व्यक्ति का मुंह पूर्व दिशा की ओर रहे।

बचाव:- भूलकर भी गैस चूल्हे को उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) या पानी के सिंक के बिल्कुल पास न रखें।

बाहर जाते समय पीछे से टोकना क्यों माना जाता है अशुभ?

आपने अक्सर बड़े-बुजुर्गों को यह कहते सुना होगा कि पीछे से किसी को आवाज नहीं देनी चाहिए। घर से किसी जरूरी काम के लिए निकलते समय इस बात को खासतौर पर ध्यान रखने के लिए कहा जाता है। कई लोग इसे महज पुरानी मान्यता या अंधविश्वास समझते हैं। सनातन परंपरा और ज्योतिष मान्यताओं में इसके पीछे कुछ कारण बताए गए हैं। तो चलिए जानते हैं क्यों शुभ काम के लिए जाते समय किसी को पीछे से टोकना अशुभ माना जाता है।

शुभ काम में बाधा: धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जब व्यक्ति किसी जरूरी या शुभ काम के लिए घर से निकलता है, तो उसका मन अपने लक्ष्य पर केंद्रित होता है। ऐसे में पीछे से अचानक आवाज आने पर उसका ध्यान टूट सकता है। मान्यता है कि इससे काम में रुकावट या परेशानियां आ सकती हैं।

राहु से जुड़ी मान्यता: ज्योतिषीय में राहु को भ्रम, अचानक आने वाली बाधाओं और नकारात्मकता से जोड़कर देखा जाता है। घर से निकलते समय पीछे से टोकने पर व्यक्ति के मन में बेचैनी और असमंजस पैदा हो सकता है। इसी वजह से इसे शुभ नहीं माना जाता।

मां लक्ष्मी होती हैं अप्रसन्न: सनातन धर्म की मान्यताओं में घर की दहलीज से निकलते व्यक्ति को पीछे से बुलाना मां लक्ष्मी की नाराजगी से भी जोड़ा जाता है। इसका असर धन, व्यापार और आर्थिक स्थिति पर पड़ सकता है। हालांकि, यह धार्मिक मान्यता है, इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

ध्यान भटकने का कारण: इसके पीछे एक व्यावहारिक वजह भी है। रास्ते पर निकलते समय व्यक्ति को अपने समय, रास्ते और काम पर ध्यान देना होता है। अचानक पीछे से आवाज आने पर वह रुककर या मुड़कर देखने लगता है, जिससे उसका फोकस प्रभावित हो सकता है। इसी वजह से कई बार व्यक्ति जरूरी चीजें साथ रखना भी भूल सकता है।

टोक दिया जाए तो क्या करें?

अगर घर से निकलते समय कोई पीछे से आवाज दे दे, तो घबराने की जरूरत नहीं है। कुछ देर रुककर शांत मन से दोबारा निकल सकते हैं। थोड़ा पानी पी लें, अपने इष्टदेव का स्मरण करें और कुछ गहरी सांस लेकर मन को स्थिर करें। इसके बाद सकारात्मक सोच के साथ अपने काम के लिए निकलने की सलाह दी जाती है।

राखी बांधते समय सिर्फ एक गांठ नहीं इन 6 बातों का रखें ध्यान

रक्षाबंधन हिंदू संस्कृति का एक अत्यंत पवित्र और भावपूर्ण त्योहार है, जो भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक है। यह पर्व श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है, जो इस वर्ष 28 अगस्त को पड़ रहा है। रक्षाबंधन सिर्फ भाई की कलाई पर राखी बांधने का त्योहार नहीं है, बल्कि इस दिन बहनें भाई की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी जीवन की कामना भी करती हैं।

धार्मिक मान्यताओं में इस दिन किए गए कुछ पूजा-पाठ और उपायों को शुभ माना गया है। अगर आप भी रक्षाबंधन पर भाई की सलामती और परिवार की खुशहाली के लिए कुछ खास करना चाहती हैं, तो ये उपाय अपना सकती हैं। तो आइए बिना देर किए जानते हैं इन उपायों के बारे में।

भाई की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए 6 खास उपाय

अक्षत का तिलक

भाई को रोली या चंदन का तिलक लगाते समय उस पर साबुत अक्षत चावल जरूर लगाएं, जिससे तिलक अक्षय हो और लंबी आयु मिले।

तीन गांठें लगाएं

राखी बांधते समय धागे में तीन गांठ लगाएं। पहली गांठ भाई की लंबी उम्र और स्वास्थ्य के लिए मानी जाती है।

गणेश जी की पूजा

भाई की कलाई पर रक्षासूत्र बांधने से पहले प्रथम पूज्य भगवान गणेश को राखी अर्पित करें, इससे सभी बाधाएं दूर होती हैं।

शिवलिंग का अभिषेक

रक्षाबंधन की सुबह शिव मंदिर जाकर जल, कच्चा दूध और बेलपत्र चढ़ाकर भाई की दीर्घायु की कामना करें।

रक्षा मंत्र का जाप

राखी बांधते समय 'येन बद्धो बलि राजा... मंत्र का उच्चारण करें, जो सुरक्षा कवच का काम करता है।

भाई-बहन मिलकर गाय को हरी घास या रोटी खिलाएं, जिससे सुख-समृद्धि और रिश्ते में मिठास आती है।

धार्मिक व ऐतिहासिक महत्व

कृष्ण और द्रौपदी

महाभारत काल में जब श्री कृष्ण की उंगली कट गई थी, तब द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्ला फाड़कर उनकी उंगली पर बांधा था। इसके बदले भगवान कृष्ण ने चीरहरण के समय उनकी लाज बचाकर भाई का धर्म निभाया था।

इंद्र और इंद्राणी

पुराणों के अनुसार, देवासुर संग्राम के समय देवताओं की विजय के लिए इंद्राणी (शची) ने इंद्रदेव की कलाई पर रक्षासूत्र बांधा था।

बलि और माता लक्ष्मी

भगवान विष्णु द्वारा राजा बलि को दिए वचन के बाद माता लक्ष्मी ने बलि को राखी बांधकर विष्णु जी को वापस वैकुण्ठ जाने का वरदान मांगा था।

कॉमनवेल्थ गोल्ड विजेता शर्मिला धनखड़

एक रात मेरा पति नशे में घर आया। मैंने पूछा- खाना लगा दूं? वो झल्लाकर बोला- आज तेरे हाथ का बना खाना नहीं खाऊंगा। पास ही मेरी बेटी सो रही थी। अचानक वो बेटी के पास गया। उसकी टांग पकड़ी और उसे जमीन पर पटक दिया। बेटी रोने लगी तो उसने उसे थप्पड़ मारने शुरू कर दिए। मैंने बेटी को बचाने की कोशिश की। बस, इतनी सी बात पर वह मेरे ऊपर टूट पड़ा। गालियां दीं। लात-घूंसे मारे। सुबह के पांच बज चुके थे। लेकिन वो शांत नहीं हुआ था। उसने पहले मेरी गर्दन पकड़ी, फिर दुपट्टा खींचा, फिर कुर्ती और सलवार फाड़ दी। फिर मुझे घसीटते हुए घर से बाहर ले आया। तब तक पड़ोसी जाग चुके थे, लेकिन मुझे निर्वस्त्र देखकर सभी ने नजरें घुमा लीं। मेरी बेटियां मुझे बचाने आईं तो उसने उन्हें भी धक्का दे दिया। तभी एक पड़ोसन दौड़ती हुई आई। उसने मुझे चादर ओढ़ाई।

यह दुख भरी दास्तान हैं कॉमनवेल्थ में गोल्ड विजेता शर्मिला धनखड़ की, जिसे पति ने निर्वस्त्र कर जलील किया, लेकिन उसने हार नहीं मानी, मेहनत की और कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड जीता...। उस रात शर्मिला के पास अपना तन ढंकने के लिए कुछ नहीं था, लेकिन सालों बाद एक रात ऐसी भी आई, जब उसी शर्मिला के कंधों पर तिरंगा और गले में गोल्ड मेडल था। हरियाणा के रेवाड़ी की सनसिटी के बीपीएल क्वार्टर के बाहर भीड़ लगी है। भीड़ के बीच गहरे रंग की टीशर्ट पहने एक औरत खड़ी है। बॉय कट बाल और उम्र लगभग 40 साल। आसपास खड़े लोग कह रहे हैं- देश का नाम रोशन करने वाली शर्मिला दीदी को जन्मदिन की बधाई। उनका कहना था कि मैंने तो कभी सोचा नहीं था, ये दिन भी देख पाऊंगी। इतने लोग मुझे जानने लगेंगे। मेरी लंबी उम्र की दुआएं करेंगे। मैंने तो बस वही किया जो मेरे दूसरे पति ने कहा। दो साल की थी जब पैर में पोलियो हो गया था। हम चार भाई-बहन थे। महेंद्रगढ़ जिले के छितरौली गांव में रहते थे। पिता किसान थे। गरीबी इतनी थी कि दो वक्त का खाना मिल जाना ही बड़ी बात थी। मां की आंखों की रोशनी बचपन में ही चली गई थी, उन्हें कुछ दिखाई नहीं देता था। हर काम अंदाज से करती थीं। रोटियां भी कभी कच्ची तो कभी पकी बनाती थीं। पापा के ऊपर कर्ज इतना था कि पैसे मांगने वाले आए दिन दरवाजे पर खड़े रहते थे। इस वजह से वो महीनों तक घर नहीं आते थे। मां को विकलांगता पेंशन मिलती थी, उसी से हमारी पढ़ाई और बाकी खर्च चलते थे। हमें तो ये भी नहीं पता था कि दाल-रोटी और गुड़ के अलावा कुछ और भी खाया जाता है। जब 19 साल की हुई तो घरवालों ने लड़का देखे बिना शादी करवा दी। पति शराबी था। शादी के मंडप में भी शराब पीकर आया था। बैठ भी नहीं पा रहा था। दो लोग उसे पकड़े हुए थे। पापा ने बिचौलिए से पूछा तो उसने ये कहकर किनारा कर लिया कि उसे भी नहीं पता था। शादी होते ही मेरी जिंदगी नरक बन गई। पापा दहेज नहीं दे पाए, उनके पास पैसे नहीं थे। उन्होंने कहा था कि जब मेरे बच्चे होंगे तो दे देंगे।

ससुराल में पहला दिन था। सास-ससुर थे नहीं। चार जेठ-देवर थे। उनका घर आसपास था। पति दोपहर 12 बजे तक सोया रहा। उठाने गई तो गाली देते हुए बोला- एक तो तेरे बाप ने दहेज नहीं दिया, ऊपर से लंगड़ी लड़की मेरे माथे मढ़ दी।' मैं रोते हुए वहां से चली गई। वो मुझे रोज ऐसे ही जलील करता था। जब शादी का वीडियो बनकर आया तो मैंने कहा- चलो देखते हैं। वो गुस्सा हो गया, कहने लगा- तेरे बाप ने टीवी दिया है क्या, जो शादी का वीडियो देखेगी इतनी गंदी गालियां देता था कि मैं बता नहीं सकती। शादी के वक्त बताया गया था कि वो किसी कंपनी में नौकरी करता है। जबकि वो बेरोजगार था।

कुछ समय बाद बेटी हुई। वो चार महीने की थी तब निमोनिया हो गया। डॉक्टर को दिखाने के लिए झज्जर भागी। पति भी साथ था। वहां से लौटने में रात हो गई। बेटी बुखार में तड़प रही थी। लेकिन वो बस स्टैंड पर अकेले खाना खाने चला गया। मैंने कई बार कहा कि बच्ची मर जाएगी, तेज बुखार है। घर नहीं जा रहे तो कम से कम दवा ही खरीदकर ले आओ। उसने मुझे जोर से थप्पड़

जड़ दिए। फिर शराब पीने लगा। मैं रातभर बच्ची को चुप कराती रही, आखिरकर बच्ची की सुबह मौत हो गई।

जब दूसरी बार प्रेग्नेंट हुई और बेटी को जन्म दिया तो दिन-रात ताने सुनाता था। मारता-पीटता था। बेटी कभी बीमार हो जाए तो इलाज तक नहीं करवाता था। तीसरी बार प्रेग्नेंट हुई तो बड़ी बेटी साढ़े तीन साल की हो चुकी थी। वो मुझे जबरदस्ती अल्ट्रासाउंड करवाने ले गया। उस वक्त पांचवां महीना चल रहा था। पता चला कि पेट में बच्ची है, तो उसे गिराने के लिए पीछे पड़ गया। एक रात दवाई ले आया और जबरदस्ती खिलाने लगा। उस रात तो जैसे-तैसे बच गई। सुबह होते ही मां के घर चली गई। डिलीवरी तक वहां रही। फिर पति के पास लौट गई।

तब तक भी पति की आदतें नहीं सुधरी थीं। एक रात जब पति घर लौटा तो मैंने कहा- बच्चे भूखे मर रहे हैं, तुम्हें शराब के अलावा कुछ नहीं दिखता। वो पास आया और दीवार पर मेरा सिर दे मारा। सिर से खून निकलने लगा। उसने मुझे धक्का देकर जमीन पर पटक दिया। लात-घूंसे मारे। मैं मदद के लिए चीख रही थी, तभी देवर आ गया। वो कहने लगा कि छोड़ दे, मत मार। तो पति गालियां देते हुए बोला- मेरी लुगाई है या तेरी। ज्यादा दर्द हो रहा है तो ले जा अपने घर, अपनी लुगाई बना ले। इसके बाद देवर बोला– जो करना है कर, हमें क्या।

अब तक मैं समझ चुकी थी कि ऐसे माहौल में बेटियां सुरक्षित नहीं रह पाएंगी। इसलिए एक दिन बेटियों को लेकर मायके आ गई।

2005 से 2012 तक मायके में रही। वो अक्सर वहां आ जाता था। रिश्तेदार कहते थे- ससुराल चली जा। शराब ही तो पीता है। वो तो दुनिया पी रही है।

वो शख्स मुझे और मां को घर तक छोड़ने आया। रास्ते में मां ने उसे पूरी कहानी सुनाई, फिर कहने लगा कि ऐसे पति को छोड़ देने में ही भलाई है। उसके बाद वो शख्स कई बार घर आया। फिर एक दिन उसने कहा कि वो मुझसे शादी करेगा और मेरी बेटियों को भी अपनाएगा। उसके बाद मैंने पहले पति को तलाक दे दिया और 28 साल की उम्र में अजीत सैनी से दूसरी शादी कर ली। जिंदगी अच्छी चल रही थी।

अजीत पता करने में लग गए कि विकलांग के लिए कौन-कौन से खेल होते हैं। स्टेडियम देखकर आए। एक दिन वह जबरदस्ती रेवाड़ी के राव तुलाराम स्टेडियम ले गए। वहां पैरा एथलीट कोच टेकचंद मिले। उन्होंने मुझे शॉट-पुट की तकनीक सीखने के लिए कहा।

तब से स्टेडियम जाने लगी। बाल लंबे थे तो प्रैक्टिस में दिक्कत होती थी। एक दिन अजीत ने जबरदस्ती मेरी चोटी काट दी। ताकि मैं प्रैक्टिस कर पाऊं। मुझे पैंट पहनने की आदत नहीं थी, लेकिन अजीत के आगे मेरी एक न चली।

पहले दिन जब स्टेडियम गई तो एक शख्स ने पूछा- 'कितनी उम्र है आपकी।' मैंने कहा 35 साल। तो वो तंज कसते हुए बोला- आप तो रिटायरमेंट के काफी नजदीक हैं। उसकी बात सुनते ही सब हंसने लगे, लेकिन मैं प्रैक्टिस करती रही। शाम को घर जाकर अजीत को बताया तो उसने कहा- कुछ भी हो तुम प्रैक्टिस नहीं छोड़ोगी।

मुझे खेलने के लिए अच्छी खुराक की जरूरत थी। दो लीटर दूध, देसी घी, सप्लीमेंट। डाइट का खर्च बढ़कर महीने का एक से डेढ़ लाख रुपये हो गया।

अजीत ने दिन-रात गैराज में काम करना शुरू कर दिया, ताकि प्रैक्टिस न रुके। उसने मेरी डाइट के लिए 25 गज में बना मकान दस लाख रुपये में बेच दिया।

जब शॉट-पुट फेंकती थी तो उसे वापस उठाकर लाने में बहुत दिक्कत होती थी। इसलिए अजीत ने नौकरी छोड़ दी। उनके पास जमीन का एक और टुकड़ा बचा था, वो भी बेच दिया। सारा दिन स्टेडियम में मुझे ट्रेनिंग करवाने लगे। पैसे खत्म हुए तो पांच लाख रुपये का कर्ज लिया।

बेटियां बड़ी हो रही थीं। अजीत ने साथ-साथ बेटियों को भी गेम्स में डाल दिया। अजीत मुझे घर का कोई काम नहीं करने देते। मेरे लिए डाइट वाला खाना बनाते, बच्चियों का ध्यान रखते। इसके बाद, मेरी मेहनत रंग लाई 2022 में बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा लिया। 2026 में दुबई में फज्जा इंटरनेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड जीता।

इसके बाद 27 जुलाई 2026 की रात मेरा एक और सपना पूरा हुआ। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में मैंने महिला शॉट-पुट में गोल्ड मेडल जीत लिया। मेरा हौसला बढ़ाने के लिए वहां इंडिया के कई लोग थे। मैदान में पहुंचने पर पता लगा कि मेरा दूसरा नंबर है। मुझसे पहले एक नाइजीरियन है। उसने शॉट-पुट 8.61 मीटर की दूरी पर फेंका। मैं तो आंखें बंद करके मन ही मन सोचने लगी कि घणी प्रैक्टिस करके आई हूं, बेटियों के लिए गोल्ड लेकर ही जाना है और मैं ही लूंगी। जैसे ही मेरी बारी आई मैंने शॉट-पुट फेंका और आंखें बंद कर ली। जब पता चला 9.81 मीटर का थ्रो है, तो लगा कि आखिर अजीत का सपना पूरा हुआ। जब गोल्ड मेडल मेरे गले में डाला गया, तो मेरी आंखों में आंसू थे। आंखों के सामने पूरी जिंदगी घूम रही थी- संघर्ष, भूख और वो बेइज्जती। गोल्ड की वजह से अब पैसे की कमी नहीं है। सरकार ने जो दिया वो तो है ही। उसके अलावा जगह-जगह सम्मान के लिए बुलाया जाता है। केबीसी में भी 12 लाख रुपये जीतकर आई हूं। एक ज्वेलर ने सोने के सिक्के और हीरे का सेट दिया है। अजीत अक्सर कहते थे कि मैं तुम्हारी और बेटियों की जिंदगी स्वर्ग बनाना चाहता हूं और उसने वही किया।

अजीत ने मेरा हौसला बढ़ाकर एक-एक बेइज्जती का बदला लिया। मर्द चाहे तो औरत की जिंदगी बर्बाद कर सकता है और संभालने वाला हो तो संवार भी सकता है। आज दुनिया मुझे पहचानती है, केवल अजीत की वजह से।

काव्य कुंज

राखी की परिभाषा

कौशल्या गुप्ता,
हैदराबाद

राखी तुम पावन हो,
सुंदरतम और मनभावन हो
भाई बहन के स्नेह की
तुम ही तो पावन साक्षी हो ।।
बहना ने तेरे हर धागे को,
भावों के रंग से सींचा है
कोई धागा प्यार पगा तो
कोई अनुराग रचा है
कोई सुख सौभाग्य सजा तो,
कोई सादर स्नेह सजा है ।।
दुतिका हो तुम सुंदर,
बहना के कोमल भावों की
उसके प्यार की भाषा मौन
तुम में रहती सदा मुखर ।।
तेरे आगे हर वैभव का
बोलो क्या कुछ मोल है?
बहना के थाल सजी राखी
तू सबसे अनमोल है ।।
कोमल धागों में गूंथीं गई,
तुम बहनों की आशा हो
शब्द न जिसको बांध सके
वो साकार बनी परिभाषा हो ।।
रक्षा के धागों से बनी,
एक सबल तुम सेतू हो
एक अटूट बंधन वाली
कड़ी बड़ी ही सुंदर हो ।।

रक्षाबंधन की पूर्णिमा

कुमुद बाला,
हैदराबाद

हो बूँदों के स्पंदन से उर्जित जब,
हरियाली दीप सजाती है ,
बंधित प्रेमिल धागों संग राखी,
भैया को तिलक लगाती है,
रक्षाबंधन की पूर्णिमा आती है।
आशीर्वचनों की झड़ी लगाती है।
शीतल श्रावण की फुहारों में,
वीणा मन की झंकृत होती है,
ममता की मधुरिम छाँव तले,
स्नेह से आँखें ज्योतित होती है।
अधरों की स्नेह-सिक्त मुस्कान,
मन में नवल उमंग जगाती है,
रक्षाबंधन की पूर्णिमा आती है,
आशीर्वचनों की झड़ी लगाती है।
रेशम की कोमल डोर लिए,जब बहना थाल सजाती है,
रोली, अक्षत, दीपक लेकर,भैया की आरती उतारती है।
माथे पर मंगल तिलक सजा,रिश्तों में नई उमंग भर जाती है,
रक्षाबंधन की पूर्णिमा आती है,
आशीर्वचनों की झड़ी लगाती है।
स्मृतियाँ बचपन के गलियों की ,
मन के आँगन में उतर आती हैं,
कभी रूठना, कभी मनाना,
मीठी यादों में अंखियाँ भर जाती हैं।
भाई-बहन के प्रेम की
बगिया की हर कली - कली मुस्काती है
रक्षाबंधन की पूर्णिमा आती है,
आशीर्वचनों की झड़ी लगाती है।
बैठा दूर देश में भाई भी,बहना को याद कर जाता है,
स्नेह-सरोवर की लहरों में,मन चुपके से भीग जाता है।
बचपन के यादों की पुरवाई भी,
गुल्लक से रिश्ते जोड़ जाती है
रक्षाबंधन की पूर्णिमा आती है,
आशीर्वचनों की झड़ी लगाती है।
रिश्तों की यह पावन डोरी,केवल धागा नहीं कहलाती,
यह विश्वासों की अनुगूँज है,जो दूरी से भी टूट न पाती।
बहन के नयनों की भीगी आस,भाई के हृदय को छू जाती है,
रक्षाबंधन की पूर्णिमा आती है,
आशीर्वचनों की झड़ी लगाती है।

सावन का संदेश

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

सावन आया, सूनी धरता के,
अधरों पर मुस्कान लिए,
बादल उतरे नभ से जैसे,
श्री शिव का आशीर्वाद लिए ।
सावन की रिमझिम बूंदें कहती हैं_
मन की धूल बहा डालो,
भीतर जो भी पड़ा है सूखा,
उसमें प्रेम जगा डालो ।
हरियाली केवल वन में नहीं,
मन में भी होनी चाहिए,
भक्ति केवल मंदिर में नहीं,
कर्मों में भी होनी चाहिए ।
बेलपत्र की तीन पत्तियां,
तीन सीख हमें देती हैं,
मन,क्रम,वचन की पावनता,
हमको ये बतलाती हैं ।
झूले की हर पींग ये कहती,
रिश्तों को थामे रखना,
सुख में चाहे हंस भी लेना,
पर,दुःख में साथ निभाना ।
कांवड़ की पदचाप में,
विश्वास की है धारा ,
बम-बम की हर गूंज में,
जीवन का है उजियारा ।
सावन सिर्फ मौसम ही नहीं,
मन के परिवर्तन का नाम है,
जो सूखे हृदय में प्रेम जगा दे,
यही इसका पैगाम है।
श्री शिव को जो भीतर पाए,
उसका जीवन धन्य हो जाए,
सावन की एक बूंद पड़े तो
पत्थर भी शिवमय हो जाए ॥

तिरंगा हमारी शान है

गजानन पाण्डेय

तिरंगा हमारी शान है
ये देश की पहचान है
सैनिकों का धर्म है
रक्षा से जुड़ा कर्म है ।
उनसे सीमाएं सुरक्षित
देश में अमन-चैन है ।
हर कदम नपा - तुला
अनुशासन से बंधा जीवन है।
देश के लिए जीना है
दुश्मन को जवाब देना है
मेरा देश - मेरी आन है
भारत देश महान है ।

वंदेमातरम माँ तुझे प्रणाम

जे गंगाधर 'गंध'
हैदराबाद

वंदेमातरम माँ तुझे प्रणाम,
ओ भारत माँ है तुझे सलाम।
परतंत्र भारत में यह उद्घोष मंत्र था,
स्वतंत्रता आंदोलन का प्रेरणास्रोत था,
वीर शहीदों के लिए यही ओजस था,
देश व राष्ट्रीयता के लिए तेजस सा था,
वंदेमातरम का गुण गान करना गौरव था,
यदि धरती माँ के प्रति है आस्था व अस्मिता ,
वे कैसे वंदेमातरम का गायन करने से नकारता,
जिसके जल-फल-थल-कण-कण है स्वच्छता,
यह भू माँ है जिसमें निहारे हम अपर दुर्गा को,
सुर-सरी राग-ताल ज्ञान प्रदायनी माँ वाणी को,
जिसके कोटि कोटि भुजाएं सुसज्जित हो शस्त्रों से,
शत्रुदल का विनाश हो ऐसी शक्तिसंपन्न वीर रौद्रा से,
हमारे प्राणों से प्यारी धरती माँ को करें प्रणाम।
मजहबी कट्टरता की हठ छोड़ करो माँ को सलाम। ।
सच्चा अच्छा स्वच्छा देश प्रेमी हो गायेगा वंदेमातरम,
कच्चा ढोंगी हठधर्मी होगा कोई तो नकारेगा वंदेमातरम,
जो पूर्ण है धरती माँ का सपूत है तो गायेगा संपूर्ण वंदेमातरम,
वो आधा-अधूरा भ्रमी ऊधमी ही होगा सो आधा ही गायेगा वंदेमातरम,
संपूर्ण गायन ही राष्ट्रीय एकता-अखंडता का मान सम्मान है,
अपूर्ण गायन वंदेमातरम का अपमान ही नहीं
धरती माँ का है अपमान ।
अतः वंदेमातरम जय जय वंदेमातरम ।
माँ तुझे प्रणाम, हे ज़मी माँ तुझे सलाम। ।

तेरी मुस्कान..

दर्शन सिंह
हैदराबाद

तेरी मुस्कान में मिला जो सुकून मंजूर है,
बारिशों के बाद धूप का जुनून मंजूर है।
राह पर चलते-चलते भटक सा गया हूँ मैं,
तेरी ज़ुल्फ़ों का बिखरा यह अफ़्सून मंजूर है।
तुम्हारी बातों की मिठास में खोकर सदा,
दिल का होना इस कदर ज़बून मंजूर है।
यह ठंडी हवाएँ और भीगी सी ख़्वाहिशें,
ठिठुरकर फिर से संभलना सरगूँ मंजूर है।
बेकाबू से हैं यह संवरते हुए हालात मेरे,
दिल तक जो पहुँचे, वो सुकून मंजूर है।

उलझन

कमलेश गुप्ता

जाऊं तो जाऊं कहां,
अब लगता नहीं दिल यहां।
कोई मुझसे तो पूछे कभी,
बोलो जाना है तुमको कहां।
पीहर लगता है अब सबसे प्यारा,
अब उसका ही है एक सहारा,
कोई झूठा भी कर दे इशारा,मैं दौड़ी चली जाऊं वहां।
जिनपे रहता है पूरा भरोसा,
अगर उनसे ही विश्वास टूटे,
मैं कहूं कोई मुझसे जो पूछे,
सारे रिश्ते लगें अब तो झूठे।
जिससे बंधती थीं रिश्तों की गांठें,
जाने व्यक्ति गया वह कहां।
जब अपने ही मुंह अपना मोड़ें,
पक्के प्यार के बन्धन को तोड़ें,
कैसे दे पायेंगे वे सहारा,जो रिश्तों को जड़ से उखेड़ें।
जब मिलने की भी हो मनाहीतब उनको मनाएं कहां।
दुःख के सागर में डूबी है नैया,
अब दिखता नहीं कोई खिवैया,
रिश्ते नाते हैं भूले हुए,जाने अब कब मिलें भाभी भैया।
आता नहीं कुछ समझउनको मिलने मैं जाऊं कहां।
अब तो एकाकी पन डस रहा,
डर का फंदा सा है कस रहा,
भूली भटकी सी फिरती रहूं,
न अपने पे कुछ बस रहा,
बहलाने को अब अपना मन,
अपनापन अब मैं पाऊं कहां।

आत्मनिरीक्षण

डॉ हेमंत सुराना,
उदयपुर

हाँसिल हैं जमाने भर
की दौलते मुझे
न रातों में नींद,
न चेन दिन में मुझे
ऊँचाई की बुलंदियों
पर पहुंचा दिया मुझे
ख्वाहिशे कम कर
सुकून दिला दें मुझे
मिला है साथ सभी का हर दौर में मुझे
कभी कभी अपना साथ निभाना है मुझे
बस खुदा के लिए कह दे ये दुनिया के लिए
कभी कभी ठहर भी जाना है मुझे
बचपन वाला इतवार दिला दें मुझे
एक छाता छाँव का ला दे मुझे
एक गीतों भरी आवाज़ ला दे मुझे
भागती जिंदगी से कुछ आराम दिला दे मुझे।

प्यासे हैं हम

वाईवी रत्नम
विशाखापट्टणम

अनदेखा करके हमें यों ही
कहाँ जा रहे हो ओ बादल माला
तेरी इंतज़ार में बैठे हैं हम
प्राणिकोटि की प्यास बुझाओ
मवेशियों को नहीं दाना-चारा
मनुष्यों को नहीं जल धारा
प्यास के मारे प्राण सूख रहे हैं
साँसों की तंत्री टूट रही है
आवाज़ तक नहीं निकल रही है
आँखों की नमी सूख रही है
हम ऊब रहे हैं उमस से
तन झुलस रहा है सूर्य ताप से
तुम बरसोगे किसी पर्वत शिखर पर
वन उपवन में या नीरव जंगल में
कृपा करो हमारे मोहल्ले पर भी
धरती की छाती फटी जा रही है
अंकुर-पौधों की जगह झुर्रियाँ पड रही हैं
बरसो अमृत समान जल रस प्रवाह
हे हवा तुम ज़रा रुक जाओ
बादलों को साथ मत ले जाओ
पानी का हिस्सा हमें अभी मिला नहीं
तुम फिर कभी आना अपने यार से मिलने
दिन को रात और रात को दिन
अलविदा करके जा रहे हैं लेकिन
तेरा दिल पिघलता नहीं
मूसलाधार बरसता नहीं ।

वरदहस्त की छांव

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

वटवृक्ष की छांव जैसा,
कल्पतरू की ठांव जैसा,
पीपल,नीम,कनेर जैसा स्वास्थ्यवर्धक,
वो अमिया और आम की
मिठास में रचा-बसा,
है वो जन-मानस के हृदय तल में सजा-संवरा।
जड़ों को मजबूती से जोड़े रखे, है वो ऐसा,
अनूठा, अनुपम, अतुलनीय 'वरदहस्त' हमने है देखा।
एक मखमली एहसास जैसा है बुजुर्गों का साया,
जैसे आसमान में उमड़ती घुमड़ती नीर भरी बदली का सरमाया।
ऊर्जा उष्मा का स्त्रोत है, आत्मविश्वास की छत्रछाया है,
संभालकर रखना है इस धरोहर को बड़े जतन से,
उन्होंने तो हमेशा हमें सराहा है,
हमारी पीठ को थपथपाया है,
मुश्किल घड़ियों में हमारा साथ निभाया है।।
ये बंधे हैं स्नेह के रिश्तों की मुलायम डोर के वादों से,
लेकिन फिर भी, बारी-बारी से फिसलते जा रहे हैं हाथों से,
एक खामोश सा भय है,बिछुड़ने का दर्द है,
पर इस अनमोल धरोहर का सम्मान ही सबसे बड़ा विकल्प है।

स्वप्न होंगे साकार

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

स्वप्न होंगे साकार,
जब अच्छे कर्मों का होगा बिछोना।
इज्जत, नाम, पैसा,
हर इंसान का है सपना सलोना।
कर्मों का खेल है सारा ही,
समझ सको तो समझो,
नाम से काम बड़ा होता,नाम प्रसिद्धी में न उलझो,
जीवन डगर में मिलते रहेंगे,भाँति भाँति के राहगीर,
सत्य का ही दामन थामना, झूठ फरेब से बच लो,
झूठ महल पर पैसा कमाया,तो नर्क का होगा दोना ।
स्वप्न होंगे साकार,जब अच्छे कर्मों का होगा बिछोना।।
अपने हाथों की कर्मठता को सदा करो स्वीकार,
इज्जत दो, इज्जत मिलेगी,इज्जत का हो संसार,
जरूरत से ज्यादा पैसा रखकर क्या करना है भाई
पुण्य कर्म में पैसा लगा,जरूरतमंद का कर उद्धार,
आदर्शों के बगीचे में हर तरफ हो,आदर्शों का कोना।
स्वप्न होंगे साकार,जब अच्छे कर्मों का होगा बिछोना।
इज्जत, नाम, पैसा, हर इंसान का है सपना सलोना।।

राखी त्योहार

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

दूब सा खिला रहे मायका हमारा
मेहकता रहे हमेशा ससुराल हमारा।
हम बेटियाँ है दिल से रिश्ता रखती है
हम सिर्फ दो परिवारो के लिये जीती है।
पहले पिता का मान रखा,
अब पती का स्वाभिमान रखते है
पती पर कोई आंच न आये,
ये प्रयत्न प्रार्थना भी करते है।
मात पिता,सास ससुर,
सभी बड़ों का आशीर्वाद चाहिए
हम तो बेटियाँ है हमे
दो परिवारो का प्यार चाहिए।।
आज रक्षा बन्धन है
भाईयों ने पुकारा है।
उसकी कुशलता के लिये
कलाई को संवारा है।।
बना रहे भाई बहन का प्यार,
यही दुआ करती हूँ
मिठास में कमी न आये कभी,
रिश्तों की परवाह करती हूँ।
अलौकिक है भाई बहन का स्नेह
जन्म से बंध जाता है नेह,
भाभियाँ भी प्यारी होती है,
जो मां जैसी ममता देती है।

घर में सन्नाटा और चुप्पी

संजीव ठाकुर,
रायपुर

घर में यह कैसा सन्नाटा
घर में यह कैसी चुप्पी,
कितने अकेले हम,
एक घर में रहते हुए भी
अपने-अपने कमरों में बंद।
बच्चे अकेले ,
खिलौने बहुत उनके पास,
खेल में साथ देने वाला कोई नहीं।
बुजुर्ग अकेले ,
दीवार पर टंगी पुरानी तस्वीरों में
अपने बीते हुए घर को खोजते
पति-पत्नी पास बैठे ,
दोनों के हाथ में मोबाइल
और बीच में चुप्पी पसरी।
बेटा अकेला ,
बेटी भी अपनी बालकनी से
दूर किसी अनजाने
आकाश को देखती ।
सास अकेली
बहू भी अकेली,
एक ही रसोई की गर्मी में दोनों के मन बर्फ से ठंडे ।
घर भरा हुआ लोगों से, फिर भी लगता किसी ने
घर से अपनेपन का शब्द उठा लिया ।

यादों के गाँव में

डॉ. चक्रपाल सिंह
हैदराबाद

ज़िन्दगी की टेड़ी-मेड़ी राहों पर
चलते चलते
वक्त के इक मोड़ पर खड़ा आदमी
यादों के चिरागों की रोशनी में
यादों का बचपन, बचपन का गाँव ढूँढ़ता है
यादों के गाँव में गाँव ढूँढता है
न जाने आदमी क्या ढूँढता है
पक्के मकानों की चाहत में
उजड़ी पूर्वजों की बगिया
यादों की बगिया में खड़ा
खेलता खिलखिलाता बचपन ढूँढ़ता है
नीबू, जामुन और आम के निशाँ ढूँढ़ता है
न जाने आदमी क्या ढूँढता है
ताल ढूँढता है, तलैया ढूँढता है
उसमें खिले कमल खोजता है
यादों के समंदर में डूबा
बैठक पर लगी बुजर्गों की चौपाल
चौपाल में ढोला-मारू के किस्से खोजता है
उन बीती यादों की महक
महक में समाए रिश्तों की कशिश ढूँढता है
न जाने आदमी क्या ढूँढ़ता है
दिल में यादों की चोट
चिंतन में घाव लिए
गेंहूँ के हरे भरे खेत में
लगी पुआल की कुर्री पर लेटे
दुनिया से बेखबर
धूप सेकते अरमान ढूँढता है
कभी खुद में खुद को ढूँढता है
यादों के गाँव में गाँव ढूँढता है
न जाने आदमी क्या ढूँढ़ता हूँ
ऊँचे पक्के मकानों के मध्य खड़ा
यादों की लहरों से घिरा दिल
उलझे ख़्यालों के रेशे
सुलझाने की कोशिश में
सौंधी मिट्टी में लिपटी सदाएं
सदाओं से बरसता अपनापन
अपनेपन की वो सुगंध खोजता है
यादों के गाँव में खड़ा आदमी
बचपन के गाँव में
गाँव का बचपन ढूँढ़ता है
न जाने आदमी क्या ढूँढ़ता है.

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम
रविवार, 23 अगस्त, 2026

स्कूल कब बनेंगे बच्चों के भविष्य की मजबूत नींव?

धीरेन्द्र प्रताप सिंह

देश में शिक्षा को बच्चों का अधिकार माना गया है, लेकिन सवाल यह है कि क्या हर बच्चे को उस अधिकार के अनुरूप शिक्षा का वातावरण भी मिल रहा है? जयपुर की हालिया घटना ने सरकारी स्कूलों की स्थिति को लेकर बहस को फिर तेज कर दिया है। घटना के बाद राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप स्वाभाविक हैं, लेकिन इस पूरे विवाद से उठे मूल सवाल को शोर में दबने नहीं देना चाहिए। सवाल यह है कि आखिर सरकारी स्कूलों की हालत सुधारने के लिए बार-बार किसी विवाद, निरीक्षण या राजनीतिक टकराव का इंतजार क्यों करना पड़ता है? क्या व्यवस्था इतनी संवेदनशील नहीं हो सकती कि बच्चों की सुरक्षा, स्कूल भवन, बिजली, पानी और अन्य बुनियादी सुविधाओं की नियमित निगरानी अपने आप होती रहे?

सरकारी स्कूलों के ऑडिट और निरीक्षण का अभियान शुरू होना स्वागतयोग्य कदम हो सकता है, बशर्ते उसका उद्देश्य केवल राजनीतिक जवाबदेही तय करना न होकर व्यवस्था को वास्तव में सुधारना हो। यदि किसी स्कूल की इमारत जर्जर है, छत या दीवारें कमजोर हैं, शौचालय उपयोग योग्य नहीं हैं, बिजली-पानी की व्यवस्था ठीक नहीं है या बच्चों के बैठने तक के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं, तो इन कमियों की जानकारी सरकार और प्रशासन को किसी दुर्घटना या बाहरी निरीक्षण के बाद नहीं मिलनी चाहिए। स्कूलों की स्थिति का नियमित तकनीकी और प्रशासनिक ऑडिट व्यवस्था का स्थायी हिस्सा होना चाहिए। जयपुर की घटना के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज होना भी स्वाभाविक है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की ओर से बयान आए हैं, वहीं सिविल सोसाइटी और सामाजिक संगठनों ने भी सवाल उठाए हैं। लेकिन किसी भी सरकार के लिए यह समझना जरूरी है कि शिक्षा का मुद्दा दलगत राजनीति से ऊपर है। सत्ता बदलती रहती है, सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का भविष्य किसी राजनीतिक कार्यकाल की सीमा में नहीं बंधा होता। इसलिए स्कूलों की खराब स्थिति पर सवाल उठाना विपक्ष का राजनीतिक अधिकार हो सकता है, लेकिन उसका समाधान निकालना सरकार की संवैधानिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी है।

इस पूरे प्रकरण का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि जिस स्कूल की स्थिति पर सवाल उठे, वहां निरीक्षण करने पहुंची टीम को भी कथित तौर पर अस्थायी व्यवस्था में संचालित स्कूल मिला। यदि ऐसा है तो यह केवल एक स्कूल की समस्या नहीं, बल्कि उस सोच पर सवाल है जिसमें समस्या के समाधान के बजाय फिलहाल काम चलाने की प्रवृत्ति हावी हो जाती है। जर्जर भवन को अस्थायी स्थान से बदल देना तत्काल राहत दे सकता है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं। बच्चों की शिक्षा को ऐसे अस्थायी इंतजामों पर निर्भर नहीं छोड़ा जा सकता।

सरकारी स्कूलों की स्थिति को लेकर नीति आयोग के आंकड़े भी चिंता पैदा करते हैं। पिछले एक दशक में देशभर में बड़ी संख्या में सरकारी स्कूल बंद हुए हैं। सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों की संख्या में भी कमी आई है और कई जगह विद्यार्थियों की संख्या घटी है। दूसरी ओर निजी स्कूलों का नेटवर्क बढ़ा है। यह बदलाव अपने आप में पूरी कहानी नहीं बताता, क्योंकि निजी स्कूलों की फीस और पहुंच हर परिवार के लिए समान नहीं है। देश की बड़ी आबादी आज भी ऐसी है जिसके बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का सबसे बड़ा सहारा सरकारी स्कूल ही हैं। इसलिए सरकारी विद्यालयों की कमजोरी को केवल प्रशासनिक समस्या मानना उचित नहीं होगा; इसका सीधा संबंध सामाजिक समानता और अवसरों की समानता से है।

यह भी समझना होगा कि सरकारी स्कूलों की समस्या केवल भवनों की मरम्मत तक सीमित नहीं है। बिजली, पानी, शौचालय, साफ-सफाई, फर्नीचर और डिजिटल सुविधाएं बुनियादी जरूरतें हैं, लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता के लिए पर्याप्त शिक्षक, नियमित उपस्थिति, प्रशिक्षण, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल सुविधाएं और विद्यार्थियों के अनुकूल वातावरण भी जरूरी हैं। किसी स्कूल की रंगाई-पुताई कर देने भर से शिक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं हो जाती। असली सुधार तब होगा जब बच्चे नियमित रूप से स्कूल आएं, उन्हें योग्य शिक्षक मिलें और पढ़ाई के साथ उनके व्यक्तित्व का विकास भी हो।

यहां एक और गंभीर सवाल सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की घटती संख्या का है। यदि अभिभावक अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों से निकालकर निजी स्कूलों में भेज रहे हैं तो केवल अभिभावकों को दोष देने से समस्या हल नहीं होगी। यह देखना होगा कि सरकारी विद्यालयों में भरोसा क्यों कम हो रहा है। निजी स्कूलों की सफलता का एक कारण अनुशासन, नियमित निगरानी और अभिभावकों के साथ संवाद भी है। सरकारी स्कूलों में भी ऐसी जवाबदेही विकसित की जा सकती है। स्कूल प्रबंधन समितियों को सक्रिय करना, अभिभावकों से नियमित संवाद और विद्यालयवार प्रदर्शन की सार्वजनिक समीक्षा इसमें मदद कर सकती है।

हालांकि निजी स्कूलों के बढ़ते नेटवर्क को सरकारी शिक्षा व्यवस्था की विफलता का विकल्प मान लेना भी गलत होगा। देश की बड़ी आबादी निजी शिक्षा का खर्च नहीं उठा सकती। शिक्षा का अधिकार बाजार की क्षमता पर निर्भर नहीं हो सकता। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह ऐसे सरकारी स्कूल बनाए जहां गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार अपने बच्चों को भेजते समय हीन भावना के बजाय भरोसा महसूस करें। यदि सरकारी स्कूलों में बेहतर शिक्षा, सुरक्षित भवन और आवश्यक सुविधाएं मिलेंगी तो निजी स्कूलों पर निर्भरता का दबाव भी कम होगा। उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में सरकारी विद्यालयों की व्यवस्था में व्यापक बदलाव के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे प्रयोगों का मूल्यांकन राजनीतिक चश्मे से नहीं, बल्कि बच्चों की सीखने की क्षमता, स्कूलों की उपस्थिति, आधारभूत सुविधाओं और शिक्षा की गुणवत्ता के आधार पर होना चाहिए। जो मॉडल सफल हो, उसे दूसरे राज्यों में अपनाया जा सकता है। शिक्षा सुधार में राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी उपयोगी हो सकती है।

सबसे जरूरी है जवाबदेही की स्पष्ट व्यवस्था। स्कूल की इमारत जर्जर होने पर जिम्मेदार अधिकारी कौन है? मरम्मत का बजट कहां अटका? काम की गुणवत्ता की जांच किसने की? निरीक्षण कितनी बार हुआ? ऐसी जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। केवल किसी घटना के बाद जांच बैठा देना पर्याप्त नहीं है। हर जिले में स्कूलों की स्थिति का डिजिटल रिकॉर्ड, समयबद्ध मरम्मत व्यवस्था और जोखिम वाले भवनों की प्राथमिकता सूची बनाई जानी चाहिए। जिन स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा को खतरा हो, वहां तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था के साथ स्थायी भवन निर्माण की समयसीमा भी तय हो।

सरकारी स्कूलों की हालत सुधारना केवल शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए वित्त, लोक निर्माण, ग्रामीण विकास, शहरी निकाय और स्थानीय प्रशासन को भी मिलकर काम करना होगा। स्कूल कोई साधारण सरकारी इमारत नहीं, बल्कि देश के भविष्य की कार्यशाला है। वहां की दीवारों में दरार केवल भवन की कमजोरी नहीं बताती, बल्कि व्यवस्था की प्राथमिकताओं पर भी सवाल उठाती है।

जयपुर की घटना को इसलिए केवल राजनीतिक विवाद के रूप में देखना बड़ी भूल होगी। यह मौका है कि सरकारें दलगत आरोपों से ऊपर उठकर सरकारी स्कूलों की वास्तविक स्थिति का व्यापक ऑडिट कराएं। बच्चों को सड़कों पर उतरकर अपने स्कूल में बुनियादी सुविधाओं की मांग करने की नौबत नहीं आनी चाहिए। उन्हें अच्छी इमारत, सुरक्षित वातावरण, योग्य शिक्षक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सहज रूप से मिलनी चाहिए।

आखिरकार शिक्षा किसी सरकार की कृपा नहीं, बच्चे का अधिकार है। इस अधिकार की रक्षा भाषणों से नहीं, मजबूत स्कूलों से होगी। अगर सरकारी स्कूलों को बचाना है तो केवल जर्जर भवनों की मरम्मत नहीं, पूरी व्यवस्था की मानसिकता बदलनी होगी। सरकार को यह तय करना होगा कि अगली बार किसी स्कूल की बदहाली सामने आने के लिए किसी विवाद या दुर्घटना का इंतजार न करना पड़े। यही शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक परीक्षा भी है और सुधार की पहली शर्त भी।

चीनी महँगी-डायबिटीज के खिलाफ संयुक्त अभियान

संजय एम तराणेकर

चीनी के दाम बढ़ते ही देश में मातम जैसा माहौल बन गया है। आम आदमी परेशान है कि अब चाय में चीनी डाले या बच्चों की फीस जमा करे। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम को आम आदमी की नजर से देखना भी एक तरह की नादानी है। असली फायदा तो कारोबारियों और सरकार ने मिलकर देश के उन लाखों डायबिटीज मरीजों को दिया है, जो वर्षों से डॉक्टरों की एक ही सलाह सुन-सुनकर ऊब चुके थे-"चीनी कम कर दीजिए।"

डॉक्टरों ने बरसों तक समझाया कि चीनी से दूरी बनाइए। मरीज मुस्कुराकर कहते थे, "डॉक्टर साहब, जिंदगी में मिठास भी तो जरूरी है।" डॉक्टर बेचारे अपनी किताबें बंद कर देते थे। उन्हें क्या पता था कि जिस काम के लिए वे वर्षों से परामर्श दे रहे हैं, वह काम बाजार कुछ ही दिनों में कर देगा। अब चीनी इतनी महँगी हो रही है कि चाय में दो चम्मच डालने से पहले आदमी बैंक बैलेंस देखने लगा है। पहले लोग चाय में चीनी स्वाद के लिए डालते थे, अब कीमत देखकर चम्मच अपने आप रुक जाता है। घर की गृहिणी कहती है-"अजी सुनिए, आज चाय फीकी है।" पति जवाब देता है-"फीकी नहीं, जानेमन स्वास्थ्यवर्धक है।"

सरकार भी शायद यही चाहती है कि देश स्वस्थ रहे। स्वास्थ्य सुधार की ऐसी योजनाएँ किताबों में कहाँ मिलती हैं! चीनी महँगी कर दो, मिठाई अपने आप कम हो जाएगी। मिठाई कम होगी तो वजन कम होगा। वजन कम होगा तो डॉक्टर के पास जाने की जरूरत कम होगी। डॉक्टर के पास जाना कम होगा तो स्वास्थ्य व्यवस्था पर दबाव कम होगा। यानी चीनी महँगी करना वास्तव में एक ₹बहुआयामी स्वास्थ्य योजना₹ है।

कारोबारियों ने भी इस महान अभियान में अपना योगदान दिया है। वे कह रहे हैं-"हम तो बाजार की मजबूरी में दाम बढ़ा रहे हैं।" जनता पूछती है-"लेकिन मजबूरी हर बार हमारी ही क्यों होती है?" व्यापारी मुस्कुराकर कहते हैं-"क्योंकि ग्राहक आप हैं।"

अब स्थिति यह है कि शादी-ब्याह में मिठाई का डिब्बा देने से पहले लोग उसे ऐसे देखते हैं, जैसे कोई कीमती सामान खरीद रहे हों। रिश्तेदार पूछते हैं-"कितनी मिठाई भेजी?" जवाब आता है-"भाई, भाव देखे हैं? आधा किलो में ही रिश्तेदारी निभा दी।" हलवाई भी परेशान नहीं, बल्कि बेहद गंभीर दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने मिठाई की प्लेट छोटी कर दी है। रसगुल्ला वही है, लेकिन आकार देखकर लगता है जैसे बचपन की कंचे खेलने वाली कोई पुरानी याद हो। जलेबी की एक-दो लड़ी देखकर ग्राहक सोचता है कि यह मिठाई है या उसका ट्रेलर। उधर डायबिटीज के मरीजों में एक नई खुशी है। अब उन्हें जब कोई मिठाई खिलाने की जिद करेगा तो वे बड़ी शालीनता से कह सकेंगे-"नहीं भाई, डॉक्टर ने मना किया है।" सामने वाला भी चीनी के भाव याद करके तुरंत कहेगा-"हाँ-हाँ, बिल्कुल मत खाना। वैसे भी बहुत महँगी है।"

सबसे ज्यादा फायदा उन लोगों को हुआ है जो वर्षों से कहते थे कि "मीठा छोड़ना बहुत मुश्किल है।" अब मुश्किल नहीं रही।

आर्थिक दबाव और बदलती जीवनशैली

राम शर्मा

भारत की अर्थव्यवस्था की चर्चा जब भी होती है, तो तेज आर्थिक विकास, बढ़ती प्रति व्यक्ति आय, डिजिटल क्रांति और उपभोग के विस्तार को उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। निश्चित रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन इस तस्वीर का एक दूसरा पहलू भी है। देश का मध्यवर्ग आज आय बढ़ने के बावजूद आर्थिक दबाव महसूस कर रहा है। उसकी सबसे बड़ी चिंता यह है कि आमदनी बढ़ने की रफ्तार और जीवन की आवश्यकताओं तथा आकांक्षाओं की लागत के बीच अंतर लगातार बढ़ रहा है। मध्यवर्ग भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। यही वर्ग शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, वाहन, बीमा, बैंकिंग, पर्यटन और उपभोक्ता वस्तुओं की मांग को गति देता है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसी वर्ग की आर्थिक प्राथमिकताएं तेजी से बदल रही हैं। पहले जहां परिवार बचत को आर्थिक सुरक्षा का सबसे बड़ा आधार मानता था, वहीं अब आय का बड़ा हिस्सा घर चलाने, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास की ईएमआई, बीमा, परिवहन और डिजिटल सेवाओं पर खर्च हो रहा है।

सरकार के घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2023-24 के आंकड़े इस बदलाव को समझने में मदद करते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार भारत में औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय ग्रामीण क्षेत्रों में 4,122 रुपये और शहरी क्षेत्रों में 6,996 रुपये रहा। शहरी भारत में कुल उपभोग व्यय का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा गैर-खाद्य मदों पर खर्च हुआ, जबकि ग्रामीण भारत में यह हिस्सा लगभग 53 प्रतिशत था।

इन आंकड़ों का महत्व केवल इतना नहीं है कि लोग कितना खर्च कर रहे हैं। असली सवाल यह है कि खर्च की संरचना किस तरह बदल रही है और परिवार की बचत पर उसका क्या असर पड़ रहा है।

मध्यवर्ग की समस्या केवल महंगाई नहीं है। उसकी समस्या 'आकांक्षात्मक महंगाई' भी है। आज एक सामान्य परिवार अपने बच्चों को बेहतर निजी स्कूल में पढ़ाना चाहता है, स्वास्थ्य के लिए निजी अस्पताल को प्राथमिकता देता है, बेहतर घर और वाहन चाहता है, मोबाइल और इंटरनेट की आधुनिक सुविधाएं चाहता है और साल में कम से कम एक बार घूमने की इच्छा रखता है।

इनमें से कई खर्च अब विलासिता नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। परिणामस्वरूप परिवार की आय बढ़ने के बावजूद बचत का अनुपात अपेक्षाकृत कम महसूस होने लगता है।

यही कारण है कि मध्यम आय वाला परिवार अब अपने बजट को पहले की तुलना में कहीं अधिक सावधानी से संचालित करता है। मकान की ईएमआई, बच्चों की फीस, वाहन का खर्च, स्वास्थ्य बीमा, बिजली-पानी, इंटरनेट, घरेलू सहायिका और रोजमर्रा की वस्तुओं के खर्च मिलकर आय का बड़ा हिस्सा ले लेते हैं।

मध्यवर्गीय परिवारों पर सबसे बड़ा दबाव शिक्षा और स्वास्थ्य का है। सरकारी आंकड़ों से अलग-अलग परिवारों की वास्तविक स्थिति भिन्न हो सकती है, लेकिन व्यवहार में निजी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की लागत परिवारों की वित्तीय योजनाओं को प्रभावित करती है।

एक बच्चे की उच्च शिक्षा के लिए आज परिवार वर्षों पहले से निवेश की योजना बनाता है। इंजीनियरिंग, चिकित्सा, प्रबंधन या विदेश में पढ़ाई जैसे विकल्पों की लागत कई परिवारों के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। इसी प्रकार गंभीर बीमारी की स्थिति में एक मध्यमवर्गीय परिवार की वर्षों की बचत कुछ ही समय में समाप्त हो सकती है।

इसलिए मध्यवर्ग के लिए आर्थिक सुरक्षा का अर्थ अब केवल बैंक खाते में पैसा रखना नहीं रह गया है। स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा, पेंशन और दीर्घकालीन निवेश उसकी वित्तीय रणनीति का अनिवार्य हिस्सा बनते जा रहे हैं। शहरी भारत में आवास मध्यवर्ग की सबसे बड़ी आर्थिक चुनौतियों में शामिल है। महानगरों और तेजी से विकसित हो रहे शहरों में अच्छी लोकेशन पर घर खरीदना सामान्य वेतनभोगी परिवार के लिए आसान नहीं है। इसके लिए लंबे समय की ईएमआई लेनी पड़ती है।

नक्सलवाद के अंत के बाद शुरू हुई दिमागी नक्सल

जीतेंद्र अग्रवाल

15 अगस्त 2026 को लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'दिमागी नक्सल' और नक्सली मानसिकता की चेतावनी ने एक नई राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है। प्रधानमंत्री का तर्क यह था कि हथियार उठाने वाले नक्सलियों को काफी हद तक परास्त किया जा चुका है, लेकिन उनके पीछे मौजूद वैचारिक सोच और उसे शहरों में वैचारिक समर्थन देने वाले तत्वों से सावधान रहना होगा। यहीं से असली प्रश्न पैदा होता है—'दिमागी नक्सल' आखिर है कौन?

'दिमागी नक्सल' भारतीय कानून में कोई परिभाषित कानूनी श्रेणी नहीं है। यह मूलतः राजनीतिक और वैचारिक शब्दावली है। इसलिए किसी व्यक्ति को केवल सरकार की आलोचना करने, संविधान की किसी व्याख्या से असहमति रखने, मानवाधिकारों की बात करने या भाजपा अथवा आरएसएस की आलोचना करने के कारण 'नक्सली' कहना लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित नहीं होगा।

दूसरी ओर, यह कहना भी उतना ही गलत होगा कि नक्सली विचारधारा के लिए शहरी बौद्धिक समर्थन, प्रचार, भर्ती, वित्तीय सहायता अथवा संगठनात्मक सहयोग जैसी कोई समस्या कभी रही ही नहीं। न्यायिक मामलों में ऐसे आरोप सामने आए हैं जिनमें कुछ व्यक्तियों पर प्रतिबंधित सीपीआई माओइस्ट से संबंध, प्रचार या भर्ती जैसी गतिविधियों के आरोप लगाए गए। सर्वोच्च न्यायालय ने भी ऐसे मामलों में यह स्पष्ट किया है कि केवल आरोप या किसी व्यक्ति को 'अर्बन नक्सल ' कह देना पर्याप्त नहीं है; अभियोजन को कानून के अनुरूप ठोस सामग्री प्रस्तुत करनी होती है। इसलिए 'दिमागी नक्सल' की सही पहचान विचार और असहमति के बीच नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक असहमति और हिंसक/प्रतिबंधित संगठन के सक्रिय समर्थन के बीच की जानी चाहिए।

नक्सलवाद का इतिहास हमें बताता है कि यह केवल गरीब आदिवासियों की समस्या नहीं थी। इसके पीछे एक क्रांतिकारी माओवादी विचारधारा थी, जो संसदीय लोकतंत्र और संवैधानिक व्यवस्था के स्थान पर सशस्त्र क्रांति के माध्यम से सत्ता परिवर्तन की बात करती थी। गृह मंत्रालय ने भी हाल के वर्षों में नक्सलवाद को मूलतः वामपंथी उग्रवादी विचारधारा से जुड़ी समस्या बताया है और यह तर्क दिया है कि कठिन भौगोलिक क्षेत्रों में कमजोर सरकारी उपस्थिति ने इसे फैलने का अवसर दिया। यहाँ एक महत्वपूर्ण अंतर समझना होगा। गरीबी नक्सलवाद का समर्थन करने का प्रमाण नहीं है। आदिवासी क्षेत्र में विकास की कमी, प्रशासनिक उपेक्षा और शोषण जैसी वास्तविक समस्याएँ हो सकती हैं। लेकिन उन समस्याओं का समाधान लोकतांत्रिक राजनीति, विकास और कानून के माध्यम से होना चाहिए—बंदूक के माध्यम से नहीं। इसीलिए नक्सलवाद की आलोचना करते हुए आदिवासियों को नक्सली समझना भी उतना ही गलत है जितना नक्सली हिंसा को केवल सामाजिक असंतोष का स्वाभाविक परिणाम मान लेना। 'अर्बन नक्सल' शब्द पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीतिक बहस का अत्यंत विवादास्पद शब्द बन चुका है। इसका प्रयोग सामान्यतः ऐसे शहरी बुद्धिजीवियों, कार्यकर्ताओं या संगठनों के संदर्भ में किया जाता है जिन पर माओवादी संगठनों से वैचारिक अथवा संगठनात्मक संबंध होने के आरोप लगाए गए हैं। लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब यह शब्द अपनी विशिष्टता खोकर हर उस व्यक्ति के लिए इस्तेमाल होने लगे जो सरकार से असहमत है। भारत जैसे लोकतंत्र में सरकार की आलोचना करना नागरिक अधिकार है। संविधान की व्याख्या पर बहस करना नागरिक अधिकार है। आरएसएस की आलोचना करना, भाजपा की आलोचना करना, कांग्रेस की आलोचना करना या किसी आर्थिक नीति का विरोध करना भी लोकतांत्रिक अधिकार है। इसलिए—

सरकार विरोधी होना = नक्सली होना नहीं है। वामपंथी होना = नक्सली होना नहीं है। मानवाधिकारों की बात करना = नक्सली होना नहीं है। आरएसएस या भाजपा की आलोचना करना = नक्सली होना नहीं है।

लेकिन इसके विपरीत यदि कोई व्यक्ति किसी प्रतिबंधित हिंसक संगठन के लिए भर्ती, वित्तपोषण, हिंसक गतिविधियों या वास्तविक संगठनात्मक सहायता में शामिल होता है, तो उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय के फैसलों से भी यह सिद्धांत सामने आता है कि आरोप और अपराध सिद्ध होना दो अलग-अलग बातें हैं।

प्रधानमंत्री का 15 अगस्त का संदेश इसी दूसरे पक्ष पर केंद्रित था। उनके अनुसार हथियारबंद नक्सलवाद कमजोर हो चुका है, लेकिन उसकी विचारधारा को आगे बढ़ाने वाली मानसिकता से सावधान रहने की जरूरत है। राजनीतिक रूप से इसका अर्थ यह निकाला जा सकता है कि सरकार अब नक्सलवाद को केवल जंगल में बंदूक लेकर घूमने वाले व्यक्ति की समस्या नहीं मान रही, बल्कि उसके वैचारिक प्रभाव को भी चुनौती देना चाहती है। क्योंकि इतिहास में अनेक हिंसक आंदोलनों को केवल हथियारों से नहीं, बल्कि विचारों और प्रचार से भी शक्ति मिली है। यदि कोई संगठन लोकतांत्रिक व्यवस्था को नष्ट करने और हिंसक क्रांति के माध्यम से सत्ता प्राप्त करने की विचारधारा फैलाता है, तो उसके वैचारिक नेटवर्क की जांच होना स्वाभाविक है। लेकिन यही वह स्थान है जहाँ राज्य की शक्ति और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन सबसे जरूरी हो जाता है। यदि 'दिमागी नक्सल' का अर्थ यह है कि जो व्यक्ति हिंसक माओवादी क्रांति का समर्थन करता है, युवाओं को प्रतिबंधित संगठन में भर्ती करने में सहायता करता है, हिंसक गतिविधियों को संगठित करता है या प्रतिबंधित संगठन के लिए सक्रिय रूप से काम करता है—तो यह गंभीर विषय है।

लेकिन यदि इसका अर्थ यह बना दिया जाए कि जो व्यक्ति प्रधानमंत्री की आलोचना करता है, भाजपा को वोट नहीं देता, आरएसएस की विचारधारा से असहमत है या सरकार की नीतियों पर प्रश्न उठाता है, वह 'दिमागी नक्सल' है, तो यह शब्द अपनी गंभीरता खो देगा।

लोकतंत्र में सरकार की आलोचना को देशद्रोह या नक्सलवाद की श्रेणी में डालना स्वयं लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर सकता है। क्योंकि लोकतंत्र की शक्ति इस बात में नहीं है कि सभी नागरिक सरकार की प्रशंसा करें।

जीवन बर्बाद कर सकते हैं सोशल मीडिया पर मौजूद शिकारी

मनोज अग्रवाल

लडकियों को सोशल मीडिया का उपयोग बहुत सावधानी से करना चाहिए। यहां प्यार दोस्ती का जाल बिछाए बहुत सारे शिकारी बैठे हुए हैं जो दिनरात मीठी मीठी बातों के जाल में नादान लडकियों को फंसाने के लिए जाल फेंकते है। सोशल मीडिया का असंयमित उपयोग कई किशोरियों और युवतियों के मानसिक स्वास्थ्य, आत्म-सम्मान और वास्तविक जीवन को बर्बाद कर रहा है, हालांकि इसे पूरी पीढ़ी की बर्बादी कहना अतिशयोक्ति हो सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिलने वाली कृत्रिम चमक और तुलना की संस्कृति गंभीर मानसिक दबाव पैदा कर रही है।सोशल मीडिया पर अजनबी लोगों से दोस्ती करने के बाद कई बार लड़कियां ऑनलाइन धोखाधड़ी, ब्लैकमेलिंग और साइबर अपराध का शिकार हो जाती हैं। लोग झूठी पहचान बनाकर भरोसा जीतते हैं और बाद में निजी जानकारी का गलत इस्तेमाल करते हैं। इससे मानसिक तनाव और सामाजिक नुकसान होता है।धोखेबाज असली नाम या तस्वीर छिपाकर गलत पहचान बनाते हैं। निजी तस्वीरें या वीडियो हासिल करके पैसों की मांग करना। महंगे उपहार या विदेश भेजने के नाम पर पैसे ऐंठना। प्यार और शादी का झूठा वादा करके भरोसा तोड़ना।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान 'फेसबुक', 'इंस्टाग्राम' और 'स्नैपचैट' जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर चंद युवक-युवतियों द्वारा आपस में दोस्ती करने का रुझान बढ़ गया है जिसे 'ऑनलाइन फ्रैंडशिप' कहा जाता है।

इनके जरिए युवक दोस्ती के नाम पर अपनी ऑनलाइन फ्रैंड्स को धोखा देने, उनका यौन शोषण करने और ब्लैकमेल करके पैसे वसूलने में भी संकोच नहीं करते जिससे उनकी चाल में फंसने वाली युवतियों की जिंदगियां तबाह हो रही हैं। हाल ही में सुर्खियों में रही कुछ वारदातों का जायजा करिए

6 जनवरी को 'पालघर' (महाराष्ट्र) में एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को 'इंस्टाग्राम' पर प्रेम जाल में फंसा कर अगवा करने, महीनों तक उसका यौन शोषण करने तथा घटना का वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक के विरुद्ध केस दर्ज किया।12 जनवरी को 'पाली' (राजस्थान) की एक नाबालिगा से सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती करने के बाद एक युवक उसे दिल्ली ले आया और किराए के मकान में रखकर उसका कई बार शोषण किया। जब लड़की ने उससे शादी करने के लिए कहा तो उसे पीटा गया। पुलिस ने नाबालिगा की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध 'पोक्सो एक्ट' के तहत केस दर्ज किया।

12 अगस्त को 'सूरत' (गुजरात) में पुलिस ने एक युवक को एक महिला से सोशल मीडिया पर दोस्ती करने के बाद डरा-धमका कर उससे कई बार बलात्कार करने और उसका वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर 36 तोले सोना व नकदी वसूल करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

और अब 16 अगस्त को 'नई दिल्ली' में एक मेकअप आर्टिस्ट महिला से उसके 'ऑनलाइन फ्रेंड' द्वारा काम दिलाने और शादी का झांसा देकर नशीला पदार्थ पिलाकर बलात्कार करने का मामला सामने आया है।

उक्त घटनाओं से स्पष्ट है कि जवानी के जोश में सोशल मीडिया के जरिए युवकों से दोस्ती करना किस कदर खतरनाक हो सकता है। अतः महिलाओं को सावधानी बरतने की जरूरत है।सोशल मीडिया के जरिए ऑनलाइन रिश्तों में फंसकर कई युवतियां भावनात्मक, आर्थिक और शारीरिक शोषण का शिकार हो रही हैं। फर्जी पहचान, धोखेबाजी और ब्लैकमेलिंग के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जिससे कई बार पीड़िताओं की निजी जिंदगी और मानसिक स्थिति पूरी तरह तबाह हो जाती है।

सोशल मीडिया पर किसी भी अजनबी की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें।व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित रखें: अपना फोन नंबर, पता या वित्तीय विवरण ऑनलाइन साझा न करें।अगर बात करें भी, तो सामने वाले की सच्चाई की पूरी जांच करें।तुरंत शिकायत करें: किसी भी तरह की धमकी मिलने पर तुरंत परिवार को बताएं और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें।

मैं देशद्रोही नहीं हूं, दुनिया मुझे गद्दार समझती है

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती का छलका दर्द

इनदिनों रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' की चर्चा सोशल मीडिया पर खूब हो रही है। कंटेस्टेंट दर्शकों को खूब एंटरटेन भी कर रहे हैं। इस बीच शो की कंटेस्टेंट और एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने अपने पुराने दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि आखिर वह गद्दार का रोल क्यों नहीं करना चाहती थीं। रिया ने कहा कि उनकी जिंदगी में पहले ही काफी कुछ ऐसा हो चुका है, जिसकी वजह से लोग उन्हें गद्दार समझते हैं। ऐसे में वह शो में भी जानबूझकर वही छवि नहीं दिखाना चाहतीं।

'दुनिया मुझे पहले से ही गद्दार समझती है'

दरअसल, 'द ट्रेटर्स' सीजन- 2 के पांचवें एपिसोड में श्वेता तिवारी ने रिया से सवाल किया कि वह गद्दार क्यों नहीं हैं। इस पर रिया का जवाब देते हुए दिल भर आया। उन्होंने कहा कि वह गद्दार नहीं बनना चाहतीं। इसकी वजह उनकी निजी जिंदगी है। दुनिया उन्हें पहले से ही गद्दार समझती है। ऐसे में शो में आकर जानबूझकर लोगों को मारना और गद्दार की भूमिका निभाना उनके लिए मुश्किल होता।

रिया को डर था कि उनके इस रोल को लोग उनकी असल जिंदगी से जोड़ देंगे। उन्होंने कहा कि इसके बाद

उनके बारे में तरह-तरह के मीम्स भी बनाए जाएंगे और फिर उन्हें ट्रोल भी किया जाएगा। यह उनके लिए काफी बुरा होगा।

'मैं देश की सबसे ज्यादा ट्रोल होने वाली इंसान हूं'

रिया ने शो में अपनी ट्रोलिंग को लेकर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह देश में सबसे ज्यादा ट्रोल होने वाले लोगों में से एक हैं। वह देशद्रोही नहीं हैं। लोगों ने उनके बारे में गलत धारणा बना रखी है। रिया ने यह भी बताया कि वह भीड़ के साथ चलने वाली इंसान नहीं हैं। वह आसानी से किसी के प्रभाव में नहीं आतीं। हालांकि, उनका मानना है कि उनकी पर्सनैलिटी ऐसी है, जिससे वह दूसरों को प्रभावित कर सकती हैं।

वहीं शो में रिया इस बार बच गईं। वहीं पारुल गुलाटी को शो से बाहर होना पड़ा। फिलहाल क्रिस्टल डिसूजा और शहनील गिल गद्दार के तौर पर गेम में बने हुए हैं। इससे पहले हरमन सिंघा भी गद्दार की भूमिका में थे, लेकिन तीसरे एपिसोड में पकड़े गए।

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद एक्ट्रेस का मुश्किल दौर

बता दें इससे पहले शो के होस्ट करण जौहर ने रिया से पूछा था कि वह मासूम बनना चाहेंगी या गद्दार। रिया ने बिना देर किए कहा कि वह मासूम बनना चाहती हैं।

रिया ने इसके पीछे 2020 में सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद का अपना मुश्किल दौर बताया। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक उन पर शक किया गया। उन्हें काफी समय तक संदेह की नजर से देखा गया। अब वह दोबारा उस तरह की स्थिति नहीं चाहतीं।

रिया ने कहा कि उन्हें इस साल क्लीन चिट मिलने के बाद लोगों को उनके निर्दोष होने की बात समझ आई। उनका कहना था कि उन्होंने कई साल तक यह सब झेला है। अब रिया काम पर वापस लौट चुकी हैं। 'द ट्रेटर्स' का दूसरा सीजन उनके लिए सिर्फ एक रियलिटी शो नहीं है। यह उनके लिए अपनी बात लोगों के सामने रखने का एक मौका भी बन गया है।

'दीपिका ने फिल्म स्पिरिट की कहानी लीक की थी'

प्रोड्यूसर बोले- 10% प्रॉफिट मांगा था, मना किया तो कहानी लीक की; एक्ट्रेस को फिल्म से हटाया

प्रभास की फिल्म 'स्पिरिट' से दीपिका पादुकोण के बाहर होने को लेकर नया खुलासा हुआ है। फिल्म के प्रोड्यूसर और डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा के भाई प्रणय रेड्डी वांगा ने इंटरव्यू में दावा किया कि दीपिका को फिल्म से हटाया गया था। उन्होंने बताया कि दीपिका ने भारी फीस के साथ फिल्म के मुनाफे में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी मांगी थी। जब मेकर्स ने उनकी मांग नहीं मानी और दूसरे ऑप्शन तलाशना शुरू किया, तो एक्ट्रेस ने फिल्म की कहानी और किरदार से जुड़ी जानकारी लीक कर दी। प्रणय रेड्डी वांगा ने बताया कि उनके भाई संदीप रेड्डी वांगा लगभग डेढ़ साल से दीपिका को फिल्म में लेने के लिए बातचीत कर रहे थे। लेकिन दीपिका ने ज्यादा फीस के साथ-साथ 10 प्रतिशत प्रॉफिट शेयर की शर्त रख दी। प्रणय ने कहा कि मेकर्स के बजट में यह मांग सही नहीं बैठ रही थी। जब मेकर्स ने किसी दूसरे स्टार को कास्ट करने पर विचार शुरू किया, तो दीपिका ने फिल्म का प्लॉट लीक कर दिया। प्रणय के मुताबिक, कहानी लीक होने से संदीप काफी नाराज हुए थे।

फिल्म 'स्पिरिट' के प्रोड्यूसर प्रणय रेड्डी वांगा।

प्रणय रेड्डी वांगा ने इंटरव्यू में बिना नाम लिए दीपिका पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि किसी भी एक्टर को कहानी सुनाते समय मेकर्स उन पर पूरा भरोसा करते हैं और दोनों के बीच एक अनकहा एग्रीमेंट होता है। प्रणय ने सवाल उठाया कि किसी यंग एक्टर को नीचा दिखाना और मेकर्स की सालों की मेहनत वाली कहानी लीक कर देना कौन सा फेमिनिज्म है। दीपिका के फिल्म से बाहर होने के बाद अब प्रभास के अपोजिट तृप्ति डिमरी को साइन किया गया है।

दूसरी तरफ, इस पूरे विवाद पर दीपिका पादुकोण का रुख अलग रहा है। 2025 में दिए इंटरव्यू में दीपिका ने कहा था कि वे अपनी लड़ाई हमेशा चुपचाप लड़ती हैं, लेकिन किसी वजह से बातें बाहर आ जाती हैं।

विवादों के बीच मेकर्स ने फिल्म 'स्पिरिट' की रिलीज डेट भी तय कर दी है। प्रभास और तृप्ति डिमरी स्टारर यह एक्शन फिल्म 5 मार्च 2027 को ईद के मौके पर थिएटर्स में रिलीज होगी। इस दिन बॉक्स ऑफिस पर बड़ा टकराव देखने को मिलेगा।दरअसल, ईद पर ही सलमान खान और नयनतारा की नई फिल्म भी रिलीज होने वाली है।

फिल्मों में वापसी पर हेमा मालिनी ने तोड़ी चुप्पी, कहा- 'मैं इसके बारे में नहीं सोचती'

1970 और 1980 के दशक की शुरुआत में हेमा मालिनी बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस रह चुकी हैं। 77 साल की इस एक्ट्रेस ने हाल ही में एक्टिंग में वापसी के अपने प्लान पर बात की कि उन्हें अब कैमरे का सामना करना मुश्किल क्यों लगता है। उन्होंने अपने दिवंगत पति और दिग्गज स्टार धर्मेंद्र की यादों को भी ताजा किया और बताया कि वो उनके जाने के गम से कैसे उबर रही हैं।

'अब मैं एक्टिंग के बारे में सोचती ही नहीं हूं'

'मैं अकेले बहुत खुश हूं, लेकिन साथ घूमने वाला कोई हो', सोहेल खान की एक्स-वाइफ सीमा सजदेह ने प्यार और रिश्ते पर कही दिल की बात

हेमा मालिनी ने कहा, इसका जवाब देना मुश्किल है क्योंकि अब मैं इसके बारे में सोचती ही नहीं हूं। मैं जो कुछ भी कर रही हूं, उसमें खुश हूं। मैं अपने चुनाव क्षेत्र में लोगों के लिए काम करती हूं और फिर घर पर अपने बच्चों और पोते-पोतियों के साथ समय बिताती हूं। उन्हें मेरी जरूरत है। मैं धरमजी की यादों के साथ भी जी रही हूं। बस यही मेरी जिंदगी के खालीपन को भर देता है।

'हमने कभी लोगों की बातों की परवाह नहीं की'

हेमा ने धर्मेंद्र की यादों को पर बात करते हुए उनको एक 'शानदार लाइफ पार्टनर' बताया। उन्होंने बताया कि कैसे धर्मेंद्र ने उनके हर काम में उनका साथ दिया और यहां तक कि उन्हें अपना डांस जारी रखने के लिए भी प्रोत्साहित किया। धर्मेंद्र के जाने के गम और उससे उबरने को लेकर भी एक्ट्रेस ने बात की और कहा कि दुख कभी खत्म नहीं होता और वो उन्हें बहुत याद करती हैं।

हेमा मालिनी ने अपनी और धर्मेंद्र की शादी पर लोगों की नजर और आलोचनाओं के बारे में

भी बात की, क्योंकि हेमा से शादी करने से पहले ही धर्मेंद्र प्रकाश कौर के साथ शादीशुदा थे और उनके 4 बच्चे भी थे। इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, हमने कभी उन बातों की परवाह नहीं की। हमने अपनी जिंदगी अपनी मर्जी से जी, न कि उन लोगों के लिए जो हमारी आलोचना करना या हमें जज करना चाहते थे। हमने सच्चे प्यार के साथ जिंदगी जी। शुरू से ही हमें पता था कि हम एक-दूसरे के लिए ही बने हैं। कोई भी इसे बदल नहीं सकता था।

'AI से बनाई गई हर बात पर यकीन न करें'

धर्मेंद्र के निधन के बाद, हेमा मालिनी और धर्मेंद्र के पहले परिवार के बीच अनबन की काफी चर्चा हो रही थी। हेमा ने इन अफवाहों और अटकलों पर बात की और ख़बरों को मनगढ़ंत बताया। उन्होंने उनके परिवार को 'यूनाइटेड फैमिली' बताया और कहा कि हम सभी एक-दूसरे के साथ खुश हैं। उन्होंने अपने फैंस से अनुरोध किया और सलाह भी दी कि 'AI से बनाई गई हर बात पर यकीन न करें।'

फिल्म 'बंटवारा 1947' को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए हेमा मालिनी ने इसकी कहानी और फिल्म की पूरी टीम की तारीफ की। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म देखने के बाद अपना रिव्यु शेयर किया। उन्होंने फिल्म को प्रभावशाली बताते हुए कहा कि इसकी कहानी में ऐसा संदेश है, जिसकी मौजूदा समय में खास जरूरत महसूस होती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि फिल्म देखने वाले लोग इसके संदेश को समझेंगे और अपने नजरिए में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश करेंगे। हेमा मालिनी ने फिल्म की तारीफ करते हुए इसके निर्देशक राजकुमार संतोषी के निर्देशन को शानदार बताया। उन्होंने सनी देओल और दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी के अभिनय की भी प्रशंसा की।

धर्मेंद्र की दोनों फैमिलीज के बारे में

धर्मेंद्र ने 1954 में प्रकाश कौर से शादी की थी और उनसे उनके चार बच्चे थे, दो बेटे, सनी देओल और बॉबी देओल, और दो बेटियां, विजेता और अजीता। बाद में, 1980 में उन्होंने एक्ट्रेस हेमा मालिनी से शादी की, जिनसे उनकी दो बेटियां हैं, ईशा देओल और अहाना देओल। बता दें कि हेमा मालिनी से शादी के बाद भी धर्मेंद्र और प्रकाश कौर की शादी कानूनी रूप से बनी रही।

आलीशान बंगला और कई महंगी गाड़ियां करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं रवि तेजा

शिवा निर्वाण निर्देशन रवि तेजा की फिल्म 'इरुमुडी' एक सामाजिक संदेश देती है। यह रवि तेजा की मसाला और एक्शन फिल्मों से बिल्कुल अलग है। फिल्म को दर्शकों से भी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इस फिल्म की चर्चा के बीच रवि तेजा की नेटवर्थ के बारे में भी जानिए।

कितनी संपत्ति के मालिक हैं रवि तेजा?

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता रवि तेजा की कुल संपत्ति लगभग 121 करोड़ रुपये है। वह हर फिल्म के लिए 6 करोड़ रुपये चार्ज करते हैं। फिल्मों के अलावा एड फिल्म्स से भी रवि तेजा को करोड़ों रुपये की कमाई होती है।

परिवार के लिए बनाया आलीशान बंगला

रवि तेजा ने अपने परिवार के लिए आंध्र प्रदेश के जग्गामपेटा में एक आलीशान बंगला बनाया है। इसकी कीमत लगभग 16 करोड़ रुपये बताई जाती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बंगले के अलावा भी उनके पास कुछ और प्रॉपर्टीज हैं, जिनकी कीमत भी करोड़ रुपये में बताई जाती है।

लग्जरी गाड़ियों का भी शौक रखते हैं रवि

रवि तेजा फिल्मों में बाइक, कार के साथ खूब स्टंट करते हैं। उन्हें लग्जरी गाड़ियों से गहरा लगाव है। अभिनेता के पास लग्जरी गाड़ियों का कलेक्शन है। उनके पास मर्सिडीज बेंज एस क्लास, बीएमडब्ल्यू एम 6 और रेंज रोवर इवोक जैसी लग्जरी कार मौजूद हैं।

अभिनेता की फिल्म 'इरुमुडी' का कैसा रहा कलेक्शन?

अभिनेता रवि तेजा की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'इरुमुडी' में प्रिया भवानी शंकर, साइ कुमार, बेबी नक्षत्र, अजय घोष, रमेश इंद्रिरा, स्वासिका, लक्ष्मण और राजकुमार जैसे कलाकार भी मौजूद हैं। इस फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की है। सैकनिल्क के मुताबिक इस फिल्म ने पहले दिन 6.76 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है

'शुगर डैडी' से लेकर 'गोविंदा जैसा पति नहीं चाहिए तक', सुनीता आहूजा के पति को लेकर अब तक 5 शॉकिंग बयान

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा की शादीशुदा जिंदगी पिछले कुछ समय से लगातार सुर्खियों में है। दोनों के रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। इसी बीच मुंबई की फैमिली कोर्ट के बाहर सुनीता को देखे जाने के बाद एक बार फिर उनके वैवाहिक रिश्ते की चर्चा तेज हो गई है। हालांकि गोविंदा के मैनेजर ने साफ किया उनका तलाक नहीं हो रहा है।

गोविंदा का नाम अभिनेत्री कोमल रानी के साथ जोड़े जाने के बाद भी कई तरह की खबरें सामने आई थीं। हालांकि, इन चर्चाओं के बीच सुनीता कई मौकों पर अपने पति को लेकर खुलकर बात कर चुकी हैं। उनके कुछ पुराने बयान आज फिर चर्चा में हैं।

'गोविंदा की जिंदगी में कई अफेयर्स रहे हैं'

सुनीता आहूजा ने एक रियलिटी शो में गोविंदा की निजी जिंदगी को लेकर बेबाक अंदाज में बात की थी। पति के कथित अफेयर्स पर सवाल पूछे जाने पर उन्होंने कहा था कि प्यार में कई चीजों को नजरअंदाज करना पड़ता है।

उन्होंने ये भी हिंट दिया था कि गोविंदा की जिंदगी में कई अफेयर्स रहे और फिल्म इंडस्ट्री में हीरो-हीरोइनों के बीच ऐसी चीजें होती रहती हैं। सुनीता का यह अंदाज लोगों के लिए हैरान करने वाला था, क्योंकि उन्होंने पति की निजी जिंदगी से जुड़े सवाल का जवाब काफी सीधे तरीके से दिया था।

'अगले जन्म में गोविंदा जैसा बेटा चाहिए, पति नहीं'

सुनीता का एक और बयान काफी सुर्खियों में रहा है। उन्होंने अलग-अलग इंटरव्यू और टीवी कार्यक्रमों में कहा कि गोविंदा एक बेटे के तौर पर बेहद अच्छे और जिम्मेदार हैं। हालांकि, जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अगले जन्म में भी गोविंदा को अपना पति बनाना चाहेंगी, तो उनका जवाब अलग था। सुनीता ने कहा था कि वह गोविंदा जैसा बेटा तो चाहेंगी, लेकिन पति के रूप में उन्हें दोबारा नहीं चुनेंगी। उन्होंने यह भी बताया था कि पति की जवानी की गलतियों को उन्होंने माफ कर दिया, लेकिन दोबारा उसी रिश्ते में जाने की इच्छा नहीं है।

'घुटने पर गोली तभी लगती है जब कोई जिंदगी में आता है'

गोविंदा के पैर में गोली लगने की पुरानी घटना भी एक समय चर्चा में रही थी। इसी घटना से जुड़े सवाल पर सुनीता ने एक टीवी शो में मजाकिया लेकिन चौंकाने वाली टिप्पणी की थी। उन्होंने इशारों-इशारों में कहा था कि किसी व्यक्ति के घुटने पर गोली लगने के पीछे भी कोई वजह होती है और जब जिंदगी में कोई नया व्यक्ति आता है, तभी ऐसी स्थिति बनती है। उनके इस बयान को गोविंदा की निजी जिंदगी और कथित रिश्तों से जोड़कर देखा गया था।

'उसे शर्म आनी चाहिए, वो बेटी की उम्र की है'

हाल के विवाद में सुनीता का 'शुगर डैडी' वाला बयान सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। गोविंदा की युवा को-स्टार के साथ उनकी तस्वीरें और सार्वजनिक मौजूदगी सामने आने के बाद सुनीता ने पपराजी से बातचीत में नाराजगी जताई थी। उन्होंने अभिनेत्री की उम्र को लेकर सवाल उठाया और गोविंदा के व्यवहार पर आपत्ति जताते हुए उन्हें 'शुगर डैडी' तक कह दिया। सुनीता ने यह भी कहा था कि एक व्यक्ति को अपनी सामाजिक मर्यादा और एक स्तर बनाए रखना चाहिए।

'हीरो की पत्नी बनने के लिए दिल पत्थर का होना चाहिए'

सुनीता ने एक पुराने इंटरव्यू में फिल्म स्टार की पत्नी होने की मुश्किलों पर भी खुलकर बात की थी। उन्होंने कहा था कि किसी अभिनेता की पत्नी बनना आसान नहीं होता, क्योंकि कलाकार अक्सर अपने परिवार से ज्यादा समय सह-कलाकारों के साथ बिताते हैं। अपने लंबे वैवाहिक जीवन का अनुभव साझा करते हुए उन्होंने माना था कि ऐसी शादी को निभाने के लिए महिला का बहुत मजबूत होना जरूरी है।

गोविंदा और सुनीता की शादी को करीब चार दशक हो चुके हैं। इस दौरान दोनों के रिश्ते में कई उतार-चढ़ाव आए, लेकिन दोनों ने परिवार को साथ रखा। अब फैमिली कोर्ट से जुड़ी ताजा चर्चा के बीच सुनीता के ये पुराने बयान फिर से लोगों का ध्यान खींच रहे हैं। हालांकि, उनके रिश्ते को लेकर चल रही तमाम अटकलों के बीच किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले दोनों की आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार करना जरूरी है।

ड्यूटी खत्म, रिश्ता नहीं

रिटायरमेंट के बाद भी पुलिस के साथ रहेंगे वफादार डॉग्स, फडणवीस सरकार का फैसला

मुंबई, 22 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पुलिस बल के साथ वर्षों तक सेवा देने वाले पुलिस डॉग्स के हित में एक संवेदनशील फैसला लिया है। अब पुलिस डॉग्स सेवानिवृत्ति के बाद भी पुलिस बल और अपने हैंडलर के साथ रह सकेंगे। आमतौर पर 10 साल की सेवा पूरी करने के बाद पुलिस डॉग्स सेवानिवृत्त हो जाते हैं। पहले ऐसे डॉग्स को कई बार किसी अन्य जगह गोद दे दिया जाता था, जिसका उनके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता था। कई मामलों में वे खाना तक छोड़ देते थे। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि जिस डॉग ने 10 साल तक पुलिस बल के लिए अपनी सेवाएं दी हैं, उसे सेवानिवृत्ति के बाद तकलीफ में नहीं छोड़ा जाना चाहिए।

ऐसे वफादार साथी की देखभाल करना और उसके जीवन के बाकी वर्ष सम्मान व सुकून के साथ बिताने का अवसर देना जरूरी है। नई व्यवस्था के तहत पुलिस डॉग्स 10 साल की

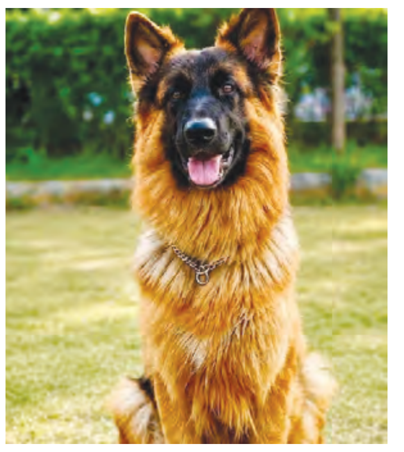

सेवा पूरी करने के बाद सक्रिय ड्यूटी से सेवानिवृत्त होंगे, लेकिन उन्हें पुलिस बल से अलग नहीं किया जाएगा। वे अपने पुराने पुलिस विभाग और हैंडलर के साथ ही रह सकेंगे। सेवानिवृत्त पुलिस डॉग्स के भोजन और उनकी जरूरतों से जुड़े अन्य खर्चों की जिम्मेदारी गृह विभाग उठाएगा। इससे इन डॉग्स की सेवानिवृत्ति के बाद भी उचित देखभाल सुनिश्चित हो सकेगी और पुलिस विभाग पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा। पुलिस श्वान अपने हैंडलर के साथ लंबे समय तक प्रशिक्षण और ड्यूटी करते हैं। इस दौरान दोनों के बीच मजबूत भावनात्मक जुड़ाव बन जाता है।

सेवानिवृत्ति के बाद भी उन्हें उसी वातावरण और अपने परिचित हैंडलर के साथ रहने का मौका मिलने से अचानक अलगाव से होने वाले मानसिक तनाव को कम किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने इस फैसले के जरिए यह स्पष्ट किया है कि पुलिस बल में वर्षों तक योगदान देने वाले इन बेजुबान साथियों की जिम्मेदारी उनकी सेवा समाप्त होने के साथ खत्म नहीं होती। नई व्यवस्था का उद्देश्य सेवानिवृत्त पुलिस श्वानों को सुरक्षित, सम्मानजनक और आरामदायक जीवन देना है।

चुनावों को देखते हुए, पंजाब के सीएम मान डिस्कवरी पर दिखेंगे

चंडीगढ़, 22 अगस्त (एजेंसियां)। 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों में छह महीने से भी कम समय बचा है। ऐसे में, सतौज से संसद नाम की एक डॉक्यूमेंट्री 30 अगस्त को डिस्कवरी चैनल पर दिखाई जाएगी। यह डॉक्यूमेंट्री संगरूर ज़िले के सतौज गाँव में मुख्यमंत्री भगवंत मान के बचपन से लेकर अब तक के सफ़र पर आधारित है। मान ने फ़िल्म का एक प्रोमोशनल वीडियो शेयर किया।

इसमें उन्होंने अपने सफ़र को ज़मीन से जुड़े इंसान, लोगों को हंसाने वाले व्यंग्यकार और गवर्नेंस का नया स्टैंडर्ड सेट करने वाले मुख्यमंत्री के तौर पर बताया। लोगों से इसे देखने की अपील करते हुए मान ने एक्स पर कहा कि यह डॉक्यूमेंट्री 30 अगस्त को शाम 7 बजे सात भाषाओं में दिखाई जाएगी। यह डॉक्यूमेंट्री मान के निजी सफ़र को उनकी आप सरकार की उपलब्धियों से जोड़ती है। साथ ही, इसमें एक व्यंग्यकार के तौर पर उनके करियर और राजनीति में उनके आने की कहानी भी दिखाई गई है। राज्य में चुनाव नज़दीक हैं, ऐसे में उम्मीद है कि यह फ़िल्म आप को सीएम मान की पंजाबी पहचान और गवर्नेंस के रिकॉर्ड के आधार पर चुनावी नैरेटिव बनाने में मदद करेगी।

30 दुर्लभ कछुओं के साथ 2 आरोपी पकड़ाए, अंतरराष्ट्रीय गिरोह से संपर्क मिले

इंदौर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। इंदौर में 30 कछुओं के साथ पकड़े गए 2 आरोपियों से पूछताछ में वन विभाग को वन्यजीव तस्करी के एक बड़े नेटवर्क के संकेत मिले हैं। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने मूसाखेड़ी निवासी केशव शर्मा और रोहन गौड़ को कछुओं की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया था। दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद 24 अगस्त तक वन विभाग की रिमांड पर लिया है।

अब जांच का फोकस सिर्फ बरामद कछुओं तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके पीछे मौजूद सप्लायर, खरीदार और नेटवर्क को खंगालने पर है। शुरुआती पूछताछ में आरोपियों के संपर्क महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों से जुड़े मिले हैं। टीम यह पता लगाने में जुटी है कि कछुए कहां से लाए गए, किसके जरिए इंदौर पहुंचाए गए और आगे किन लोगों को इनकी सप्लाई की जानी थी। जांच में यदि कड़ियां जुड़ती हैं तो वन्यजीवों की तस्करी करने वाले एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हो सकता है।

इन कछुओं की डिमांड इंदौर के साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर तक होती है। जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपियों के बीच काम बंटा हुआ था। केशव ग्राहकों से संपर्क कर कछुओं का सौदा करता था, जबकि रोहन उन्हें ग्राहकों तक पहुंचाने का काम करता था। अब अधिकारियों की कोशिश यह पता लगाने की है कि दोनों के पीछे कौन लोग सक्रिय थे और उन्हें कछुओं की नियमित सप्लाई कौन कर रहा था। टीम आरोपियों के मोबाइल फोन में मिले संपर्कों, कॉल डिटेल और अन्य डिजिटल सुरागों को भी जांच का हिस्सा बना रही है।

पूछताछ में महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों से सप्लाई लिंक के संकेत मिलने के बाद जांच का दायरा बढ़ गया है। टीम यह भी पता कर रही है कि क्या आरोपी लंबे समय से कछुओं की तस्करी में सक्रिय थे या हाल में इस नेटवर्क से जुड़े। अधिकारियों को आशंका है कि नेटवर्क में केवल सप्लायर और खरीदार ही नहीं, बल्कि वन्यजीवों को पकड़ने, उन्हें एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने और ग्राहकों तक डिलीवरी करने वाले कई लोग शामिल हो सकते हैं।

ईडब्ल्यूएस छात्रा को स्कूल से नहीं निकाल सकता प्रबंधन

दिल्ली हाई कोर्ट ने स्कूल शिक्षा नियम का दिया हवाला

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा है कि 14 साल से कम उम्र के बच्चे को दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम के तहत स्कूल से निकाला नहीं जा सकता। कोर्ट ने दिल्ली पब्लिक स्कूल को निर्देश दिया कि वे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) की 13.5 साल की छात्रा को अपनी आठवीं कक्षा की पढ़ाई जारी रखने दें।

अदालत ने उक्त अंतरिम आदेश नाबालिग छात्रा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। छात्रा ने मां के माध्यम से दायर याचिका में स्कूल से अनुपस्थित रहने और एक परीक्षा छूट जाने के बाद की गई कार्रवाई को चुनौती दी थी। अदालत ने गौर किया कि ईडब्ल्यूएस श्रेणी की छात्रा 2016 से स्कूल में पढ़ रही थी और अभी आठवीं कक्षा की छात्रा है। छात्रा ने कहा कि वह छह जुलाई को स्कूल नहीं गई थी और उस दिन होने वाली परीक्षा भी नहीं दे पाई थी, क्योंकि 11वीं कक्षा के दो छात्रों ने उसे ऐसा करने के लिए मना किया था।

सभी तथ्यों को देखते हुए कोर्ट ने कहा कि दिल्ली स्कूल शिक्षा नियमों के नियम 37(एक)(बी) में खास तौर पर 14 साल या उससे ज्यादा उम्र के छात्रों के लिए जुर्माना, स्कूल से निकालना और निलंबन जैसे अनुशासनात्मक उपायों का प्रावधान है। अदालत ने कहा कि इस मामले में याचिकाकर्ता की उम्र अभी सिर्फ साढ़े 13 साल है और अदालत माना कि स्कूल की कार्रवाई पहली नजर में नियमों में दी गई स्पष्ट शर्तों के खिलाफ़ थी।

दिल्ली के अशोक विहार में महिला को बंधक बनाकर 75 लाख की लूट का पर्दाफाश, 48 घंटे में 8 गिरफ्तारियां

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। अशोक विहार इलाके में महिला को बंधक बनाकर चाकू की नोक पर की गई 75 लाख रुपये की सनसनीखेज लूट का उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने मामले में आठ आरोपियों को पकड़ा है, जिनमें दो किशोर भी शामिल हैं। पुलिस ने लूटी गई रकम में से बड़ी राशि बरामद करने का दावा किया है।

पुलिस के अनुसार, वारदात के दौरान आरोपितों ने मीरा को बंधक बना लिया और चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपित घर में रखी करीब 75 लाख रुपये की नकदी और कुछ जेवरात लेकर फरार हो गए। मीरा, मनोज कुमार की पत्नी हैं। मनोज कुमार की वजीरपुर इलाके में फैक्ट्री है। बताया जा रहा है कि बेटियों की शादी के लिए बड़ी रकम घर में रखी गई थी। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस ने कई टीमें गठित कर जांच शुरू की।

आखिर फुटेज किसने गायब कराए?

फंदे की बेल्ट डॉक्टरों को क्यों नहीं सौंपी? चार्जशीट के बाद भी उठे सवाल

भोपाल, 22 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल की हाईप्रोफाइल त्विषा शर्मा संदिग्ध मौत के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने भोपाल ट्रायल कोर्ट में चालान प्रस्तुत कर दिया है, लेकिन अभी भी त्विषा के परिजनों की ओर से कई ऐसे सवाल उठाए जा रहे हैं, जिनके जवाब उन्हें नहीं मिले हैं। परिजनों के अधिवक्ता ने चालान का काफी अध्ययन किया। इसके बाद त्विषा के परिजनों की ओर से प्रतिक्रिया आई है कि आखिर त्विषा शर्मा 12 मई की सुबह जिस ब्यूटी पार्लर में पहुंची थी, उसका सीसीटीवी फुटेज कौन निकलवाने गया था?

तो ब्यूटी पार्लर की संचालिका और कर्मचारियों से पुलिस और सीबीआई पूछताछ कर चुकी है, किसी को तो वह यह बात बताते। कई मीडिया वालों ने भी ब्यूटी पार्लर के कर्मचारियों से बातचीत की है, लेकिन चोट का जिक्र किसी ने नहीं किया। तब भोपाल एम्स की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में त्विषा के सिर सहित शरीर के अन्य अंगों में करीब आधा दर्जन चोट के निशान कहां से आए थे? त्विषा शर्मा के परिजनों ने सवाल उठाए हैं कि दिल्ली एम्स के वरिष्ठ चिकित्सकों के बोर्ड ने 24 मई को जब दोबारा

उन्हें फुटेज निकलवाने के लिए किसने भेजा था और किसने आदेश दिया था? क्या वह अपराध की श्रेणी में नहीं आता? ऐसी स्थिति में जब वह न्यायालय में बतौर साक्ष्य प्रस्तुत किया जा सकता है। त्विषा जब 12 मई की सुबह ब्यूटी पार्लर पहुंची तो उसके शरीर पर चोट के कहीं निशान नहीं थे। क्योंकि चोट के निशान होते पोस्टमार्टम किया तो त्विषा के शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले थे। दिल्ली एम्स की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में त्विषा शर्मा के शरीर पर चोट के निशान नहीं मिलने को लेकर परिजनों ने भोपाल एम्स पर भी सवाल खड़े किए हैं।

त्विषा मामले में सीबीआई की 636 पन्नों की चार्जशीट और गवाहों के बयानों से अब केवल मानसिक प्रताड़ना के आरोप ही नहीं, बल्कि घटना के बाद की पुलिस कार्रवाई और साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया भी सवालों के घेरे में है। 12 मई की रात करीब 9:36 बजे त्विषा ने अपनी मां को संदेश भेजकर अपनी स्थिति और मानसिक पीड़ा जाहिर की। रात करीब 10:23 बजे के बाद उन्हें घर से बाहर ले जाने और रात करीब 10:55 बजे एम्स में जांच के बाद मृत घोषित किए जाने का घटनाक्रम चार्जशीट में दर्ज है।

विजय सरकार बच्चों को देने जा रही है सोने की अंगूठी, ज्वेलर्स को दिया ऑर्डर

चेन्नई, 22 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु को लेकर मुख्यमंत्री विजय ने बड़ी घोषणा की है। उन्होंने नवजात बच्चों के लिए 'थैमामन गोल्ड रिंग स्कीम' की शुरुआत की है। अहम बात यह है कि इसके लिए दो ज्वेलर्स को ऑर्डर भी दे दिया गया है। इस योजना के तहत तमिलनाडु सरकार जून से सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले बच्चों को सोने की अंगूठी देगी। पहली बार में 1,28,499 सोने की अंगूठियां बांटी जाएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, तमिलनाडु मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन (टीएनएमएससी) ने जॉय अलुक्कास और कल्याण ज्वेलर्स को 70:30 के अनुपात में ऑर्डर दिया है। अहम बात यह भी है कि तमिलनाडु सरकार ने इस योजना की शुरुआत 15 सितंबर 2026 को करने का फैसला किया है।

15 सितंबर को पूर्व मुख्यमंत्री सी एन अन्नादुरई की जयंती भी है। सीएम विजय ने अप्रैल में हुए विधानसभा चुनाव से पहले इस योजना की घोषणा की थी। तमिलनाडु सरकार के आदेश के बाद कुल 4,41,667 सोने की अंगूठियां खरीदी जाएंगी। हर अंगूठी

का वजन करीब एक ग्राम होगा। इसके लिए टीएनएमएससी ने 14 जुलाई को टेंडर जारी किया था, जिसमें 11 कंपनियों ने हिस्सा लिया था। सरकार के मुताबिक, जॉय अलुक्कास ने एक ग्राम सोने की कीमत को छोड़कर 0.01 रुपये की अपनी सबसे कम कीमत दी। इसमें प्रोसेसिंग फीस, इंश्योरेंस, परिवहन और बीआईएस स्टैंपिंग समेत सभी चार्ज शामिल थे।

रिपोर्ट के मुताबिक कल्याण ज्वेलर्स ने भी सबसे कम कीमत की पेशकश की। योजना को 15 सितंबर से लागू किया जाना है, इसलिए जून से सितंबर के चार महीनों के दौरान जन्म लेने वाले पात्र बच्चों के लिए 1,28,499 अंगूठियों की आपूर्ति का वर्क ऑर्डर दोनों कंपनियों को दिया गया है।

सोने की अंगूठी को लेकर एक अहम नियम यह भी है कि सिर्फ सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले बच्चों को ही इस योजना का फायदा मिलेगा। सरकार का कहना है कि 'गोल्ड रिंग स्कीम' का बड़ा मकसद लोगों के सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर भरोसे को मजबूत करना है। लिहाजा 22 जून 2026 से सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले बच्चों को ही अंगूठी दी जाएगी।

पत्नी को वापस पाने की चाह ने बनाया कातिलः पहले आदमी का काटा सिर फिर पूजा घर में दफनाया, आरोपी गिरफ्तार

भुवनेश्वर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा के बोलांगीर जिले में कथित तांत्रिक क्रिया के एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, 40 वर्षीय एक व्यक्ति ने पड़ोसी गांव के 45 वर्षीय ग्रामीण की कथित तौर पर सिर काटकर हत्या कर दी और उसका सिर अपने पूजा घर में दफना दिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी का मकसद करीब तीन साल पहले उसे छोड़कर गई अपनी पत्नी को वापस पाना था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मामला पिछले गुरुवार को सामने आया, जब 18 अगस्त से लापता तेवड़ामुंडा गांव निवासी संतोष खरसेल (45) का सिर कटा शव बगड़ा गांव के एक तालाब से बरामद किया गया। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि संतोष खरसेल को आखिरी बार सत्रुघ्न साहू (40) के साथ देखा गया था। पुलिस ने साहू को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान उसने हत्या की बात कबूल कर ली, लेकिन शुरुआत में दावा किया कि शराब पीने के बाद हुए तीखे विवाद के चलते उसने संतोष की हत्या की थी।

एफबीआई की मोस्ट वांटेड लिस्ट में शामिल हुआ बिश्नोई गैंग का बदमाश कमल

अमेरिका में चल रहा था रंगदारी का नेटवर्क

चंडीगढ़, 22 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने पंजाब से जुड़े बिश्नोई गैंग के कथित सदस्य कमल को अपनी मोस्ट वांटेड सूची में शामिल किया है। एजेंसी के अनुसार कमल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संचालित आपराधिक नेटवर्क का हिस्सा होने और रंगदारी व मादक पदार्थों की तस्करी समेत कई गंभीर अपराधों में संलिप्त होने के आरोप हैं। एफबीआई ने उसके खिलाफ संघीय गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया है। एफबीआई की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक कमल को जुलाई में अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में पेश किया गया था। उस पर कान्सपिरेसी टू इंटरफेयर विद कामर्स बाय एक्सटॉर्शन यानी रंगदारी के जरिये कमर्शियल गतिविधियों में हस्तक्षेप की साजिश का आरोप लगाया गया है।

एजेंसी के अनुसार मामले की जांच संगठित अपराध और अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क से जुड़े पहलुओं को ध्यान में रखकर की जा रही है। एफबीआई के अनुसार बिश्नोई आपराधिक संगठन की शुरुआत पंजाब में हुई और बाद में इसके कथित नेटवर्क का विस्तार दक्षिणी कैलिफोर्निया समेत अमेरिका के अन्य हिस्सों तक हुआ। जांच एजेंसी का आरोप है कि इस नेटवर्क से जुड़े लोगों ने भारत में रंगदारी से जुटाई गई रकम को अमेरिका तक पहुंचाने और अवैध गतिविधियों में इस्तेमाल करने की कोशिश की।

अमेरिकी एजेंसी ने आरोप लगाया है कि कमल और उसके सहयोगियों ने रंगदारी वसूली तथा मादक पदार्थों की तस्करी से जुटाई गई रकम को एकत्र किया। एफबीआई के दस्तावेजों में इस मामले का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि कमल ने कथित तौर पर नेटवर्क की ओर से 15 हजार डालर की रंगदारी वसूली थी। आपरेशन हार्ड बाल' के तहत कार्रवाई एफबीआइ ने बिश्नोई गैंग और उससे जुड़े नेटवर्क के खिलाफ आपरेशन हार्ड बाल शुरू किया है। एजेंसी के मुताबिक इस अभियान के तहत अब तक बिश्नोई, जग्गू भगवानपुरिया और रविंदर सिंह ढिल्लों से जुड़े सात लोगों को मोस्ट वांटेड सूची में शामिल किया गया है। इन आरोपितों पर हत्या, रंगदारी और अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी जैसे गंभीर अपराधों के आरोप हैं।

'मुझे चाइनीज मत बोलो, मैं इंडियन हूं' मां ने बनाया था वीडियो, ईटानगर की बेटी के जवाब ने जीता दिल

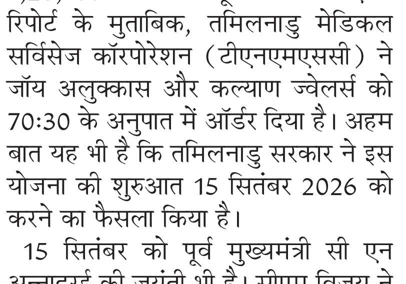

ईटानगर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर की छोटी-सी बच्ची करगा टिंकल गोंगो इन दिनों सोशल मीडिया पर छाई हुई है। टिंकल ने एक वीडियो में लोगों से कहा कि उसे चाइनीज न कहा जाए। उसका यह मासूम और भावुक वीडियो पूरे देश में वायरल हो गया। टिंकल ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, भैया ने मुझे चाइनीज कहा, तो मैंने उनसे कहा, मुझे चाइनीज मत बोलो, मुझे इंडियन बोलो। टिंकल की मां ने आईएएनएस को बताया कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि उनका वीडियो इतना वायरल हो जाएगा। टिंकल की मां ने कहा, टिंकल को भी थोड़ा बुरा लगा था। उस दिन मैं अपनी बेटी का आइसक्रीम खरीदते हुए वीडियो बना रही थी। बेटी ने आइसक्रीम के लिए 10 रुपए मांगे।

मैंने उसे पैसे दिए, उसके आइसक्रीम खरीदने का वीडियो बनाया और फिर पोस्ट कर दिया। वीडियो पोस्ट करने के बाद किसी ने कमेंट किया, ये चाइनीज बच्ची हिंदी क्यों बोल रही है? क्या चाइनीज बच्चा हिंदी बोलता है? टिंकल की मां ने बताया, मैंने टिंकल से कहा, टिंकल, कोई तुम्हें चाइनीज बच्ची कह रहा है। टिंकल बहुत उदास हो गई और बोली, हम चाइनीज नहीं हैं, हम इंडियन हैं।

इसके बाद टिंकल ने खुद कहा, मम्मी मैं भी वीडियो बनाऊंगी। और फिर टिंकल ने वीडियो में बोल दिया कि मुझे चाइनीज मत बोलो हम इंडियन ही हैं। चाइनीज बोलने से मेरा मन दुखी होता है। टिंकल की मां ने कहा, हम लोग अरुणाचल में हैं, और अरुणाचल भी इंडिया का हिस्सा ही है ना। करगा टिंकल गोंगो ईटानगर से हैं, जिसने नॉर्थ ईस्ट इंडिया के लोगों को 'चाइनीज' कहने पर एक भावुक वीडियो बनाकर पूरे देश का ध्यान खींचा। उसकी सच्ची और सीधी बात ने लोगों के दिलों को छू लिया।

इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर इस वीडियो को लाखों व्यूज मिल चुके हैं। टिंकल का यह वीडियो नॉर्थ ईस्ट के लोगों की भावना को दर्शाता है, जो अक्सर इस तरह की टिप्पणियों का सामना करते हैं।

डीएमके में 'नई पीढ़ी' की एंट्री का रास्ता साफ

दो कार्यकाल के बाद छोड़नी होगी कुर्सी; नेताओं के उम्र की सीमा तय

चेन्नई, 22 अगस्त (एजेंसियां)। डीएमके की कार्यकारिणी समिति की बैठक में पार्टी संगठन में नई पीढ़ी को आगे लाने के लिए विभिन्न पदों पर उम्र और कार्यकाल की सीमा तय करने का फैसला किया गया। शाखा समिति सचिव के लिए 45 वर्ष, वार्ड

समिति सचिव के लिए 50 वर्ष और टाउन पंचायत, एरिया व सिटी कमेटी सचिवों के लिए 60 वर्ष की अधिकतम उम्र निर्धारित की गई है। अधिकांश पदों पर अधिकतम दो कार्यकाल की सीमा भी तय की गई है।

पार्टी संगठन में नई पीढ़ी को मौका देने के लिए शाखा समिति के सचिव पद के लिए अधिकतम उम्र 45 वर्ष तय की गई है। इस पद पर चुना गया व्यक्ति अधिकतम दो कार्यकाल तक ही जिम्मेदारी संभाल सकेगा। नगरपालिका, नगर निगम और टाउन पंचायत की वार्ड समितियों के सचिव पद के लिए अधिकतम उम्र 50 वर्ष निर्धारित की गई है। इस पद पर भी कोई व्यक्ति अधिकतम दो कार्यकाल तक ही रह सकेगा। टाउन पंचायत समिति के सचिव पद के लिए अधिकतम उम्र 60 वर्ष तय की गई है।

यहां भी किसी व्यक्ति को अधिकतम दो कार्यकाल तक ही पद पर बने रहने की अनुमति होगी। चेन्नई कॉरपोरेशन में एरिया कमेटियों का गठन औसतन 40,000 मतदाताओं के आधार पर किया जाएगा। वहीं, अन्य नगर निगमों में एक एरिया कमेटी में औसतन 30,000 मतदाता होंगे। एरिया कमेटी के सचिव पद के लिए अधिकतम उम्र 60 वर्ष तय की गई है और कोई व्यक्ति अधिकतम दो कार्यकाल तक इस पद पर रह सकेगा।

सिटी कमेटियों का गठन औसतन 40,000 मतदाताओं के आधार पर किया जाएगा। सिटी कमेटी के सचिव पद के लिए अधिकतम उम्र 60 वर्ष तय की गई है। इस पद पर भी कोई व्यक्ति अधिकतम दो कार्यकाल तक ही जिम्मेदारी संभाल सकेगा।

स्वाइन फ्लू का बढ़ता प्रकोप दिल्ली में 1770 से ज्यादा मामले

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में इस साल अब तक स्वाइन फ्लू (एच1एन1) के 1770 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। वहीं, मानसून के दौरान मौसमी इन्फ्लूएंजा के मामलों में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है। शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और

स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बैठक कर स्वाइन फ्लू की स्थिति की समीक्षा की। सिंह ने बताया कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और सभी सरकारी अस्पतालों को इलाज की पर्याप्त व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि संक्रमण के पैटर्न, प्रभावित इलाकों और संभावित हॉटस्पॉट पर भी निगरानी बढ़ाई गई है। स्वाइन फ्लू के मरीजों के लिए अस्पतालों में अलग वार्ड तैयार किए जा रहे हैं। दिल्ली में एक ही दिन में एच1एन1 के 114 नए मरीज मिले। इससे इस वर्ष अब तक एच1एन1 की पुष्टि हुई मरीजों की संख्या बढ़कर 1,777 हो गई। छह अगस्त तक दिल्ली में एच1एन1 के 1,344 मामले थे।

यानी मात्र 14 दिन में 433 नए मामले सामने आए। 20 अगस्त को मिले 114 नए मरीज दिल्ली के किन अस्पतालों में रिपोर्ट हुए हैं, इसका ब्योरा स्वास्थ्य विभाग ने अब तक सार्वजनिक नहीं किया है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 229 मामले थे। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष करीब आठ गुना मामले हो गए हैं। वहीं, एम्स के विशेषज्ञों के अनुसार मानसून के दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव और उमस के कारण इन्फ्लूएंजा के मामले बढ़ सकते हैं। बुजुर्गों और पहले से फेफड़े, हृदय, मधुमेह सहित अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों में संक्रमण गंभीर होने का खतरा अधिक रहता है।

सर गंगा राम अस्पताल के इंटरनल मेडिसिन विभाग के कंसल्टेंट फिजिशियन डॉ. ऋषिकेश देसाई के अनुसार, अस्पताल में मौसमी इन्फ्लूएंजा के मरीज बढ़े हैं। उन्होंने बताया कि स्वस्थ लोगों में संक्रमण आमतौर पर ठीक हो जाता है, लेकिन बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों और पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे लोगों में फ्लू गंभीर रूप ले सकता है। वहीं, संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. नेहा रस्तोगी पांडा ने भी इन्फ्लूएंजा और फ्लू जैसे लक्षणों वाले मरीजों में बढ़ोतरी की बात कही।

अमेरिका से आर-पार के मूड में कनाडा

ट्रम्प के 50% टैरिफ प्लान का मिलेगा 'जैसे को तैसा' जवाब

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। विश्व पटल पर दो सबसे करीबी पड़ोसियों के बीच एक बड़ा व्यापारिक टकराव शुरू हो गया है. अमेरिका और कनाडा के बीच लंबे समय से चल रही ट्रेड डील आखिरकार टूट गई है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कनाडाई सामानों पर 50% का भारी-भरकम टैरिफ (आयात शुल्क) लगाने का फैसला किया है. इसके जवाब में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने भी पीछे न हटने का ऐलान करते हुए कहा है कि उनका देश अमेरिका को उसी की भाषा में जवाब देगा, यानी 'एक-एक डॉलर' का पूरा हिसाब होगा. इस फैसले का असर दोनों देशों के व्यापार, वहां काम करने वाले लोगों और आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ना तय है.

आधी रात से लागू होंगे सख्त नियम

वाशिंगटन में तीन दिनों तक चली गहन बातचीत के बाद भी दोनों देशों के बीच कोई सहमति नहीं बन पाई. इसके बाद कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अपने वार्ताकारों को तुरंत वापस ओटावा बुला लिया है. अमेरिका लगभग 28 अरब कनाडाई डॉलर (करीब 20 अरब अमेरिकी डॉलर) के सामानों पर 50% का टैरिफ आधी रात से लागू करने जा रहा है. यह पूरा विवाद जुलाई में शुरू हुआ था, जब राष्ट्रपति ट्रम्प ने 1930 के टैरिफ एक्ट के 'सेक्शन 338' का इस्तेमाल किया था. यह नियम अमेरिकी राष्ट्रपति को उन देशों के आयात पर 50% तक टैक्स लगाने की ताकत देता है, जो अमेरिकी व्यापार के साथ भेदभाव करते हैं. ट्रम्प ने बातचीत को मौका देने के लिए इसे तीन दिन के लिए रोका था, लेकिन अब वह मोहलत पूरी तरह खत्म हो चुकी है.

'बदल चुका है अमेरिका', कनाडाई पीएम का कड़ा रुख

कनाडा ने पिछले डेढ़ साल में इस बात की पूरी कोशिश की थी कि उसके व्यवसायों को अमेरिका में बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के एंट्री मिलती रहे. लेकिन अब प्रधानमंत्री कार्नी ने स्पष्ट कर दिया है कि उन्हें समझ आ गया है कि अमेरिका की व्यापारिक नीतियां बदल चुकी हैं. उनका कहना है कि अमेरिका अब अपने सबसे करीबी सहयोगियों पर भी टैक्स लगा रहा है और अपने बड़े बाजार तक पहुंच के लिए कीमत वसूल रहा है. अपने कामगारों, छोटे-मझोले उद्योगों को बचाने के लिए कनाडा ने जवाबी कार्रवाई करने का फैसला लिया है. सरकार ने पिछले 18 महीनों में कारोबारियों को 25 अरब कनाडाई डॉलर की मदद दी है, साथ ही आगे भी नए राहत उपाय लाने की तैयारी है.

'बदल चुका है अमेरिका', कनाडाई पीएम का कड़ा रुख

कनाडा ने पिछले डेढ़ साल में इस बात की पूरी कोशिश की थी कि उसके व्यवसायों को अमेरिका में बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के एंट्री मिलती रहे. लेकिन अब प्रधानमंत्री कार्नी ने स्पष्ट कर दिया है कि उन्हें समझ आ गया है कि अमेरिका की व्यापारिक नीतियां बदल चुकी हैं. उनका कहना है कि अमेरिका अब अपने सबसे करीबी सहयोगियों पर भी टैक्स लगा रहा है और अपने बड़े बाजार तक पहुंच के लिए कीमत वसूल रहा है. अपने कामगारों, छोटे-मझोले उद्योगों को बचाने के लिए कनाडा ने जवाबी कार्रवाई करने का फैसला लिया है. सरकार ने पिछले 18 महीनों में कारोबारियों को 25 अरब कनाडाई डॉलर की मदद दी है, साथ ही आगे भी नए राहत उपाय लाने की तैयारी है.

7,000 करोड़ के एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क को मंजूरी

यूपी-उत्तराखंड समेत 6 राज्यों को होगा फायदा

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। ऑयल सेक्टर के रेगुलेटर ने 7,000 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश से लगभग 1,800 किलोमीटर लंबी नई एलपीजी पाइपलाइनों के विकास को मंजूरी दे दी है। इससे देश के 'कॉमन-कैरियर' एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क में लगभग एक-चौथाई का विस्तार होगा। इस पहल का मकसद ईंधन आपूर्ति को अधिक लचीला बनाना और सड़क परिवहन पर निर्भरता कम करना है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड ने एक बयान में कहा कि उसने तेलंगाना, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, कर्नाटक और गोवा में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण तीन एलपीजी पाइपलाइन परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

कहां-कहां हैं प्रोजेक्ट?

सरकारी कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा विकसित की जाने वाली इन परियोजनाओं से पीएनजीआरबी द्वारा अधिकृत कॉमन-कैरियर एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क लगभग 7,700 किलोमीटर से बढ़कर लगभग 9,500 किलोमीटर हो जाएगा। यानी इसमें करीब 23.5 प्रतिशत की वृद्धि होगी।चेर्लापल्ली (तेलंगाना) से

नागपुर (महाराष्ट्र) तक 556 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन, झांसी (उत्तर प्रदेश) से सितारगंज (उत्तराखंड) तक 611 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन और शिकारपुर (महाराष्ट्र) से गोवा और हुबली (कर्नाटक) तक 633 किलोमीटर लंबी लाइन को मंजूरी दी गई है।

क्या होगा फायदा?

यह विस्तार ऐसे समय में किया जा रहा है जब भारत आयातित एलपीजी पर अत्यधिक निर्भर है, जिसकी थोक आपूर्ति तटीय आयात टर्मिनलों पर पहुंचती है और फिर देश भर के उपभोग केंद्रों तक पहुंचाई जाती है। एक बड़े पाइपलाइन नेटवर्क से देश के भीतरी इलाकों में एलपीजी पहुंचाने की दक्षता और विश्वसनीयता में सुधार होने की उम्मीद है।

सोने की कीमत लगातार तीसरे हफ्ते चढ़कर तीन हफ्ते के टॉप पर, क्या कह रहे हैं एक्सपर्ट्स?

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। सोने की कीमत में लगातार तीसरे हफ्ते तेजी आई है। इसके साथ ही यह लगभग तीन महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गईं। कमजोर अमेरिकी डॉलर और ट्रेजरी के बॉन्ड बायबैक बढ़ाने के फैसले ने सोने की मांग को सहारा दिया। स्पॉट गोल्ड 2% बढ़कर $4,603 प्रति औंस हो गया। इसमें साप्ताहिक बढ़त 5% रही। कहां तक पहुंचेगी सोने की कीमत?एमसीएक्स पर भी सोना शुक्रवार को 1,62,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ। गुड रिटर्न्स के मुताबिक सर्राफा बाजार में 24 कैरेट वाला सोना आज 1,520 रुपये की तेजी के साथ 1,63,090 रुपये पर पहुंच गया। 22 कैरेट वाला सोना भी 1,400 रुपये ऊपर 1,49,500 रुपये पर ट्रेड कर रहा है जबकि 18 कैरेट वाला सोना 1,140 रुपये की तेजी के साथ 1,22,320 रुपये पर है।

सोने की कीमत में आई इस तेजी के कई कारण हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह डॉलर का कमजोर होना है। डॉलर के कमजोर होने के साथ-साथ अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की लॉन्ग टर्म की यील्ड को कंट्रोल में रखने की कोशिशों से भी सोने को सहारा मिला। डॉलर में साप्ताहिक गिरावट देखी जा रही थी, जिससे दूसरी करेंसी रखने वालों के लिए डॉलर में कीमत वाली कमोडिटीज सस्ती हो गईं। अमेरिकी ट्रेजरी ने घोषणा की है कि वह अगले क्वार्टर में लंबी अवधि की ट्रेजरी सिक्योरिटीज के बायबैक का साइज दोगुना करके प्रति ऑपरेशन कम से कम $4 बिलियन कर देगी। ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने यह भी कहा है कि सरकार रीपरचेज को और बढ़ा सकती है। इसका मकसद लंबी अवधि की ट्रेजरी यील्ड को कंट्रोल में रखना है।

प्याज एक हफ्ते में 11% महंगा: अगले माह से कम होंगे दाम

बफर स्टॉक से बिक्री शुरू होने पर घटेगा प्याज का दाम

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिण भारत से खरीफ फसल की आवक में देरी के बीच प्याज की सबसे बड़ी मंडी लासलगांव (महाराष्ट्र) में प्याज की थोक कीमतें उछलकर 35 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गईं। व्यापारियों का कहना है कि देर से बुआई के कारण दक्षिण भारत से खरीफ प्याज की फसल की आवक में देरी होने से कीमतों पर दबाव बना हुआ है। राहत की बात यह है कि जल्द ही कीमतें जल्द नीचे आ सकती हैं।उपभोक्ता मामलों के विभाग के मुताबिक, 21 अगस्त को प्याज का औसत खुदरा मूल्य 40.72 रुपये प्रति किलो है। 17 अगस्त को यह 37.20 रुपये प्रति किलो था। एक महीने पहले 34.87 रुपये प्रति किलो था। जमाखोरों पर शिकंजा कसने के लिए बफर स्टॉक से बिक्री शुरू करने की योजना तैयार की गई है। सरकार द्वारा सितंबर के पहले सप्ताह से बफर स्टॉक का प्याज बेचना शुरू करने की उम्मीद है। विभाग रोजाना प्याज की मांग, आपूर्ति और कीमत पर नजर रख रहा है। इस महीने कोई बड़ा त्योहार और विवाह सीजन नहीं है। ऐसे में प्याज की मांग सीमित है, लेकिन फिर भी कीमत बढ़ रही है, इसका मतलब है कि कृत्रिम रूप में प्याज का संकट पैदा किया जा रहा है। यही वजह है कि अभी बफर स्टॉक नहीं निकला जा रहा है। जल्द ही सरकार कीमतों पर लगाम लगाने के लिए बफर स्टॉक से प्याज की बिक्री शुरू कर देगी। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर इससे पहले भी बफर स्टॉक जनता के लिए खोला जा सकता है।

रुपये में व्यापार, भारत का नया वार, विदेश व्यापार नीति में बड़े बदलाव का फायदा

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की विदेश व्यापार नीति के कुछ नियमों में बदलाव हुआ है। सीआईआई ने शुक्रवार को कहा कि इससे एक्सपोर्टर्स के लिए विदेशी बिक्री का इनवॉइस बनाना आसान हो जाएगा। साथ ही भारतीय रुपये में पेमेंट पाना भी सरल होगा। इसके चलते ट्रेड सेटलमेंट में रुपये के इंटरनेशनल इस्तेमाल को बढ़ावा मिलेगा। एक्सपोर्टर्स को ज्यादा फ्लेक्सिबिलिटी और निश्चितता मिलेगी। सीआईआई की एग्जिम पर नेशनल कमेटी के चेयरमैन और पैटन इंटरनेशनल के एमडी संजय बुधिया ने इस बारे में अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि भारतीय इंडस्ट्री इस रफ्तार को बनाए रखने को लेकर प्रतिबद्ध है। वह ग्लोबल ट्रेड में भारत की कॉम्पिटिटिवनेस को और मजबूत करने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहती है।

रुपये में पेमेंट पाना होगा आसान

डायरेक्टरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड के नोटिफिकेशन से एक्सपोर्टर्स के लिए विदेशी ट्रांजैक्शन का इनवॉइस बनाना और भारतीय रुपये में पेमेंट पाना आसान हो गया है।उन्होंने कहा कि भारतीय इंडस्ट्री भारत के विदेश व्यापार ढांचे को आसान और आधुनिक बनाने की सरकार की लगातार कोशिशों का स्वागत करती है। इससे एक्सपोर्टर्स के लिए इकोसिस्टम और आसान हो रहा है।

एक्सपोर्ट ऑब्लिगेशन पूरा करने में मिलेगी मदद

उन्होंने कहा कि नेपाल और भूटान को छोड़कर मंजूर बैंकिंग चैनलों के जरिए रुपये में एक्सपोर्ट की आने वाली कमाई अब

एफ़टीपी फायदों के लिए योग्य होगी। विदेशी मुद्रा में होने वाली कमाई की तरह ही एक्सपोर्ट ऑब्लिगेशन (निर्यात दायित्वों) को पूरा करने में गिनी जाएगी। बुधिया ने आगे कहा, 'यह रुपये के व्यापक इंटरनेशनल इस्तेमाल के लिए सरकार की कोशिशों में एक और कदम है। यह कदम ट्रेड सेटलमेंट में रुपये के इंटरनेशनल इस्तेमाल को बढ़ावा देता है। साथ ही एक्सपोर्टर्स को ज्यादा फ्लेक्सिबिलिटी और निश्चितता देता है।'

सरकार ने क्या बदलाव किए हैं?

विदेश व्यापार नीति में किए गए संशोधनों के तहत अब निर्यातकों को विदेशी सौदों के लिए भारतीय रुपये में बिल बनाने और भुगतान हासिल करने की छूट दी गई है। इस बदलाव से इस तरह असर होगाः

एफ़टीपी बेनिफिट्स में बराबरी

बैंक चैनलों के जरिए रुपये में प्राप्त भुगतान को अब विदेशी मुद्रा आय के समकक्ष मानकर सभी एक्सपोर्ट इंसेंटिव दिए जाएंगे। इसे 'निर्यात दायित्वों' की पूर्ति में गिना जाएगा।

इनवॉइसिंग की आजादी

एशियाई क्लियरिंग यूनियन के बाहर के देशों के साथ व्यापार में निर्यातक अब अपनी पसंद के अनुसार किसी भी विदेशी मुद्रा या भारतीय रुपये में अनुबंध तय कर सकते हैं।

चीनी 70 रु. किलो, खड़गे बोले- ये कैसा आत्मनिर्भर भारत

3 महीने में 40% महंगी हुई; सरकारी बयान- एथेनॉल बनाने से नहीं बढ़े दाम

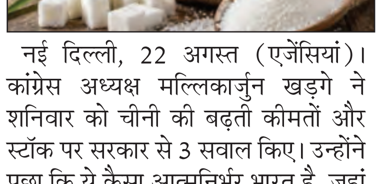

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को चीनी की बढ़ती कीमतों और स्टॉक पर सरकार से 3 सवाल किए। उन्होंने पूछा कि ये कैसा आत्मनिर्भर भारत है, जहां विदेश से चीनी आयात की जा रही है और दूसरी तरफ गन्ने को पेट्रोल में मिलाने के लिए एथेनॉल में झोंका जा रहा है।

हालांकि, केंद्र सरकार ने शुक्रवार को चीनी की बढ़ती कीमतों के लिए एथेनॉल उत्पादन को जिम्मेदार मानने से इनकार किया था। देश के कई शहरों में चीनी की कीमत 70 रुपए किलो तक पहुंच गई है। पिछले 3 महीने में इसके दाम करीब 40% यानी 19 प्रति किलो तक बढ़े हैं। कीमत कम करने के लिए केंद्र ने 31 अक्टूबर तक 10 लाख टन रॉ शुगर बिना ड्यूटी के आयात करने की मंजूरी दी है।

स्टॉक कम होने की 4 बड़ी वजह

1. मौसम खराब होने से गन्ने से चीनी कम बनी

नेशनल फेडरेशन ऑफ को-ऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज लिमिटेड (NFCSF) के मुताबिक, पिछले साल ज्यादा बारिश से गन्ने 'की फसल को नुकसान हुआ। इससे गन्ने से चीनी बनने की दर यानी रिकवरी रेट 12% से नीचे आ गया। मतलब 100 किलो गन्ने से 12 किलो से भी कम चीनी बनी। इससे देश का चीनी उत्पादन करीब 3 करोड़ टन रहा, जबकि अनुमान 3.2 करोड़ टन का था।

2. गन्ने का बड़ा हिस्सा एथेनॉल बनाने में खपा

सरकार की नई एथेनॉल ब्लेंडिंग पॉलिसी के तहत गन्ने का एक बड़ा हिस्सा चीनी की बजाय एथेनॉल बनाने में खप रहा है। ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, देश में पिछले साल 720 करोड़ लीटर एथेनॉल बना। इसके लिए 1.33 करोड़ टन अनाज व 25 लाख टन चीनी बनाने लायक गन्ना-शीरा लगा। इसमें 34 लाख टन गन्ना था।

3. कम स्टॉक के बावजूद चीनी का एक्सपोर्ट

केंद्र सरकार ने नवंबर 2025 में 15 लाख टन चीनी के निर्यात को मंजूरी दी थी। फरवरी 2026 में 5 लाख टन की मंजूरी और बढ़ा दी। सरकार ने कीमतें बढ़ने पर मई 2026 में चीनी के एक्सपोर्ट पर रोक लगाई, लेकिन तब तक 8 लाख टन चीनी देश से बाहर भेजी जा चुकी थी। इससे चीनी का स्टॉक 47 लाख टन से घटकर 39 लाख टन हो गया और घरेलू बाजार में चीनी की कमी हो गई।

4. त्योहारी सीजन के दौरान जमाखोरी

गणेश चतुर्थी और दीवाली जैसे त्योहारों के सीजन, यानी अगस्त से नवंबर तक मिठाइयों और कन्फेक्शनरी की खपत बढ़ जाती है। मिठाई और बेवरेज वगैरह बनाने वाली कंपनियां चीनी स्टॉक करने लगती हैं। ज्यादा डिमांड और स्टॉक कम होने के चलते दाम और बढ़ जाते हैं।

गुड़ के दाम भी 24% तक बढ़े

चीनी के अलावा तीन महीने में गुड़ 24%, चावल 16% और मक्के का आटा 11% तक महंगा हुआ है। चीनी के दाम बढ़ने की एक वजह मिलों के पास बचे स्टॉक में कमी भी बताई जा रही है।

मिलों के पास शुरुआती स्टॉक भी पिछले साल के मुकाबले कम हुआ है। पिछले सीजन में पेराई शुरू होने से पहले मिलों के पास 47 लाख टन चीनी थी, जो इस बार घटकर 32 लाख टन रह गई है।

क्रेडिट कार्ड से चुकाते हैं मकान का किराया?

ये 5 गलतियां आपकी जेब पर पड़ सकती हैं भारी

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)।आज के डिजिटल दौर में मकान का किराया चुकाना बेहद आसान हो गया है. मोबाइल पर बस कुछ क्लिक किए, रेंट सीधे मकान मालिक के खाते में पहुंच जाता है. इस सहूलियत को देखते हुए बहुत से लोग इस काम के लिए अपने क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करने लगे हैं. ऊपरी तौर पर यह एक स्मार्ट फैसला लग सकता है, लेकिन इसके पीछे कई छिपे हुए वित्तीय जोखिम होते हैं. क्रेडिट कार्ड से किराया भरने का सीधा असर आपकी उधार लेने की लागत, क्रेडिट यूटिलाइजेशन और आपके सिबिल स्कोर पर पड़ता है. अगर आप भी हर महीने क्रेडिट कार्ड से रेंट पेमेंट करते हैं, तो आपको वित्तीय नुकसान से बचने के लिए 5 खास बातों का ध्यान रखना चाहिए. आइए समझते हैं कि वे कौन सी गलतियां हैं, जो आगे चलकर बड़ी परेशानी का सबब बन सकती हैं.

हिडन चार्जेस देखे बिना पेमेंट कर देना

क्रेडिट कार्ड से रेंट ट्रांसफर करना कभी भी पूरी तरह फ्री नहीं होता है. ज्यादातर बैंक या पेमेंट प्लेटफॉर्म इस सुविधा के बदले कन्वीनिएंस फीस या प्रोसेसिंग फीस वसूलते हैं, जो करीब 2 फीसदी तक हो सकती है. मान लीजिए आपका महीने का किराया 30,000 रुपये है. ऐसे में 2 फीसदी के हिसाब से आपको हर महीने 600 रुपये

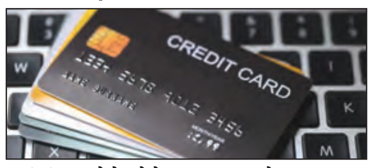

अतिरिक्त देने होंगे. साल भर में यह रकम 7,200 रुपये हो जाती है, जिसमें टैक्स अलग से जुड़ता है. इतनी बड़ी फीस चुकाने के बाद कार्ड पर मिलने वाले रिवॉर्ड पॉइंट्स का फायदा न के बराबर रह जाता है. एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने भी अपने ग्राहकों को सलाह दी है कि रेंट पेमेंट से पहले इन अतिरिक्त शुल्कों की तुलना रिवॉर्ड पॉइंट्स से होने वाले मुनाफे से जरूर कर लें.

क्रेडिट लिमिट के इस्तेमाल को नजरअंदाज करना

जब आप कार्ड से किराया देते हैं, तो आपकी क्रेडिट लिमिट का एक बड़ा हिस्सा तुरंत इस्तेमाल हो जाता है. उदाहरण के लिए, अगर आपके कार्ड की कुल लिमिट 1 लाख रुपये है और आपने 40,000 रुपये किराया भर दिया, तो आपने अपनी 40% लिमिट एक ही झटके में खत्म कर दी. इसमें आपके महीने के बाकी खर्च शामिल नहीं हैं. इससे आपका क्रेडिट यूटिलाइजेशन रेशियो तेजी से बढ़ता है. सिबिल स्कोर तय करने में इस रेशियो की बहुत बड़ी भूमिका होती है. लगातार ज्यादा लिमिट इस्तेमाल करने से आपकी क्रेडिट प्रोफाइल खराब हो सकती है.

भारत में रेकॉर्ड तोड़ रही है गाड़ियों की बिक्री और चीन में गिरने लगी सेल, थकने लगा है दुनिया का इंजन?

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। जुलाई 2026 में भारत में गाड़ियों की रिटेल बिक्री सालाना आधार पर 25.89% बढ़कर रेकॉर्ड 25.91 लाख यूनिट तक पहुंच गई। इस दौरान कारों का रिटेल रजिस्ट्रेशन पिछले साल के मुकाबले 19.13 फीसदी की तेजी के साथ 4.16 लाख यूनिट पहुंच गया।

यह पहला मौका है जब जुलाई में कारों की बिक्री का आंकड़ा 4 लाख यूनिट के पार गया। दूसरी ओर चीन में पैसेंजर गाड़ियों की बिक्री में 21 फीसदी गिरावट आई है। चीन की अर्थव्यवस्था मुश्किल दौर से गुजर रही है। जुलाई में चीन का इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन सालाना आधार पर 4.5% बढ़ा, लेकिन पिछले 3 महीनों में पहली बार इसमें मासिक गिरावट देखी गई। वहीं, रिटेल सेल्स में सालाना आधार पर सिर्फ 0.6% की बढ़ोतरी हुई, जो कम से कम 18 महीनों में तीसरी सबसे कम बढ़त है। इसकी वजह यह है कि रिटेल सेल्स का सबसे बड़ा हिस्सा यानी पैसेंजर गाड़ियों की बिक्री सालाना आधार पर 21% गिर गई।

रियल एस्टेट क्राइसिस

इसके अलावा, 2026 के शुरुआती 7 महीनों में फिक्स्ड-एसेट इन्वेस्टमेंट में सालाना आधार पर 6.7% की गिरावट आई, जो साल की पहली छमाही में हुई 5.7% की गिरावट से भी ज्यादा खराब स्थिति है। इसी दौरान, रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट में सालाना आधार पर 19.2% की भारी गिरावट आई, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। चीन की अर्थव्यवस्था में सुस्ती हर बड़े सेक्टर में बढ़ती जा रही है। चीन में हाउसिंग संकट लगातार गहराता जा रहा है। जून में 3.3% की सालाना गिरावट के बाद, जुलाई में चीन के 70 शहरों में नए मकानों की कीमतों में 3.2% की सालाना गिरावट आई। चीन में प्रॉपर्टी की कीमतें 2023 के मध्य से लगातार गिर रही हैं। चीन के हाउसिंग मार्केट के लिए यह 2008 जैसा दौर है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	सिंह	में
चंद्र	धनु	में
मंगल	मिथुन	में
बुध	कर्क	में
गुरु	कर्क	में
शुक्र	कन्या	में
शनि	मीन	में
राहु	कुंभ	में
केतु	सिंह	में

लग्नारंभ समय	
सिंह	05-40 बजे
कन्या	07-48 बजे
तुला	09-50 बजे
वृश्चिक	12-01 बजे
धनु	14-16 बजे
मकर	16-20 बजे
कुंभ	18-12 बजे
मीन	19-49 बजे
मेष	21-25 बजे
वृष	23-09 बजे
मिथुन	01-12 बजे
कर्क	03-28 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत् 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मंत्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष - 426873
सूर्योदय 06-01
सूर्यास्त 18-42
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - श्रावण कृष्ण पक्ष रविवार 23 August 2020
तिथि - एकादशी 04-19 तक उपरान्त द्वादशी
नक्षत्र - मूल 17-44 तक उपरान्त पूर्वाषाढ़ा
योग - विष्कुंभ 06-13 तक प्रीति
करण - वणिज 04-19 तक उप विष्टि(भद्रा)
पवित्रा एकादशी व्रत स्मार्थ गृहस्थ
शरद ऋतु प्रारम्भ नक्षत्र शांति

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 17-01 से 18-36 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र Ph 9247132654

दिन का चौघडिया		
उत्पात	06-01 - 07-35	अशुभ
चंचल	07-35 - 09-10	शुभ
लाभ	09-10 - 10-44	शुभ
अमृत	10-44 - 12-19	शुभ
काल	12-19 - 13-53	अशुभ
शुभ	13-53 - 15-27	शुभ
रोग	15-27 - 17-01	अशुभ
उत्पात	17-01 - 18-42	अशुभ

रात का चौघडिया		
शुभ।	18-42 - 20-01	शुभ
अमृत	20-01 - 21-27	शुभ
चंचल	21-27 - 22-53	शुभ
रोग	22-53 - 00-19	अशुभ
काल	00-19 - 01-45	अशुभ
लाभ	01-45 - 03-10	शुभ
उत्पात	03-10 - 04-36	अशुभ
शुभ	04-36 - 06-01-	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आज के दिन आपको एक अप्रत्याशित रूप से उपहार आपके दिल के निकट के व्यक्ति से मिल सकता है। आज का दिन आपके लिए काफी उत्तम रहेगा । आपके सहकर्मी और आपसे उच्च पद पर तैनात सहकर्मी आपसे खुश रहेंगे तथा आपसे पूरा सहयोग एवं सहायता करेंगे जिसकी वहज से आप अपना काम समय पर पूरा कर पाएंगे।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
काम करते हुए आप एक विस्तृत दृष्टिकोण को अपनाते है । यह आपका सकारात्मक पहलू है और इस सप्ताह के अंत में आपका दृष्टिकोण मौद्रिक लाभ में बदलेगा । जोड़-तोड़ से बचें और जो भी करे ईमानदारी से करे । आपके काम की गुणवत्ता आपके काम की मात्रा के बजाय ज्यादा महत्व रखेगी ।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आज के दिन आपकी प्रतिभा को आपके उच्च अधिकारी पहचानेगें और आपके कार्य क्षेत्र में आपकी काफी प्रशंसा होगी और साथ ही साथ आपको घर में उपहार भी मिल सकता है जो आपके दिन को प्रज्जवलित करेगा और आप इस के हक़दार भी है । आपने अपने करियर को उठाने के लिए बहुत प्रयास किए है जिससे की आपको अपने कार्य की सराहना मिलेगी।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आपको अपने कार्य करने के लिए विशेष ध्यान देना होगा क्योकि आपके वरिष्ठ अधिकारी बारीकी से आपकी प्रगति को देखेंगे । वे आपके समर्पण भाव और मजबूत नेतृत्व के गुणों से प्रभावित होंगे । आज आपके थोड़े अधिक प्रयासों से आपके करियर को नयी गति मिल सकती है क्योकि आपके वरिष्ठ अधिकारी आपके इन गुणों को ध्यान में रखेंगे।

सिंह (मा, मी ,मु ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपने हाल ही में जो कड़ी मेहनत की है , उसकी हर दिशा से सराहना होगी । आपको एक बोनस या एक लंबे समय से वेतन वृद्धि की चाह थी वो पूरी हो सकती है । आपको एक अच्छे वित्तीय अवसर की पेशकश भी की जा सकती है , जिसकी अपेक्षा आपको नहीं थी । हालाँकि ये एक बहुत बड़ा नहीं है , परन्तु यह संतोष की एक अच्छी भावना के रूप में आप में भर जाएगा।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कुछ समय से अपने कार्यालय में आप काफी अच्छा काम कर रहे है और ये खूबी आज आपको अपने मालिक की नजरो में काफी ऊपर उठाएगी । पदोन्नति भी आपका इतंजार कर रही है परन्तु आपके सहकर्मियों की द्वेष एवं जलन आपका मन ख़राब कर सकती है । ये आपके लिए एक मुश्किल चुनौती की तरह है और आपको इस बात का ध्यान रखना है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
कुछ वित्त और कैरियर के विभिन्न अवसर आज आपके सामने आ सकते हैं और आप उन्हें लेने के लिए अभिभूत होंगे लेकिन थोड़ा उलझन भी महसूस कर सकते हैं की किस दिशा में जाये ।सावधान रहें की ये अनिर्णय आपको पंगु न बनाये । अगर आप सही दिशा में आगे बढ़ते है , तो यह पूरी तरह से आपके वित्तीय भविष्य को बदल सकता हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,)
हालाँकि आप अपने कार्य क्षेत्र से संतुष्ट है और आगे की तरफ जा रहे है लेकिन ये समय अपना हुनर , रचनात्मकता एवं प्रतिबद्धता को दिखाने का है और हो सकता है की आपको अपनी परिवार की प्रतिबद्धता को पीछे छोड़ना पड़े लेकिन ये आपके करियर को आगे ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपका धैर्य से अब लाभ मिलने लगा है । आप एक लंबे समय से इसके लिए इंतजार कर रहे थे , जिसके लिए आपने कभी अपनी मेहनत को पीछे नहीं रखा और अवसरों की तलाश करते रहे । धीरे-धीरे जो आप चाहते थे वो आपको मिल रहा है ।आप संयमित रहे । इन लाभों का आनंद लें , लेकिन साथ ही साथ आसपास के लोगों से विनम्र रहे ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप स्वभाव से गंभीर हैं और अपने कार्य करने के लिए प्रतिबद्धता का फल अब मिलने का समय है । दिन के अंत में प्रमुख वित्तीय लाभ की भी संभावना है जो आपने ईमानदारी और कड़ी मेहनत से अर्जित की है। लेकिन आपको केवल जिम्मेदारी और कर्तव्य की भावना से कार्य नहीं करना चाहिए बल्कि कार्यो को करने में हास्य की भावना विकसित करे।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
ये समय अपने सहकर्मियों का उत्साह बढ़ाने का समय है ! आप कुछ कठिन कार्य के लिए प्रयासरत है जिसमे आपके जूनियर या आपसे निचले क्रम के सहकर्मी आपका समर्थन करेंगे और आपके सच्चे समर्थक होंगे । इसलिए उन्हें खुश रखे ! जो लोग अपने कार्यालय में अग्रणी स्थिति या उच्च पद पर है , उन लोगों के लिए बेहतर करियर के अवसर आज आ सकते है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज के दिन आपको अपनी आर्थिक समस्याओ से निजात पाने के लिए एक व्यवहार्य समाधान मिल सकता है और उसे लागू करने के लिए उचित दिशा में आप पहला कदम उठायेंगे । पिछले कुछ समय से धन की समस्याओं ने आप की नाक में दम किया हुए था परन्तु अब आप काफी हद तक इस पर काबू पा पाएंगे हालाँकि ये कदम कुछ मुशिकल हो सकता है।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

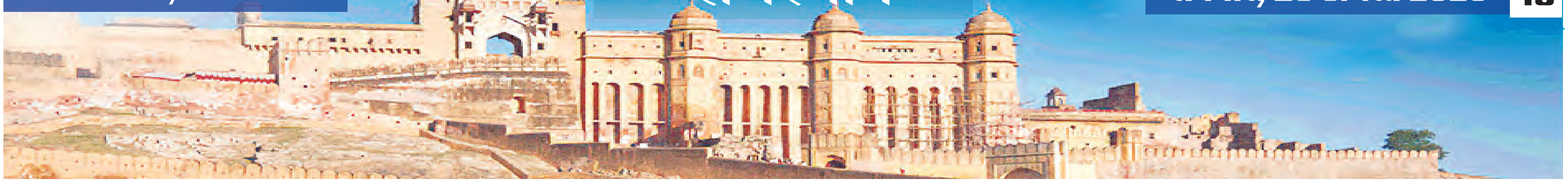

बिना भवन के चल रहे 611 सरकारी स्कूल

भजनलाल सरकार ने बताए चौंकाने वाले आंकड़े

जयपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में सरकारी स्कूल भवनों की जर्जर हालत को लेकर मचे घमासान के बीच चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। प्रदेश में 611 सरकारी स्कूल ऐसे हैं, जिनके पास अपना भवन नहीं है। इनमें 10 बालिका विद्यालय भी शामिल हैं। वहीं 2047 सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए शौचालय नहीं हैं, जबकि 1049 विद्यालयों में बच्चों को पेयजल के लिए जूझना पड़ रहा है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के अतारांकित सवाल के जवाब में भजनलाल सरकार ने यह जानकारी दी। सरकार ने समग्र शिक्षा के यू-डाइस डाटा 2025-26 के अनुसार यह स्थिति बताई है।

सरकार ने बताया कि राजस्थान के जिन विद्यालयों में पेयजल की सुविधा नहीं है, वहां पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है और शौचालय की वैकल्पिक व्यवस्था भी उपलब्ध है। साथ ही सरकार ने जानकारी दी कि माध्यमिक शिक्षा के तहत बजट घोषणा के अनुसार स्कूलों की मरम्मत एवं जीर्णोद्धार के लिए 550 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। वहीं भवनविहीन एवं जर्जर विद्यालयों के भवनों के निर्माण के लिए 450 करोड़ रुपए की लागत से काम कराने का प्रावधान किया गया है।

भवन विहीन स्कूल : झालावाड़- 67, जोधपुर- 42, जयपुर- 38, बाड़मेर- 36, बांसवाड़ा- 31, डूंगरपुर- 31

शौचालय विहीन स्कूल : बांसवाड़ा- 188, डूंगरपुर- 124, उदयपुर- 98, बीकानेर- 84, झालावाड़- 81

पेयजल सुविधा विहीन स्कूल : दौसा- 96, उदयपुर- 70, अलवर- 65, करौली- 60, बांसवाड़ा- 58

तीनों श्रेणियों में बांसवाड़ा टॉप-5 में है। यहां कई स्कूल बिना भवन के चल रहे हैं, वहीं शौचालय और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव है। डूंगरपुर भवन विहीन और शौचालय विहीन स्कूलों के मामले में टॉप पांच में है, जबकि झालावाड़ भवन विहीन और शौचालय विहीन स्कूलों की संख्या में शामिल है।

वित्त विभाग ने गत 13 व 14 मार्च को हुई बैठक का हवाला दिया है। इसमें जर्जर और जीर्ण-शीर्ण स्कूल भवनों के निर्माण, रिपेयर और मेंटेनेंस के लिए विभिन्न वित्तीय स्रोतों से हर साल 2500 करोड़ रुपए उपलब्ध कराने का खाका तैयार किया गया। पांच साल में 12,500 करोड़ रुपए उपलब्ध कराने का खाका तैयार किया गया।

सीजेपी से मारपीट, 24 घंटे बाद स्कूल शिफ्ट

ग्रामीण-सीजेपी की एक-दूसरे के खिलाफ केस

रांका बोले-दिलावर ने खुद अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारी

जयपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में कॉकरोच जनता पार्टी और ग्रामीणों के बीच बगरू विधानसभा क्षेत्र के राजकीय प्राथमिक स्कूल रामपुरा कंवरपुरा के निरीक्षण को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के 24 घंटे बाद शनिवार सुबह स्कूल को 50 मीटर दूर बिल्डिंग में शिफ्ट कर दिया गया।

इससे पहले शनिवार सुबह ग्रामीणों और सीजेपी ने एक-दूसरे के खिलाफ जयपुर के शिवदासपुरा थाने में एफआईआर दर्ज करवाई।

दोनों ने एक-दूसरे पर मारपीट, हुड़दंग मचाने के आरोप लगाए हैं। दोनों पक्षों ने पुलिस पर भी उन पर दबाव बनाने के आरोप लगाए हैं।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने खुद अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार ली है। अब पूरा देश राजस्थान के स्कूलों की दयनीय स्थिति को देखेगा। उन्हें शर्मिंदगी का सामना करना पड़ेगा। हम ऐसे लोग नहीं हैं जो रुक जाएं, झुक जाएं या डर जाएं।

आशुतोष रांका ने जयपुर के प्रताप नगर पुलिस पर उन्हें डराने और दबाव बनाने का आरोप लगाया है। रांका का कहना है कि पुलिसवाले उनके और उनके परिवार के बारे में पार्टी कार्यकर्ता से पूछताछ कर रहे हैं।

ग्रामीणों ने पुलिस को दी गई शिकायत में कहा है कि कॉकरोच जनता पार्टी ने उनके गांव का माहौल खराब कर रखा है। इससे पूरे गांव में दहशत है। बच्चे डरे हुए हैं और वो स्कूल नहीं जा रहे हैं। ये लोग बड़ी संख्या में गांव में हथियार लेकर आए थे। उन्होंने डराया धमकाया भी है। वहीं, सीजेपी का आरोप है कि गांव में उन्हें पीटा गया।

कार्यकर्ताओं के कपड़े फाड़ दिए गए। उनकी मांग है कि जल्द से जल्द हमला करने वाले लोगों को गिरफ्तार किया जाए।

बगरू के राजकीय प्राथमिक स्कूल रामपुरा कंवरपुरा का निरीक्षण करने पहुंचे कॉकरोच जनता पार्टी प्रवक्ता आशुतोष रांका और उनके साथियों के साथ ग्रामीणों ने मारपीट की। इस दौरान उन्होंने पथराव भी किया गया।

सुसाइड या दुर्घटना ? परमाणु बिजलीघर परिसर में सीआईएसएफ जवान की मौत

खुद की सर्विस राइफल से चली गोली

चित्तौड़गढ़, 22 अगस्त (एजेंसियां)। जिले के रावतभाटा स्थित राजस्थान परमाणु बिजलीघर परिसर की सुरक्षा में तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के एक जवान की अपनी ही सर्विस राइफल से गोली चलने के कारण मौत हो गई। यह हादसा उस वक्त हुआ जब जवान सुबह के समय परमाणु बिजलीघर की तीसरी और चौथी इकाई की रिएक्टर बिल्डिंग के बाहर अपनी नियमित ड्यूटी पर तैनात था।

गोली की आवाज सुनते ही परिसर में अफरा-तफरी मच गई। साथी सुरक्षाकर्मियों ने लहूलुहान अवस्था में जवान कोतुरंत राजस्थान परमाणु बिजलीघर अस्पताल पहुंचाया। हालांकि स्थिति बेहद गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया, साक्ष्य जुटाए और प्राथमिक जानकारी दर्ज की। जवान के शव को पोस्टमार्टम व आगे की प्रक्रिया के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। वर्ष 2025 बैच के भर्ती जवान प्रमिर ने मात्र 6 महीने पहले ही रावतभाटा में अपनी ड्यूटी जॉइन की थी। घटना के वास्तविक कारणों को लेकर अभी स्थिति पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हो पाई है।

राजनीति में होगी जेन-जी की एंट्री: 72% युवा टिकट के दावेदार, 50% से अधिक 40 साल से कम उम्र के नेता

जयपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में हुए आंदोलन के बाद राजनैतिक पार्टियों की नजर अब देश के युवाओं पर है। चूंकि युवा मूल मुद्दों को लेकर मुखर हैं। वे सरकार से जवाब मांग रहे हैं। व्यवस्थाओं पर सवाल उठा रहे हैं। ऐसे में सभी राजनैतिक दल अब युवाओं को साधने पर फोकस कर रहे हैं। पिछले दिनों भाजपा प्रदेश कार्यालय में हुई बैठक में भी जेन जी को साधने को लेकर मंथन हुआ था। कांग्रेस भी जेन जी यानी युवाओं को साधने में जुटी है। इसी बीच दिलचस्प बात यह भी सामने आई है कि युवा अब चुनाव मैदान में उतरने में ज्यादा रुचि दिखा रहे हैं। भाजपा और कांग्रेस चुनाव में युवाओं को ज्यादा अवसर देने की तैयारी में है।

निकाय और पंचायत चुनाव में प्रत्याशी चयन के लिए इस बार कांग्रेस ने नया फार्मूला तैयार किया है। चुनाव लड़ने के इच्छुक नेताओं को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। पार्टी द्वारा जारी क्यूआर कोड पर ऑनलाइन आवेदन नहीं करने वालों को प्रत्याशी नहीं बनाया जाएगा। तीन दिन पहले पार्टी की ओर से क्यूआर कोड जारी किया गया था। क्यूआर कोड के जरिए पार्टी के पास जो आवेदन आ रहे हैं। उसके मुताबिक युवा पीढ़ी राजनीति में एंट्री करने को बेताब नजर आती दिखाई दे रही है। कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि युवा पीढ़ी क्या चाहती है। यह सब दिखाई दे रहा है।

कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रत्याशियों के चयन के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया अपनाने से पता चला है कि राजनीति में युवाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। करीब 13,500 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से 70 से 72 फीसदी आवेदक 50 साल से कम उम्र के हैं। 50 से 60 फीसदी आवेदकों की उम्र 40 वर्ष से कम है। यानी आगामी निकाय चुनाव में युवा पीढ़ी नेतृत्व करती हुई दिखाई देने वाली है।

गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस अपने शासनकाल में नगर निकायों में किए गए काम और जनता को दी गई राहत को लेकर जनता के बीच जाएगी। 'प्रशासन शहरों के संग' अभियान के दौरान लोगों को मिले लाभ और कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों का भी प्रचार किया जाएगा। डोटासरा ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि उसके ढाई साल के कार्यकाल में जनता परेशान है। भाजपा के शासनकाल में क्या हुआ और कांग्रेस के समय क्या काम हुए, इसकी तुलना जनता के सामने रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में भाजपा के 'कुशासन' को बड़ा मुद्दा बनाकर कांग्रेस जनता के बीच जाएगी।

फर्जी पासपोर्ट से दुबई भागा मोस्ट वांटेड इमरान

लुत्फी की पत्नी भी भारत से फरार; जांच में हुआ खुलासा

भीलवाड़ा, 22 अगस्त (एजेंसियां)। जिला पुलिस की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि प्रतापगढ़ के वरिष्ठ अधिवक्ता जे. जोशी हत्याकांड का सजायाफ्ता और पैरोल से फरार हार्डकोर अपराधी इमरान उर्फ चुन्नी लाला फर्जी पासपोर्ट के जरिए दुबई भागने में कामयाब रहा। सूत्रों के मुताबिक, यह फर्जी दस्तावेज भीलवाड़ा के एक ऐसे प्रभावशाली शख्स की मदद से बना, जिसका नाम शहर के चर्चित जमीन घोटाले में आ चुका है। पुलिस अब उस मददगार की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। वहीं, भगोड़े अपराधी पूर्व पार्षद फजले रउफ उर्फ लुत्फी की पत्नी फातिमा फहीम के भी भारत से भाग कर दुबई जाने की जानकारी पर पुलिस अलर्ट है। दुबई की जेल में बंद भारत के चार बड़े भगोड़ों को वापस लाने में पुलिस लगी है। इस हाई-प्रोफाइल लिस्ट में फजले रउफ उर्फ लुत्फी, दादाबाड़ी निवासी 50 हजार की इनामी नीलम खोईवाल और दो अन्य अपराधी शामिल हैं। सुभाषनगर थाना प्रभारी कैलाश चन्द्र विश्नोई की टीम की जांच में लुत्फी गैंग के कारनामों की परते उधड़ रही है। हार्डकोर अपराधी इमरान उर्फ चुन्नी लाला फर्जी पासपोर्ट के जरिए दुबई भागने का मामला सामने आया हे। जांच में सामने आया कि पासपोर्ट के फर्जी दस्तावेज भीलवाड़ा के ही एक ऐसे प्रभावशाली शख्स की मदद से बनाए गए। जिसका नाम शहर के चर्चित यूआईटी जमीन घोटाले में आ चुका है। पुलिस का शिकंजा कसते देख फातिमा फहीम भी दुबई भाग चुकी है। वहीं, दुबई में भीलवाड़ा के एक भारतीय मूल के व्यापारी का अपहरण, मारपीट और रंगदारी वसूलने के मामले में पुलिस सख्त रुख अपना रही है। वारदात में शामिल लुत्फी गैंग के बाकी फरार गुर्गों को दबोचने के लिए पुलिस ने उनके पोस्टर और फोटो सार्वजनिक किए है।

जालोर में बढ़ा महिलाओं का सियासी कद : 13 सीटों पर बनेगा महिला पार्षदों का दबदबा; सभापति पद पर भी दावेदारी

जालौर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। जालोर नगर परिषद के आगामी चुनाव में महिलाओं की भागीदारी बढ़ने जा रही है। आरक्षण के तहत इस बार 13 महिलाएं पार्षद बनेंगी, जिनमें सामान्य महिला की 7, ओबीसी महिला की 3, एससी महिला की 2 और एसटी महिला की एक सीट शामिल है। सामान्य महिला की सीटें बढ़ने से सभापति पद पर भी महिला दावेदारी की संभावना बनी है। हालांकि बड़ा सवाल यह रहेगा कि महिला पार्षद अपने फैसले खुद लेंगी या उनके पति, पिता और परिवार के अन्य सदस्य राजनीतिक भूमिका निभाएंगे।

जालोर नगर परिषद के आगामी चुनाव में आरक्षण की तस्वीर साफ होने के बाद महिला दावेदारों की राजनीतिक सक्रियता बढ़ने लगी है। इस बार परिषद में महिलाओं के लिए कुल 13 सीटें आरक्षित की गई हैं। इनमें सामान्य महिला की 7, ओबीसी महिला की 3, एससी महिला की 2 और एसटी महिला की एक सीट शामिल है। पिछले बोर्ड में 12 महिला पार्षद थीं। इस लिहाज से इस बार महिलाओं की संख्या एक बढ़ जाएगी।

सामान्य महिला की 7 सीटें होने से इस बार सभापति पद पर भी महिला दावेदारी की संभावना बन गई है। ऐसे में चुनाव परिणाम के बाद यह देखना अहम होगा कि महिला पार्षद वार्ड से जुड़े निर्णय और राजनीतिक गतिविधियां खुद संभालती हैं या फिर पहले की तरह उनके परिवार के सदस्य सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

जालोर निकाय के इतिहास में अब तक केवल दो बार महिलाओं को अध्यक्ष या सभापति बनने का मौका मिला है। वर्ष 1999 से 2004 तक मीरा बालू अग्रवाल नगर पालिका अध्यक्ष रहीं। उस समय सामान्य महिला सीट आरक्षित थी। उनके कार्यकाल में पति बालू अग्रवाल की राजनीतिक और प्रशासनिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका रही।

इसके बाद वर्ष 2009 से 2014 तक इंदू परिहार अध्यक्ष रहीं। वर्ष 2012 में नगर पालिका के नगर परिषद बनने के बाद वे सभापति कहलाने लगीं। शुरुआती दौर में उनके पिता ने कामकाज संभाला, लेकिन बाद में इंदू परिहार ने स्वयं जिम्मेदारी संभालनी शुरू की।

पिछले बोर्ड में 12 महिला पार्षद थीं। परिषद की बैठकों में उनकी मौजूदगी रहती थी, लेकिन वार्ड के कामकाज और राजनीतिक गतिविधियों में परिजनों की भूमिका अधिक दिखाई देती थी। जानकारी के अनुसार केवल दो महिला पार्षद ऐसी थीं, जिन्होंने अपना काम खुद संभाला।

इस बार वार्ड 38, 9, 35 और 32 में सामान्य महिला सीट आरक्षित हुई है। वार्ड 11 में पहले की तरह सामान्य महिला आरक्षण कायम है। वार्ड 1 और 5 में ओबीसी महिला से सामान्य महिला सीट हुई है। वहीं वार्ड 22 में सामान्य महिला से ओबीसी महिला आरक्षण बदला है। वार्ड 26 में एससी से ओबीसी महिला और वार्ड 36 में सामान्य से ओबीसी महिला सीट हुई है। एससी महिला के लिए वार्ड 2 और 24 आरक्षित हैं, जबकि वार्ड 28 में इस बार एसटी महिला सीट है। आरक्षण बदलने वाले वार्डों में नए चेहरों के सामने आने की संभावना है।

दिल्ली के युवकों ने अजमेर के बिजनेसमैन से की ठगी

1 साल पहले बनाया था गिरोह, अब 4 आरोपी गिरफ्तार

अजमेर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। पॉलिसी रिन्यू करने के नाम पर व्यापारी से ठगी के मामले में चार आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया। ठग 10 प्रतिशत कमीशन रखकर रुपए ट्रांसफर करते थे। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। साइबर थाना के हेड कॉन्स्टेबल महिपाल चारण ने बताया कि बीती 23 जुलाई को आनासागर लिंक रोड निवासी बिजनेसमैन राजकुमार हेड़ा ने साइबर थाने में रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि पॉलिसी मैच्योर होने के बाद उसे रिन्यू करने के नाम पर कुछ लोगों ने संपर्क किया। उन्होंने अलग-अलग प्रक्रिया बताते हुए 6 लाख 50 हजार रुपए ठग लिए। इसके बाद पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत देने के अलावा साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया।

दिल्ली निवासी आरोपियों ने एक साल पहले गिरोह बनाया था। उन्होंने अजमेर में पॉलिसी रिन्यू करने के नाम पर बिजनेसमैन से ठगी की। गिरोह में शामिल एक युवक के खाते में ठगी के रुपए आते थे। इसके बदले उसे एक दिन का 500 रुपए मिलता था। इसके बाद मुख्य आरोपी अपने हिस्से का 10 प्रतिशत कमीशन निकालकर रुपए को आगे ट्रांसफर करता था। आगे की चेन इसी तरीके से काम करती थी। इनके खातों से देशभर में दर्ज कई साइबर ठगी के मामलों से जुड़े लेन-देन मिले है। पुलिस ने दिल्ली निवासी विकास कुमार (23) पुत्र पूरण चंद, सूर्यांश (23) पुत्र नीरज वर्मा, अमृतराज (30) पुत्र ललितेश कुमार और आसिफ (33) पुत्र हसन अहमद को गिरफ्तार किया। इनमें से दो स्नातक उत्तीर्ण और दो बारहवीं पास हैं।

आरोपी सूर्यांश, अमृतराज और आसिफ मिलकर पूरी चेन चला रहे थे। गिरोह ऐसे व्यक्ति को अपने साथ जोड़ता था, जिसके नाम पर फर्म और बैंक खाते खुलवाए जा सकें। इन्हीं खातों में साइबर ठगी की रकम मंगवाई जाती थी। किसी खाते में संदिग्ध लेन-देन के कारण बैंक कार्रवाई कर खाता ब्लॉक कर दिया जाता था। इस पर गिरोह नया व्यक्ति तलाशकर उसके नाम से नए खाते खुलवा लेता था। इस तरह साइबर ठगी की रकम को लगातार कई खातों में रोटेट किया जाता था।

जांच में सामने आया कि व्यापारी से ठगे 4.30 लाख रुपए विकास कुमार के बैंक खातों में ट्रांसफर हुए।

लेपर्ड के हमले में तीन साल के मासूम की मौत

ग्रामीणों और वन विभाग के बीच समझौते से थमा विवाद

सवाई माधोपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। रणथंभौर टाइगर रिजर्व की फलौदी रेंज के दुमोदा गांव में लेपर्ड के हमले में तीन वर्षीय मासूम की मौत के बाद वन प्रशासन और ग्रामीणों के बीच चला गतिरोध आखिरकार समझाइश और आपसी सहमति के बाद खत्म हो गया। आज सुबह कोतवाली थाने में पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में मृतक के परिजनों और ग्रामीणों की वन प्रशासन के साथ लंबी वार्ता हुई। ग्रामीणों की मांगों पर सहमति बनने के बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए राजी हुए। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। दरअसल बीती रात दुमोदा गांव निवासी संजय बैरवा का तीन वर्षीय बेटा दिलखुश घर के आंगन में परिवार के बीच खेल रहा था। इसी दौरान अचानक एक लेपर्ड वहां पहुंचा और मासूम को मुंह में दबोचकर ले गया। बच्चे की मां ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन वह सफल नहीं हो सकी। परिजनों की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और लेपर्ड का पीछा किया। ग्रामीण गांव के पास जंगल में पहाड़ी तक पहुंचे, जहां मासूम गंभीर हालत में झाड़ियों में मिला। ग्रामीण उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि घटना की सूचना देने के बावजूद वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी काफी देर तक मौके पर नहीं पहुंचे। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने फलौदी रेंज की वन चौकी पर तोड़फोड़ और आगजनी कर दी।

राष्ट्रीय स्तर के एआईएपीजीईटी परीक्षा के बीच 'बिजली गुल'

बिना पावर बैकअप बंद रहे कंप्यूटर, भारी हंगामा

जयपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में राष्ट्रीय स्तर की स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा एआईएपीजीईटी 2026 के दौरान परीक्षा केंद्र की भारी लापरवाही का मामला सामने आया है। दरअसल, शनिवार को ट्रांसपोर्ट नगर स्थित श्री एक पीजी कॉलेज में आयोजित परीक्षा शुरू होने के महज 15 से 20 मिनट बाद ही अचानक बिजली गुल हो गई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक परीक्षा केंद्र पर पावर बैकअप और जनरेटर की समुचित व्यवस्था न होने के कारण कई देर तक सभी कंप्यूटर सिस्टम ठप पड़े रहे। परीक्षा हॉल में बैठे अभ्यर्थी बिना लाइट और पंखे के सिस्टम के चालू होने का इंतजार करते रहे, लेकिन कंप्यूटर शुरू नहीं हो सके।

दोपहर 12 बजे निर्धारित समय पूरा होने का हवाला देते हुए परीक्षा केंद्र प्रशासन ने अभ्यर्थियों को जबरन सेंटर से बाहर निकाल दिया। महीनों और सालों की कड़ी मेहनत पर पानी फिरता देख अभ्यर्थियों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने कॉलेज परिसर के बाहर जमकर नारेबाजी और हंगामा किया। इस दौरान अत्यधिक मानसिक तनाव और भीषण गर्मी के कारण 3 छात्राएं मौके पर ही बेहोश हो गईं, जिन्हें साथी छात्रों की मदद से संभाला गया। परीक्षा देने पहुंचे अभ्यर्थियों ने केंद्र व्यवस्थापकों और परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रों का कहना है कि उन्होंने सालभर इस परीक्षा के लिए दिन-रात एक करके तैयारी की थी।

जेल भेजने की धमकी देकर पटवारी ने मांगी रिश्वत, 13 साल बाद कोर्ट ने 1 साल की सजा और जुर्माने की सजा सुनाई

टोंक, 22 अगस्त (एजेंसियां)। टोंक की एसीबी कोर्ट ने करीब 13 साल पुराने रिश्वत के मामले में तत्कालीन हल्का पटवारी लड्डूलाल धाकड़ को दोषी ठहराया है। अदालत ने दोषी पटवारी को एक साल के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने आरोपी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। मामला वर्ष 2013 का है। 4 जनवरी 2013 को समरावता के निवासी परिवादी मौजीराम गुर्जर ने एसीबी टोंक में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि वह अनपढ़ है और उसने कई साल से गांव की चरागाह भूमि पर अतिक्रमण कर रखा है। उसके पास इस अतिक्रमण की पेनल्टी की रसीदें भी थीं। परिवादी के अनुसार कचरावता का हल्का पटवारी लड्डूलाल धाकड़ इस मामले में उसे जेल भिजवाने की धमकी दे रहा था और बदले में पांच हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा था। शिकायत का सत्यापन करने के बाद एसीबी टोंक ने 4 जनवरी, 2013 को ही एक विशेष ट्रैप कार्रवाई का आयोजन किया। इस कार्रवाई के दौरान पटवारी लड्डूलाल धाकड़ को पांच हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में पूरी जांच समाप्त होने के बाद एसीबी ने 3 दिसंबर, 2014 को कोर्ट में आरोप पत्र पेश कर दिया था। अब करीब 13 साल बाद अदालत ने पटवारी लड्डूलाल धाकड़ को एक साल के साधारण कारावास और 25 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है।

डॉक्यूमेंट में हेरफेर करके बना कांस्टेबल

34 साल कर ली नौकरी, रिटायर्ड होने के बाद खुला फर्जीवाड़ा, मामला दर्ज

सीकर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में सरकारी नौकरी से जुड़ा हैरान करने वाला मामला सामने आया है। एक व्यक्ति ने कथित तौर पर कूटरचित दस्तावेजों के जरिए राजस्थान आर्म्ड कॉन्स्टेबुलरी में कांस्टेबल की नौकरी हासिल की और करीब 34 साल तक नौकरी करता रहा। इतना ही नहीं आरोपी अपना पूरा सेवाकाल पूरा करने के बाद सेवानिवृत्त भी हो गया। रिटायरमेंट के बाद शिकायत मिलने पर जब मामले की जांच कराई गई तो दस्तावेजों में कथित हेरफेर की बात सामने आई। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सीकर जिले के बुरावड़ तहसील क्षेत्र के पूरा छोटी गांव निवासी भागीरथराम ने 1 जून 1992 को बीकानेर स्थित आरएसी की तृतीय बटालियन में कांस्टेबल के पद पर भर्ती ली थी। नौकरी के दौरान उसका स्थानांतरण आरएसी की दिल्ली स्थित आठवीं बटालियन में हो गया। यहां उसने लंबे समय तक सेवा की और बाद में सेवानिवृत्त हो गया। सेवानिवृत्ति के बाद आरएसी की आठवीं बटालियन के अधिकारियों को भागीरथराम के खिलाफ शिकायत मिली। शिकायत में आरोप लगाया गया कि उसने नौकरी हासिल करने के लिए कूटरचित दस्तावेजों का इस्तेमाल किया था। शिकायत मिलने के बाद विभाग की ओर से प्राथमिक जांच कराई गई।

पार्टी नेतृत्व की चुप्पी चिंता पैदा करती है : कोंडा सुरेखा

टीपीसीसी अनुशासन समिति को मंत्री का पत्र

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की वन, पर्यावरण एवं देवदाय-धर्मादाय मंत्री कोंडा सुरेखा ने टीपीसीसी अनुशासन समिति के अध्यक्ष मल्लु रवि को पत्र लिखकर उन्हें और उनके

परिवार के सदस्यों को निशाना बनाकर कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणियां करने वालों के पीछे मौजूद लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की मांग की है। मंत्री सुरेखा ने कहा कि टीपीसीसी अनुशासन समिति द्वारा जारी नोटिस का वह पहले ही जवाब दे चुकी हैं। इसके बावजूद कांग्रेस पार्टी के कई जनप्रतिनिधि और नेता उन्हें तथा उनके परिवार के सदस्यों को निशाना बनाकर सार्वजनिक रूप से अपमानजनक टिप्पणियां कर रहे हैं। उन्होंने इस पूरे मामले के पीछे से कथित रूप से संचालन करने वाले वास्तविक लोगों की निष्पक्ष पहचान कर कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने समिति से यह भी जांच करने का अनुरोध किया कि अनुशासन समिति की जांच जारी रहने के दौरान उनके खिलाफ सार्वजनिक रूप से आलोचना करना, उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर फैसले सुनाना और मीडिया के सामने उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग करना कहीं समिति के स्वतंत्र निर्णय को प्रभावित करने का प्रयास तो नहीं था। मंत्री सुरेखा ने कहा, मुझे पार्टी अनुशासन पर पूरा सम्मान है। लेकिन एक वरिष्ठ बीसी महिला नेता के रूप में जब मेरे खिलाफ तीखी और सामूहिक टिप्पणियां की जा रही हैं, तब पार्टी नेतृत्व की चुप्पी चिंता पैदा करती है। मेरे राजनीतिक भविष्य पर फैसले सुनाने और कार्रवाई की मांग को लेकर मीडिया के सामने आने के पीछे के उद्देश्यों की भी पार्टी नेतृत्व को जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय, महिला सशक्तीकरण और कमजोर वर्गों के आत्मसम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। इन मूल्यों के विपरीत आचरण करने वाले नेताओं के खिलाफ पार्टी के अनुशासनात्मक नियमों के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

दक्षिण मध्य रेलवे

निविदा सं.26_2026-27 _एसआर.डीईई टीआरडी _एचवायबी, दि.19-08-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीईई/टीआरडी/एचवायबी द्वारा निविदा सं.26_2026-27 _एसआर.डीईई _टीआरडी _एचवायबी, दि.19-08-2026 के प्रति बंद करने की तिथि 11-09-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता/बिड्डर्स अपने मूल/संशोधित बोलियों को उक्त बंद करने की तिथि & समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसपर विचार नही किया जायेगा।

क्रम संख्याः1, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजन-एचवायबी डिवीजन में 2 वर्ष की अवधि हेतु ओएचइ & पीएसआई संपत्तियों के रखरखाव गतिविधियों के मदों की आउटसोर्सिंग, जिसे पहले के आउटसोर्सिंग प्रस्ताव से छोड दिया गया था (बिजली रहित मदें अथवा नान पावर ब्लाक आयटम्स)।

निविदा विज्ञापित मूल्य रु.1,03,00,370.7/-, अग्रधन रु.2,01,500,00, कार्य पूरा करने की अवधिः 24 महिने, बंद करने की तिथिः 11-09-2026

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा की संपूर्ण जानकारी दर्शनीय नोटिस बोर्ड स्थानः एसआर. डीईई/टीआरडी/एचवायबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/हैदराबाद

निविदा सं.27_2026-27 _एसआर.डीईई _टीआरडी _एचवायबी, दि.19-08-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीईई/टीआरडी/एचवायबी द्वारा निविदा सं.27_2026-27 _एसआर.डीईई _टीआरडी _एचवायबी, दि.19-08-2026 के प्रति बंद करने की तिथि 11-09-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता/बिड्डर्स अपने मूल/संशोधित बोलियों को उक्त बंद करने की तिथि & समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसपर विचार नही किया जायेगा।

क्रम संख्याः1, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजन-एचवायबी डिवीजन में 2 वर्ष की अवधि हेतु ओएचइ & पीएसआई संपत्तियों के रखरखाव गतिविधियों के मदों की आउटसोर्सिंग।

जिसे पहले के आउटसोर्सिंग प्रस्ताव से छोड दिया गया था (बिजलीयुक्त मदें या पावर ब्लाक आयटम्स)।

निविदा विज्ञापित मूल्य रु.74,78,634.00, अग्रधन रु.1,49,600,00, कार्य पूरा करने की अवधिः 24 महिने, बंद करने की तिथिः 11-09-2026

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा की संपूर्ण जानकारी दर्शनीय नोटिस बोर्ड स्थानः एसआर. डीईई/टीआरडी/एचवायबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025

--वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/हैदराबाद

निविदा सं.28_2026-27 _एसआर.डीईई टीआरडी एचवायबी, दि.19-08-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीईई/टीआरडी/एचवायबी द्वारा निविदा सं.28_2026-27 _एसआर.डीईई _टीआरडी _एचवायबी, दि.19-08-2026 के प्रति बंद करने की तिथि 11-09-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता/बिड्डर्स अपने मूल/संशोधित बोलियों को उक्त बंद करने की तिथि & समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसपर विचार नही किया जायेगा।

क्रम संख्याः1, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजन- एचवायबी डिवीजन में 2 वर्ष की अवधि हेतु ओएचइ & पीएसआई संपत्तियों के रखरखाव गतिविधियों के मदों की आउटसोर्सिंग।जिसे पहले के आउटसोर्सिंग प्रस्ताव से छोड दिया गया था।

निविदा विज्ञापित मूल्य रु.76,42,018.00, अग्रधन रु.1,52,900,00, कार्य पूरा करने की अवधिः 24 महिने, बंद करने की तिथिः 11-09-2026

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा की संपूर्ण जानकारी दर्शनीय नोटिस बोर्ड स्थानः एसआर. डीईई/टीआरडी/एचवायबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/हैदराबाद

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, क्रमशः सीई/सी-V/एससी & सीई/सी-II/एससी कंस्ट्रक्शन आर्गनाइजेशन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम संख्याः01, एनआयटी संख्याः 44-सीएओ-सी-एससी-2026, दि.14-08-2026, कार्य विवरणः एससीआर कंस्ट्रक्शन आर्गनाइजेशनः 60 केजी/60ईआय(90युटीएस) हेतु एटी वेल्ड पोर्शन की आपूर्ति & आर 260ग्रेड रेल्स & 52 केजी (90/72 युटीएस रेल्स) रेल्स जायन्ट्स की आपूर्ति & इन सिटु वेल्डिंग सहित प्रस्तावित अन्कांई बायपास लाइन, दौलताबाद गुड्स साइडिंग हेतु सिंगल शाट क्रुसीबुल का उपयोग करते हुए स्वचालित टैपिंग थिम्बल का रेल जायंट्स की वेल्डिंग एवम् परली यार्ड, गंगाखेड यार्ड पर जंक्शन व्यवस्था सहित डायवर्शन लाइन, अकोला यार्ड, अकोला-अकोट सेक्शन्स, मोर्डार यार्ड तथा खंडवा पर सरफेस कनेक्शन कार्य।

विवरणः अनुमानित मूल्य रु.1,86,85,718.50, अग्रधन रु.3,73,700.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 18 (अठाहर) महिने, निविदा खोलने की तिथिः 08-09-2026 के 15.00 बजे।

क्रम संख्याः02, एनआयटी संख्याः 45-सीएओ-सी-एससी-2026, दि.14-08-2026, कार्य विवरणः साउथ सेंट्रल रेलवे-कंस्ट्रक्शन आर्गनाइजेशनः सिकंदराबाद डिवीजनः वाडी-सिकंदराबाद सेक्शनः (1) एडीइएन, एडीएसटीई, एडीइइ & एसएसइ कार्यालयों का निर्माण (2) आफिसर्स रेस्ट हाउसेज, सुपरवायजर्स रेस्ट हाउसेज & टीएम स्टाफ हेतु क्रू रेस्ट हाउसेज का निर्माण (3) वाडी एवं सनतगर स्टेशनों के बीच प्रस्तावित नई थर्ड & फोर्थ लाइनों से संबध्द विभिन्न स्टेशनों पर टाइप-II, टाइप-III तथा टाइप-IV स्टाफ क्वार्टर्स का निर्माण।

विवरणः अनुमानित मूल्य रु.42,54,76,482.05, अग्रधन रु.85,09,500.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 24 (चौबीस) महिने, निविदा खोलने की तिथिः 08-09-2026 के 15.00 बजे।

I) बोली दस्तावेज & अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः https://ireps.gov.in पर लागिन करें।

II) निविदाकार अपने आफर्स या प्रस्तावों को आनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने की तिथि से पहले, पंद्रह दिनों की अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।

III) निविदाकार, किसी भी शुद्धिपत्र (आनलाइन पर जारी मात्र) को निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

मुख्य प्रशासन अधिकारी/निर्माण/सिकंदराबाद

अत्तापुर पुलिस ने मानसिक रूप से परेशान महिला को परिवार से मिलाया

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अत्तापुर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मानसिक रूप से परेशान एक महिला को सुरक्षित उसके परिवार से मिला दिया। पुलिस की इस मानवीय पहल की सराहना की जा रही है। पुलिस के अनुसार, शनिवार को सुबह करीब 11:50 बजे स्पंदना टीम को सूचना मिली कि शिवरामपल्ली जेडपीएचएस स्कूल के आसपास एक मानसिक रूप से परेशान महिला स्थानीय लोगों के घरों में प्रवेश कर रही है। सूचना मिलते ही स्पंदना टीम मौके पर पहुंची और महिला को सुरक्षित अत्तापुर पुलिस स्टेशन ले आई। इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस एवं एसएचओ ए. सीतैया के निर्देश पर हेड कांस्टेबल (एचसी-7374) के. कृष्णा को महिला की पहचान और पते का पता लगाने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

पुलिसकर्मी के प्रयासों से करीब एक घंटे के भीतर महिला की पहचान चंद्रकला (45), पत्नी जनार्दन, निवासी हैदरगुड़ा, अत्तापुर, राजेंद्रनगर, रंगारेड्डी जिले के रूप में हुई।पुलिस ने तत्काल महिला के परिजनों से संपर्क किया। इसके बाद उनके बेटे बी. साई किरण अत्तापुर पुलिस स्टेशन पहुंचे। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में चंद्रकला को सुरक्षित उनके बेटे के सुपुर्द कर दिया गया।एसएचओ ए. सीतैया ने महिला को समय रहते सुरक्षित परिवार से मिलाने के लिए पुलिस कर्मचारियों की त्वरित कार्रवाई और सराहनीय प्रयासों की प्रशंसा की।

भण्डारण मदों की आपूर्ति निविदा सूचना सं.22/2026, दि.21-08-2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

निम्न निविदाएं आनलाइन पर दर्शायी गयी है। निविदाकारों से अनुरोध है कि, वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर जाएं तथा अपने आफर्स को आनलाइन पर प्रस्तुत करें। निविदा कार्य विवरण, मात्रा, अग्रधन, एसडी को वेबसाइट पर देख सकते हैं। मैन्युएल आफर्स अमान्य होंगे। डाक द्वारा प्रेषित आफर्स पर विचार नही किया जायेगा। निविदा की नियत तिथि की निविदा बंद करने का समय 14.30 बजे है। सभी स्वदेशी प्रस्तावों, अग्रधन को केवल आनलाइन सिस्टम पर उपलब्ध वेबसाइटः www.ireps.gov.in द्वारा ही स्वीकार किया जायेगा।

निविदा संख्या	संक्षिप्त कार्य विवरण
29261058	एफटीआरटीआयपीएल पीटी.
82261425	नुसार आटो ड्रेन वाल्व हेतु किट
82260089	मेटफारमिन 500 एमजी टीएबी
82261420	रक्सोलिटीनिब 5 एमजी टीएबी संबध्द 30/70 (आरडीएनए ओरिजिन) 40आययु/एमएल-10एमएल आयएनजे
82264944	बैलून एक्सपेन्डेबुल ट्रांसकेथेटर एओरटिक वाल्व रिप्लेसमेंट (टीएवीआर) डिवाइस
82255019B	अडवान्स्ड या उन्नत एफेरेसिस सिस्टम
33261592	आर्टिकुलेटेड स्फेरोइलास्टिक रब्बर बेयरिंग

टिप्पणीः निविदा खोलने की नियत तिथियां निम्न प्रकारः क्रम सं.01 दि.31-08-2026, क्रम सं.02 दि.02-09-2026, क्रम सं.03 & 04 दि.08-09-2026, क्रम सं.05 & 06 दि.14-09-2026, क्रम सं.07 दि.16-09-2026

उपरोक्त निविदाओं के अतिरिक्त रु.50 लाख से अधिक मूल्य की अन्य निविदाएं भी उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी हेतु कृपया रेलवे वेबसाइट देखें।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिकंदराबाद

A682

निविदा नियम शर्तें/ज्यादा जानकारी & निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइटःhttps://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

लंदन में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने किया अंबेडकर हाउस का दौरा

लंदन/ हैदराबाद , 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगी डी. श्रीधर बाबू ने लंदन स्थित प्रसिद्ध अंबेडकर हाउस का दौरा किया। यह वही ऐतिहासिक भवन है, जहां बाबासाहेब डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने 1921-22 के दौरान निवास किया था।

प्राइमरोज, लंदन स्थित 10 किंग हेनरी रोड अब डॉ. अंबेडकर के जीवन और उनके आदर्शों को समर्पित संग्रहालय के रूप में विकसित किया गया है। यह संग्रहालय संविधानवाद, समानता, जातिविहीन समाज, शोषण-मुक्त व्यवस्था और सामाजिक न्याय की सर्वोच्चता के उनके विचारों को समर्पित है।मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने संग्रहालय के आगंतुक रजिस्टर में लिखा, डॉ. अंबेडकर के घर का दौरा तीर्थयात्रा के समान है। इसकी प्रेरणा जीवनभर बनी रहेगी। मैं सामाजिक न्याय के प्रति नई प्रतिबद्धता का अनुभव कर रहा हूं।

करीब एक घंटे तक चले दौरे के दौरान एंटी कास्ट डिस्क्रिमिनेशन अलायंस (एसीडीए) की अध्यक्ष एवं अंबेडकर संग्रहालय की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली सुश्री संतोष दास एमबीई ने मुख्यमंत्री को ब्रिटेन में बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर के जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। संग्रहालय का दौरा पूरा करने के बाद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि यह मेरे जीवन के महान क्षणों में से एक रहा है। दुनिया में जन्मे महानतम भारतीयों में से एक के जीवन के व्यक्तिगत पहलू को देखने और उसे महसूस करने का अवसर मिलना मेरे लिए बेहद विशेष अनुभव है।

अरकू से मुंबई गाजा तस्करी का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

गांजा तस्करी में बुजुर्गों का किया जा रहा है इस्तेमाल

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद केंद्रीय अपराध स्टेशन की विशेष अपराध टीम ने गांधी नगर पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी के एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने 21 अगस्त को पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 38 किलो गांजा बरामद किया। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान महाराष्ट्र के राजाराम स्वामी कन्नु पड़ैयाची (78), संतोष बलराम प्रजापति (65), तमिलनाडु की विजयलक्ष्मी कलियामूर्ति पेल्लई (66), झारखंड की सिलमिना कुजूर (36) और शीला देवी (48) के रूप में हुई है। इनमें से कुछ आरोपी मुंबई में रह रहे थे, जबकि उनके मूल निवास तमिलनाडु और झारखंड में हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपियों को अराकू और विशाखापत्तनम क्षेत्र से बड़ी मात्रा में सूखा गांजा उपलब्ध कराया जाता था। इसे भूरे रंग के पैकेटों में भरकर बसों के माध्यम से हैदराबाद लाया जाता था। इसके बाद आरोपी दूसरी बस पकड़कर मुंबई जाते और वहां तय स्थानों पर गांजे के पैकेट पहुंचाते थे। जांच में सामने आया कि अज्ञात मुख्य सूत्रधार कथित तौर पर आरोपियों को गांजा पहुंचाने के लिए वाहक के रूप में इस्तेमाल करता था। उम्रदराज यात्रियों पर सामान्यतः कम संदेह होने का फायदा उठाते हुए आरोपियों को तस्करी के लिए चुना गया। प्रत्येक खेप पहुंचाने के बदले उन्हें करीब 10 हजार से 12 हजार रुपये कमीशन दिए जाने की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों का गांजा परिवहन से संबंधित पूर्व आपराधिक इतिहास भी है। तस्करी के तरीके के तहत आरोपी अराकू से गांजे के पैकेट लेकर उन्हें अपने सामान्य यात्रा बैगों में छिपा लेते थे।

संदेह से बचने के लिए वे अलग-अलग बसों से हैदराबाद पहुंचते थे। शहर में पहले से तय स्थानों पर अलग-अलग लॉज में करीब एक दिन ठहरने के बाद दूसरी बस से मुंबई रवाना होते थे। मुंबई पहुंचकर गांजा निर्धारित स्थान पर पहुंचाया जाता था। यह कार्रवाई अपराध टीम के निरीक्षक च. सुधाकर राव और उपनिरीक्षक एन. गौरींदर गौड़ ने अपनी टीम के साथ गांधी नगर पुलिस के सहयोग से की। कार्रवाई पुलिस उपायुक्त, केंद्रीय अपराध स्टेशन, हैदराबाद, एस. चैतन्य कुमार के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे गांजा और अन्य मादक पदार्थों के अवैध परिवहन, कब्जे, बिक्री या वितरण में किसी भी प्रकार से शामिल न हों। बस, निजी वाहन या किसी अन्य माध्यम से पैसे लेकर मादक पदार्थ पहुंचाने वालों के खिलाफ स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हैदराबाद पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

ओडिशा से तेलंगाना आ रहा 1.75 करोड़ का हशीश ऑयल पकड़ा गया

एलबी नगर एसओटी और नागोल पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, दो तस्कर गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत एलबी नगर विशेष अभियान दल और नागोल पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ओडिशा से तेलंगाना लाई जा रही बड़ी मात्रा में हशीश ऑयल की तस्करी का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 14.2 किलोग्राम हशीश ऑयल बरामद किया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1.75 करोड़ रुपये बताई गई है।

मलकाजगिरी की पुलिस आयुक्त बी. सुमति ने बताया कि 21 अगस्त की दोपहर विश्वसनीय सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति मोटरसाइकिल पर हशीश ऑयल लेकर नागोल के गौरेली मार्ग की ओर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर गौरेली चौराहे पर वाहन जांच शुरू की गई। इसी दौरान नंबर एपी 39 आरवी 6425 वाली यामाहा मोटरसाइकिल को रोककर उस पर सवार दो लोगों को पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आंध्र प्रदेश के अल्लुरी सीताराम राजू जिले के थल्ले नागराजू (30) और नागुला नारायण उर्फ किरण (39) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान दोनों के पास मौजूद बैगों से काले रंग के पदार्थ से भरे पारदर्शी पैकेट बरामद हुए। प्रत्येक आरोपी के बैग से सात-सात पैकेट मिले। कुल 14 पैकेटों में करीब 14.2 किलोग्राम हशीश ऑयल पाया गया। पुलिस ने हशीश ऑयल के अलावा दो मोबाइल फोन, यामाहा मोटरसाइकिल और 2,500 रुपये नकद भी जब्त किए हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ नागोल थाने में स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने कथित तौर पर बताया कि ओडिशा के मलकानगिरी जिले के सिंगावरम गांव निवासी तमारा गोपाल ने उन्हें ओडिशा सीमा से हैदराबाद तक हशीश ऑयल पहुंचाने के लिए दो बैग दिए थे। दोनों बैगों में करीब सात-सात किलोग्राम हशीश ऑयल था। इसके बदले आरोपियों को एक-एक लाख रुपये देने का वादा किया गया था। पुलिस के अनुसार, आरोपी मोटरसाइकिल से गांवों के रास्ते हैदराबाद की ओर रवाना हुए थे ताकि पुलिस की जांच से बच सकें। गोपाल ने हैदराबाद पहुंचने के बाद ही खेप पहुंचाने वाले व्यक्ति और आगे के निर्देश देने की बात कही थी। मामले में कथित आपूर्तिकर्ता तमारा गोपाल फिलहाल फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है और हशीश ऑयल की खेप किसे पहुंचाई जानी थी, इसका भी पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों का पहले भी मादक पदार्थों की तस्करी से संबंध रहा है। नागराजू के खिलाफ आंध्र प्रदेश के गोलुगोंडा थाने में 10 किलोग्राम गांजा से संबंधित मामला दर्ज है, जबकि नारायण उर्फ किरण के खिलाफ एस. कोटा थाने में 140 किलोग्राम गांजा से संबंधित मामला दर्ज रहा है। मलकाजगिरी की पुलिस आयुक्त बी. सुमति के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण तथा एलबी नगर क्षेत्र की पुलिस उपायुक्त बी. अनुराधा, विशेष अभियान दल के पुलिस उपायुक्त के. मनोहर और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त एम. डी. शाकिर हुसैन के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। नागोल संभाग के सहायक पुलिस आयुक्त पी. कासी रेड्डी, नागोल थाना निरीक्षक मकबूल जानी, विशेष अभियान दल के निरीक्षक के. प्रताप रेड्डी तथा उनकी टीम ने कार्रवाई में भाग लिया।

करीमनगर में महेश बैंक ने की संवाद सभा

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। महेश बैंक के नए निदेशक मण्डल द्वारा बैंक की हैदराबाद के बाहर स्थित सभी शाखाओं में ग्राहक संवाद कार्यक्रम आयोजित करने के लिए निर्णय के अन्तर्गत चौथी ग्राहक संवाद सभा का आयोजन करीमनगर में किया गया । संवाद सभा के आयोजन के पीछे मूलभूत उद्देश्य बैंक के ग्राहकों के साथ संबंधों को गहरा करना, व्यापारिक प्रतिष्ठानों को बैंक की सेवाओं से जोड़ना, चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स, चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स असोसिएशन के माध्यम से बैंक का व्यवसाय बढाना, स्थानीय समाज के भीतर महेश बैंक के प्रति विश्वास को पुनः स्थापित करना इत्यादि हैं ।

सभा में महेश बैंक के चेयरमैन सीए मुरलीमनोहर पलोड, निदेशक मण्डल सदस्य कविता तोष्णीवाल, दीपक बंग, कैलाश मंत्री, पवन लोया, जनरल मैनेजर (ऑपरेशंस) श्रीनिवास, जनरल मैनेजर (क्रेडिट) कमलकिशोर राठी, अमरनाथ, राजस्थानी सेवा समाज के मंत्री कमलकिशोर सोनी, माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ सदस्य सत्यनारायण लाहोटी, राइस मिलर्स असोसिएशन के अध्यक्ष सुधाकर राव, फर्टीलाइजर असोसिएशन के जिला अध्यक्ष शशि लक्ष्मीनारायण, माइन्स असोसिशन के अध्यक्ष सेतु भास्कर, चार्टर्ड अकाउंटेन्ट्स असोसिएशन के उपाध्यक्ष सीए बी. अजय कुमार आदि ने भाग लिया।

सभा को सम्बोधित करते हुए बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड ने कहा कि संवाद सभा बैंक को अपने ग्राहकों से मिलने का, स्थानीय समाज से मिलने का, विभिन्न व्यापारिक संगठनों से बातचीत करने का एवं आपस में व्यापार बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है । संवाद सभाओं की एक प्रमुख बात यह है कि इन सभाओं ने बैंक को अपने सभी महत्वपूर्ण खातेदारों के, व्यापारी संगठनों, चार्टर्ड अकाउंटेन्ट असोसिएशन एवं चैम्बर्स ऑफ कामर्स से साझेदारी बनाने का अवसर प्रदान किया है।

गच्चीबौली और यदाद्रि भुवनगिरि हादसों पर राज्यपाल ने जताया गहरा दुख

निर्माण स्थलों और औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन पर दिया जोर

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने हैदराबाद के गच्चीबौली और यदाद्रि भुवनगिरि जिले में हुई दो दर्दनाक घटनाओं में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने दोनों हादसों में जान गंवाने वाले श्रमिकों के परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। राज्यपाल ने गच्चीबौली के अंजैया नगर में एक अनधिकृत सात मंजिला निर्माणाधीन इमारत के ढहने से दो श्रमिकों की मौत पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से उन्हें इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। इसी तरह राज्यपाल ने यदाद्रि भुवनगिरि जिले के पोचमपल्ली मंडल स्थित हैजलो फार्मा में रिएक्टर विस्फोट के बाद लगी आग में दो श्रमिकों की मौत पर भी गहरा दुख जताया।

प्रतिभूति मुद्रणालय में हिंदी कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की इकाई, प्रतिभूति मुद्रणालय में आज हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

यह कार्यशाला मुद्रणालय के मुख्य सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई। कार्यशाला में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), हैदराबाद के मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) हिंदी के डॉ. साकेत कुमार सहाय ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। डॉ. सहाय ने राजभाषा नीति-नियमों एवं कार्यालयीन कामकाज में हिंदी भाषा के सहज एवं सरल प्रयोग विषय पर रोचक एवं व्यावहारिक व्याख्यान दिया।

उन्होंने जटिल बैंकिंग और प्रशासनिक विषयों को अत्यंत आसान हिंदी में प्रस्तुत करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। मुख्य महाप्रबंधक के. एन. महापात्र के कुशल मार्गदर्शन और अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) दुर्गा प्रसाद के निरंतर सहयोग एवं प्रेरणा से संपन्न हुआ। कार्यशाला की रूपरेखा एवं संचालन प्रबंधक(मा.सं.) एवं प्रभारी (राजभाषा) मेहुल राठोड़ के नेतृत्व में किया गया।

इस कार्यशाला में 21 नामित वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भाग लिया।

राजभाषा अनुभाग के परामर्शदाता डॉ. कमलेश शर्मा, पर्यवेक्षक (राजभाषा) संतोष साव और कार्यालय सहायक बी. नरेश की सक्रिय भूमिका के साथ एक विस्तृत धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

करमनघाट ग्रीन पार्क स्थित एक शाम सोनाणा खेतलाजी के नाम जागरण मे भजन प्रस्तुत करते हुए अक्षयगिरिजी महाराज, शैतानसिंह राजपुरोहित । कार्यक्रम का लाभ लेते हुए आयोजक चुन्नीलाल, चन्दाराम, चेनाराम, तिलोकराम लचेटा जैतपुरा, हरिलाल लचेटा, खंगारराम मुलेवा, रतनलाल एवं समाज बन्धु ।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

महिलाओं के खिलाफ...

पुरुष नियंत्रित क्यों करना चाहता है?

कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने एक छात्रा से सवाल किया कि कोई पुरुष किसी महिला को नियंत्रित क्यों करना चाहता है। उन्होंने पूछा कि क्या वह महसूस करती हैं कि पितृसत्ता के तहत पुरुष उन्हें नियंत्रित करना चाहता है। छात्रा ने जवाब दिया कि वह खुद को एक इंसान के रूप में देखती हैं। उन्होंने कहा कि जब लोगों की ओर से यह कहा जाता है कि तुम तो एक महिला हो, तो उन्हें गुस्सा आता है।

राहुल गांधी ने एक अन्य महिला से परिवार में हिस्सेदारी को लेकर सवाल किया। उन्होंने कहा कि अगर कोई भाई हिस्सा मांगता है तो उसे अधिकार कहा जाता है, लेकिन अगर एक महिला वही हिस्सा मांगे तो उसे हिस्सेदारी कहा जाता है। इस पर महिला ने कहा कि परिवार अक्सर चाहते हैं कि महिला सुबह नौ से शाम पांच बजे तक नौकरी करे। इसके बाद घर लौटकर घरेलू काम करे, खाना बनाए और बच्चों को भी संभाले।

राहुल गांधी ने कहा कि जब भारत की ताकत की बात होती है तो कोई सेना की बात करता है और कोई दूसरी चीजों का जिक्र करता है। लेकिन, देश के 70 करोड़ महिलाओं के सपने और विचार ही भारत की असली ताकत हैं। उन्होंने कहा कि आज महिलाओं को तीन दायरों में रखकर देखा जाता है, पत्नी, बेटी और मां। ये रिश्ते गलत नहीं हैं, लेकिन किसी महिला की पूरी पहचान केवल इन्हीं तक सीमित नहीं हो सकती। राहुल ने मनुस्मृति का उल्लेख करते हुए कहा कि उसमें लड़की को बचपन में पिता, युवावस्था में पति और बुढ़ापे में बच्चों पर निर्भर बताया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे शब्द शर्म की बात हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि महिलाओं को आजाद होना चाहिए। वे किसी पर आश्रित नहीं हैं। पिता, पति और बेटे के साथ उनका रिश्ता जरूर है, लेकिन उनकी पहचान इन रिश्तों से अलग भी है। हर महिला की अपनी स्वतंत्र पहचान है। राहुल गांधी ने कहाः डर, हिंसा और पितृसत्ता पर खुलकर बोलें महिलाएं; पूछा- भारतीय महिला होने का क्या मतलब है?

राम कदम ने आरोप लगाया कि उनकी हालत इस हद तक गिर गई है कि कार्यक्रम में शामिल होने के लिए छात्रों को पैसे दिए जा रहे हैं। एक रेट कार्ड बनाया गया है कि जितने छात्रों को लाओगे, उसके हिसाब से पैसा दिया जाएगा। तो जो लोग पैसे लेकर कार्यक्रम में आ रहे हैं, उनसे किस तरह का संवाद होगा। राहुल गांधी को सुनने कोई नहीं आ रहा, वे पैसे मिलने की वजह से आ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि यह निराधार आरोप नहीं है क्योंकि सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो मौजूद हैं जिन्हें लोग देख सकते हैं। भाजपा नेता ने कहा कि अब जब उनके सारे मुद्दे खत्म हो गए हैं, तो टॉपिक जेनरेट करने के लिए छात्रों का इस्तेमाल किया जा रहा है। लेकिन देश के छात्र और युवा पूरी तरह से जानते हैं कि 12 साल पहले भारत दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, आज नॉमिनल जीडीपी के हिसाब से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

वहीं, कांग्रेस नेता यशोमति चंद्रकांत ठाकुर ने इन आरोपों पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि आपको एक बात बताऊं, हमारे पास पैसा ही नहीं है। आप भाजपा के अकाउंट देखिए और हमारे अकाउंट देखिए। हमारे पास पैसा आएगा कहां से? हमारे पास पैसा ही नहीं है। कांग्रेस उत्साह से भरी है, बच्चे उत्साह से भरे हैं। कोई डरा हुआ नहीं है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper : epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement : swadds1@gmail.com

भारत-श्रीलंका दूसरा टेस्ट आज से : गिल के पास 3 हजार रन और 50 छक्के पूरे करने का मौका, सारांश जैन डेब्यू कर सकते हैं

कोलंबो , 22 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला 23 अगस्त से कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड में खेला जाएगा। गॉल में 165 रन से जीत हासिल कर भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है। अब भारत की नजर सीरीज 2-0 से जीतने और तीन साल बाद विदेशी जमीन पर टेस्ट सीरीज अपने नाम करने पर है। भारत ने आखिरी बार जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ विदेशी टेस्ट सीरीज जीती थी।

कप्तान शुभमन गिल के नाम टेस्ट क्रिकेट में अभी 2,993 रन हैं। वह 7 रन बनाते ही 3,000 टेस्ट रन पूरे कर लेंगे। इसके अलावा गिल 47 टेस्ट छक्के लगा चुके हैं और 3 छक्के लगाते ही 50 छक्के पूरे कर लेंगे। ओपनर यशस्वी जायसवाल भी लंबे समय से बड़ी पारी का इंतजार कर रहे हैं। पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली टेस्ट में शतक लगाने के बाद उनकी पिछली 8 पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक आया है। गॉल टेस्ट की दूसरी पारी में जायसवाल तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो की शॉर्ट गेंद पर कट खेलने की कोशिश में विकेट के पीछे कैच हो गए थे। कोलंबो के नेट्स में उन्होंने इस शॉट पर भी काम किया। भारतीय तेज गेंदबाजों और बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्केल ने ऑफ स्टंप के बाहर गेंदबाजी कर उन्हें कट खेलने के लिए मजबूर करने की कोशिश की, लेकिन जायसवाल ने कई गेंदें छोड़कर जवाब दिया।

भारतीय टीम के सामने सबसे बड़ा चयन सवाल तीसरे स्पिनर को लेकर है। गॉल टेस्ट में कुलदीप यादव ने दोनों पारियों में कुल 25 ओवर गेंदबाजी की और सिर्फ एक विकेट लिया। वह टीम के सबसे महंगे गेंदबाज भी रहे। दूसरे टेस्ट में उनकी जगह ऑफ स्पिनर सारांश जैन को मौका मिलने की संभावना है। उन्होंने नेट्स में लंबा स्पेल किया और शुभमन गिल तथा ऋषभ पंत को गेंदबाजी की। श्रीलंका की टीम में बाएं

हाथ के बल्लेबाजों की संख्या को देखते हुए सारांश को मौका मिल सकता है।

हालांकि कुलदीप को बाहर करना अभी तय नहीं है। स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने उनका बचाव किया है। उनका कहना है कि एक मैच के प्रदर्शन से किसी खिलाड़ी का आकलन नहीं किया जाना चाहिए। कुलदीप ने गॉल में मैच की जरूरत के अनुसार अपनी गेंदबाजी की दिशा और ट्रैजेक्टरी बदलने की कोशिश की थी। अंतिम फैसला पिच और टीम कॉम्बिनेशन को देखकर होगा। गॉल टेस्ट में मानव सुथार ने पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट लिए। कोलंबो की पिच भी मैच आगे बढ़ने के साथ स्पिनर्स की मदद कर सकती है। ऐसे में सुथार के साथ रवींद्र जडेजा की भूमिका अहम होगी। रवींद्र जडेजा इस टेस्ट में दो व्यक्तिगत उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 399 चौके हैं। एक चौका लगाते ही वह 400 चौके पूरे कर लेंगे। वहीं जडेजा 49 टेस्ट कैच भी ले चुके हैं। एक कैच और लेते ही उनके 50 टेस्ट कैच पूरे हो जाएंगे।

भारत की नजर 2-0 की जीत पर

गॉल में जीत के बाद भारत मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल में 53.33% पॉइंट्स के साथ पांचवें स्थान पर है। अगर भारत कोलंबो टेस्ट जीतकर सीरीज 2-0 से क्लीन स्वीप करता है तो उसके डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स प्रतिशत 57.58 तक पहुंच सकते हैं और टीम के चौथे स्थान पर जाने की संभावना बनेगी।

भारत ने श्रीलंका से 23 टेस्ट जीते

भारत के खिलाफ श्रीलंका का टेस्ट रिकॉर्ड भी कमजोर है। दोनों टीमों के बीच अब तक 47 टेस्ट खेले गए हैं। भारत ने 23 और श्रीलंका ने 7 मैच जीते हैं, जबकि 17 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब की पिच पर शुरुआत में बल्लेबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है। यहां गेंद बल्ले पर अच्छी तरह आ सकती है और पहली पारी में बड़ा स्कोर बनाया जा सकता है। मैच आगे बढ़ने के साथ पिच सूखने लगेगी, जिससे स्पिनर्स को टर्न और उछाल मिलने की संभावना बढ़ जाएगी। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद कर सकती है।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11

भारतः यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, मानव सुथार, सारांश जैन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज।

श्रीलंकाः लाहिरू उदारा, निशान फर्नांडो, दिनेश चांदीमल, कामिंदु मेंडिस, धनंजय डिसिल्वा (कप्तान), निरोशन डिकवेला (विकेटकीपर), सोनल दिनूशा, केशरा नुवानथा, प्रभात जयसूर्या, असिथा फर्नांडो, लाहिरू कुमारा।

नीरज चोपड़ा लुसाने डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे

88.05 मीटर भाला फेंका, श्रीलंकाई रुमेश पथिरागे ने खिताब जीता

लुसाने, 22 अगस्त (एजेंसियां)। 28 साल के नीरज ने दूसरे प्रयास में पिछले एक साल का सबसे बेहतर थ्रो किया। यह उनके इस सीजन का भी सबसे अच्छा थ्रो रहा। लेकिन, वे श्रीलंका के रुमेश पथिरागे से सिर्फ 9 सेंटीमीटर पीछे रहे। पथिरागे ने 88.14 मीटर के साथ खिताब जीता। ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 86.69 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। पथिरागे ने पिछले महीने ग्लासगो में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में भी गोल्ड जीता था और नीरज को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा था।

23 साल के रुमेश पथिराजे ने तीसरे राउंड में 88.14 मीटर का थ्रो किया। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने नीरज को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया और खिताब जीता। पथिराजे इस सीजन लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। लुसान में उन्होंने नौ खिलाड़ियों के स्टार खिलाड़ियों से सजे मुकाबले में पहला स्थान हासिल किया।

नीरज का 88.05 मीटर का थ्रो जून 2025 में पेरिस डायमंड लीग जीतने के दौरान किए गए 88.16 मीटर के प्रदर्शन के बाद सबसे अच्छा रहा। हालांकि, वे ज्यूरिख में आयोजित डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान रहे थे।

अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियनशिप में महिला पहलवानों ने 3 मेडल जीते

ब्रातिस्लावा (स्लोवाकिया), 22 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की महिला पहलवानों ने अंडर-20 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में तीन और मेडल जीते। मानसी लाठर ने सिल्वर, जबकि तानवी मगदुम और कोमल ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। स्लोवाकिया के ब्रातिस्लावा में चल रही चैंपियनशिप के 68 किलोग्राम कैटेगरी के गोल्ड मेडल मैच में मानसी को चीन की चेनलिंग सोंग के खिलाफ 1-2 से करीबी हार मिली। इसके चलते उन्हें सिल्वर से संतोष करना पड़ा। 57 किलोग्राम कैटेगरी में तानवी मगदुम ने कनाडा की अग्निया क्राकोव्स्का को 10-4 से हराया। इस जीत के साथ तानवी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। 59 किलोग्राम कैटेगरी में कोमल ने हंगरी की एडा बालाज को 5-2 से हराया। कोमल ने यह मुकाबला जीतकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व विश्व चैंपियन मुक्केबाज जोलानी टेटे की हत्या

घर में घुसकर मारी गोली

जोहानिसबर्ग, 22 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के खेल मंत्री गयटन मैकेंजी ने बताया है कि पूर्व विश्व चैंपियन मुक्केबाज जोलानी टेटे की हत्या कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक उन्हें घर में गोली मारी गई जिससे उनकी मौत हो गई। 38 वर्षीय टेटे पर यह हमला उस समय हुआ जब वे अपनी कार में सवार होकर घर पहुंचे थे और गेट खुलने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान दो बदमाशों ने उन पर घात लगाकर हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार, यह घटना पूर्वी केप के मडांत्सेन में हुई। हमलावरों ने नकाब पहन रखे थे। इस हमले में टेटे की कार में मौजूद 27 साल की एक महिला को भी कई गोलियां लगीं, जिन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मालूम हो कि जोलानी टेटे ने अपने शानदार करियर के दौरान वर्ष 2007 से 2008 तक डब्ल्यूबीएफ फ्लाईवेट और 2017 व 2019 में डब्ल्यूबीओ बैंथमवेट वर्ग में विश्व खिताब के बेल्ट अपने नाम किए थे।

कश्मीर की बेटी का विश्व मोटरस्पोर्ट भी हुआ कायल

एफआईए ने कहा- खेल के भविष्य को दिया नया रूप

श्रीनगर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की सबसे युवा कार्ट रेसर अतीका मीर की प्रतिभा का डंका वैश्विक स्तर पर गूंजने लगा है। मोटरस्पोर्ट का संचालन करने वाली वैश्विक संस्था एफआईए ने कहा कि भारत की 11 वर्षीय अतीका मीर जैसे उभरते हुए सितारे मोटरस्पोर्ट के भविष्य को नया रूप दे रहे हैं। जम्मू-कश्मीर की अतीका 2024 में फॉर्मूला 1 रेसिंग की एफ 1 एकेडमी के "डिस्कवर योर ड्राइव" प्रोग्राम में चयनित पहली भारतीय और एशियाई महिला ड्राइवर बनी थीं।

इसके बाद से उन्होंने लगातार यूरोप में कार्टिंग प्रतियोगिताओं में अपने झंडे गाड़े हैं। अतीका ने 12-14 आयु वर्ग में अपने से ज्यादा अनुभवी ड्राइवरों को कड़ी टक्कर दी है। चौपहिया मोटरस्पोर्ट की वैश्विक संस्था एफआईए ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, अतीका मीर की हालिया सफलता दिखाती है कि हमारे खेल का भविष्य कितना उज्ज्वल है। पहले ही एमईएनए कार्टिंग चैंपियनशिप नेशंस कप में देश

का प्रतिनिधित्व कर चुकीं अतीका ने पेशेवर रेसिंग की ओर कदम बढ़ाए हैं।

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में 2014 में जन्मीं अतीका के पिता आसिफ नजीर मीर खुद पूर्व रेसर थे। नजीर साल 2000 में भारत के पहले राष्ट्रीय कार्टिंग रेस विजेता बने थे। अतीका दुबई में तीन-चार साल की उम्र में पिता को रेसिंग करते देखकर इस खेल की तरफ आकर्षित हुई थीं। उनकी मां शाजिया मीर हैं।

अतीका ने पांच साल की उम्र में पहली बार एक मॉल में इलेक्ट्रिक कार्ट चलाई। उनका स्किल देखकर पिता ने उनका प्रशिक्षण शुरू कराया। उन्होंने साल 2021 में सात साल की उम्र में पहली बार यूएई नेशनल चैंपियनशिप (बम्बिनो कैटेगरी) में भाग लेकर दूसरा स्थान पाया। अतीका का सपना एफ1 रेसर बनना है, जो साल 1992 से कोई महिला नहीं बनी है। उनके मेंटॉर भारत के पहले फॉर्मूला-1 (एफ1) ड्राइवर नारायण कार्तिकेयन हैं।

भारत की त्रिसा-गायत्री को बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज

सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-1 जोड़ी ने हराया

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी को बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल मिला है। भारत को 15 साल बाद विमेंस डबल्स कैटेगरी में मेडल मिला है। इससे पहले 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। शनिवार को भारतीय जोड़ी विमेंस डबल्स का सेमीफाइनल हार गई। उन्हें वर्ल्ड नंबर-1 जोड़ी चीन की लियू शेंग शू और टैन निंग ने 18-21, 21-13, 21-8 से हराया। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में एक घंटे 11 मिनट तक चले इस मैच में भारतीय जोड़ी ने पहला गेम जीत लिया। लेकिन, बाकी को दो गेम गंवा बैठी। पहला गेम में भारतीय जोड़ी एक समय 16-18 से पीछे थी, लेकिन इसके बाद लगातार 5 अंक जीतकर शानदार वापसी की। उसने गेम 21-18 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में त्रिसा-गायत्री 8-10 से पीछे चल रही थीं। फिर इंडियन पेयर ने लगातार अंक लेकर ब्रेक तक 11-10 की बढ़त ली। ब्रेक के बाद चीनियों ने वापसी की और 21-13 से गेम जीता। तीसरे गेम में चीनी खिलाड़ियों ने भारतीय जोड़ी को ज्यादा मौके नहीं दिए। उन्होंने 21-8 से गेम जीतकर फाइनल में जगह बनाई। ट्रीसा-गायत्री के सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ भारत के वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल की संख्या 16 हो गई है। इनमें एक गोल्ड, 4 सिल्वर और 11 ब्रॉन्ज शामिल हैं।

रोनाल्डो ने लगातार 25 सीजन में गोल किया

ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी बने, इब्राहिमोविच को पीछे छोड़ा; 977वां गोल

फुंचल (पुर्तगाल), 22 अगस्त (एजेंसियां)। क्रिस्टियानो रोनाल्डो लगातार 25 सीजन में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने स्वीडन के दिग्गज फुटबॉलर ज्लातान इब्राहिमोविच का लगातार 24 सीजन में गोल करने का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। 21 अगस्त को सऊदी प्रो लीग में अल नास्र ने अल रियाद को 4-0 से हराया। 41 साल के रोनाल्डो सब्स्टीट्यूट के तौर पर 62वें मिनट में मैदान पर उतरे और 83वें मिनट में टीम का चौथा गोल किया। यह उनके प्रोफेशनल करियर का 977वां गोल है।

रोनाल्डो ने अपने प्रोफेशनल

करियर के 25वें सीजन की शुरुआत भी गोल के साथ की। उन्होंने 2002-03 सीजन में स्पोर्टिंग सीपी के लिए अपना पहला गोल किया था। इसके बाद वह हर सीजन में कम से कम एक गोल करने में कामयाब रहे हैं। अल रियाद के खिलाफ रोनाल्डो को शुरुआती प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिली। वह 62वें मिनट में मैदान पर आए। उस समय अल नास्र 3-0 से आगे था। 83वें मिनट में आयमन याह्या के लो क्रॉस पर रोनाल्डो ने 8 यार्ड की दूरी से गोल किया।

इब्राहिमोविच ने 1999 से 2022-23 तक लगातार 24 सीजन में गोल किए थे। रोनाल्डो ने अब लगातार 25 सीजन में गोल कर उन्हें पीछे छोड़ दिया है।

अल नास्र के लिए यह रोनाल्डो का सभी प्रतियोगिताओं में 130वां गोल है। वह अपने करियर के 1,000 गोल के आंकड़े के भी करीब पहुंच गए हैं।

अल नास्र के लिए अब्दुलइलाह अल-अमरी, एंजेलो गैब्रिएल, जोआओ फेलिक्स और रोनाल्डो ने गोल किए। टीम ने अल रियाद को 4-0 से हराया।

मेसी ने मेजर लीग में खिलाड़ी के गर्दन पर मारा

दो दिन बाद जुर्मानाः फिलाडेल्फिया यूनियन-इंटर मियामी मैच में हुई थी घटना

लॉस एंजिल्स, 22 अगस्त (एजेंसियां)। मेजर लीग सॉकर में इंटर मियामी और फिलाडेल्फिया यूनियन के बीच खेले गए मैच में इंटर मियामी के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने विपक्षी खिलाड़ी क्विन सुलिवन की गर्दन के पीछे हाथ मारा।

दोनों के बीच यह विवाद मैच के दूसरे हाफ में गेंद से दूर हुआ। घटना के वक्त रेफरी फिलिप डुजिक का ध्यान दूसरी तरफ था, जिससे मेसी को मैदान पर कोई येलो या रेड कार्ड नहीं मिला और खेल जारी रहा। वीडियो फुटेज की समीक्षा के बाद अनुशासन समिति ने उन पर यह फाइन लगाया। मेसी को सस्पेंड नहीं किया गया है, जिससे वे अगले मैचों में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे।

इसी मैच के स्टॉपेज टाइम में बॉक्स के भीतर हुई एक अन्य घटना के लिए इंटर मियामी के डिफेंडर इयान फ्रे पर भी जुर्माना लगाया गया। फ्रे ने चैलेंज के दौरान क्विन सुलिवन को गर्दन से पकड़ा था।

इसके बाद क्विन के छोटे भाई और 16 साल के फिलाडेल्फिया खिलाड़ी कैवन सुलिवन अपने भाई के बचाव में आए। इस दौरान

उनकी मियामी के यानिक ब्राइट से झड़प हो गई। ब्राइट का कैवन के चेहरे से सीधा संपर्क हुआ, जिसके बाद रेफरी ने दोनों खिलाड़ियों को सीधे रेड कार्ड दिखा दिया।

हालांकि, MLS के स्वतंत्र समीक्षा पैनल ने कैवन सुलिवन के रेड कार्ड पर लगाए गए एक मैच के निलंबन और जुर्माने को सर्वसम्मति से रद्द कर दिया। अब वह शनिवार को ऑस्टिन एफसी के खिलाफ फिलाडेल्फिया के मैच में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे।

स्वतंत्र समीक्षा पैनल में यूएस सॉकर और कनाडा सॉकर के प्रतिनिधि शामिल थे। इसके अलावा, प्रोफेशनल रेफरी ऑर्गेनाइजेशन की ओर से नामित एक स्वतंत्र प्रतिनिधि भी पैनल का हिस्सा था।

2023 में लीग से जुड़ने के बाद एमएलएस ने मेसी पर दूसरी बार जुर्माना लगाया है। इससे पहले फरवरी 2025 में न्यूयॉर्क सिटी एफसी के असिस्टेंट मेंधी बालूशी के साथ मैच के बाद हुए विवाद को लेकर मेसी पर जुर्माना लगा था। दोनों के बीच थोड़ी देर बहस हुई थी और मेसी बालूशी के पास जाकर उनकी गर्दन पकड़ते दिखे थे।

फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल में लड़ने वाले 4 खिलाड़ी बैन

खेल डेस्क, 22 अगस्त (एजेंसियां)। फीफा ने फुटबॉल वर्ल्ड कप फाइनल में लड़ाई करने वाले 4 खिलाड़ियों पर बैन लगाया है। इनमें अर्जेंटीना के तीन और स्पेन का एक खिलाड़ी शामिल हैं।

स्पेन के खिलाफ 0-1 से हारने के बाद अर्जेंटीना के खिलाड़ियों ने मैदान पर स्पेनिश प्लेयर्स से लड़ना शुरू कर दिया था। इस घटना के करीब एक महीने बाद फीफा ने कारवाई की है। परेडेस पर एरिक गार्सिया की गर्दन पकड़ने का आरोप था। वहीं, नाहुएल मोलिना पर रोड्री की ओर मुक्का मारने की कोशिश का आरोप था।

इस दौरान निकोलस ओटामेंडी और रोड्री के बीच तीखी बहस हुई। अर्जेंटीना के सहायक कोच रॉबर्टो अयाला और दानी ओल्मो के बीच भी विवाद हुआ।

अर्जेंटीना के कोच रॉबर्टो अयाला पर भी 3 मैच का प्रतिबंध लगाया गया है। उन पर 30 हजार डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया है। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन पर वर्ल्ड कप के दौरान हुई कई घटनाओं के लिए 1.10 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया गया है।

इनमें इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल जीतने के बाद खिलाड़ियों का फॉकलैंड द्वीप को लेकर राजनीतिक बैनर ले जाना, फैंस के भेदभावपूर्ण नारे जैसे मामले शामिल हैं। फीफा ने एएफए को नस्लवाद विरोधी प्रोजेक्ट्स पर 1 लाख डॉलर खर्च करने का आदेश दिया है।

एएफए प्रतिबंधों और जुर्माने के खिलाफ फीफा में अपील कर सकता है। वह कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट में भी अपील कर सकता है।

मैच का इकलौता गोल फेरान टोरेस ने दागा था। उन्होंने एक्स्ट्रा टाइम के 107वें मिनट में स्कोर किया था। निको विलियम्स ने दूर से आए क्रॉस पर बैक पोस्ट पर शानदार हेडर से गेंद नीचे गिराई। इस पर फेरान टोरेस ने रनिंग शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट में पहुंच दिया।

बांग्लादेश के खिलाफ स्टार्क के 22 बॉल पर 5 विकेट

टेस्ट की पहली गेंद पर चौथी बार विकेट लिया

मेलबोर्न, 22 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच मैके में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में मिचेल स्टार्क ने 22 बॉल में 5 विकेट ले लिए। स्टार्क ने मैच की पहली ही गेंद पर शादमान इस्लाम को आउट किया। ऐसा चौथी बार हुआ जब स्टार्क ने मैच की पहली बॉल पर विकेट लिया हो। स्टार्क ने 10 ओवर में 12 रन देकर 6 विकेट लिए, जिसके चलते बांग्लादेश की टीम पहली पारी 64 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। स्टार्क ने पहली गेंद पर शादमान इस्लाम को स्लिप में कैच कराया। इसके बाद उन्होंने तंजीद हसन तमीम और नजमुल हुसैन शांतो को लगातार गेंदों पर आउट किया। तंजीद बाहर जाती गेंद पर बल्ला लगा बैठे और तीसरी स्लिप में कैच हो गए। अगली गेंद पर शांतो एलबीडब्ल्यू हो गए। इसके बाद स्टार्क ने मोमिनुल हक और लिटन दास को भी पवेलियन भेज दिया। इस तरह उन्होंने सिर्फ 22 गेंदों में 5 विकेट पूरे कर लिए। स्टार्क ने करीब 42 मिनट में अपना फाइव-विकेट हॉल पूरा किया। यह उनके टेस्ट करियर का 19वां फाइव-विकेट हॉल है। बाद में उन्होंने शोरिफुल इस्लाम को आउट कर अपना छठा विकेट भी हासिल किया। स्टार्क ने शादमान को पहली गेंद पर आउट करके टेस्ट क्रिकेट में एक बड़ा रिकॉर्ड बनाया। वह अब टेस्ट मैच की पहली गेंद पर चार बार विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज हैं। इससे पहले उन्होंने 2016 में श्रीलंका, 2021 में इंग्लैंड और 2024 में भारत के खिलाफ टेस्ट की पहली गेंद पर विकेट लिया था। उनसे पहले वेस्टइंडीज के पेड्रो कॉलिन्स ने टेस्ट की पहली गेंद पर तीन बार विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया था। मिचेल स्टार्क ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 22 गेंदों में 5 विकेट लेकर टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज फाइव-विकेट हॉल की सूची में छठे स्थान पर जगह बनाई। हालांकि, सबसे कम गेंदों में 5 विकेट लेने का रिकॉर्ड भी स्टार्क के ही नाम है।

सिनर घुटने की चोट के कारण यूएस ओपन से हटे

न्यूयॉर्क, 22 अगस्त (एजेंसियां)। वर्ल्ड नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने दाएं घुटने की चोट के कारण इस महीने होने वाले यूएस ओपन से नाम वापस ले लिया है। वे सीजन के आखिरी ग्रैंड स्लैम में नहीं खेलेंगे।

25 साल के सिनर ने दाएं घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से भी नाम वापस लिया था। सिनर ने कहा था कि उनका ध्यान न्यूयॉर्क में खेलने के लिए तैयार होने पर रहेगा।

सिनर ने सोशल मीडिया पर लिखा- 'मैं अपनी टीम और मेडिकल स्टाफ के साथ कड़ी मेहनत कर रहा था, लेकिन अब हमें यह मुश्किल फैसला लेना पड़ा है कि मैं इस साल यूएस ओपन में नहीं खेल पाऊंगा।'

उन्होंने कहा- 'पिछले कुछ दिनों से हम मोंटे कार्लो में फिर से कोर्ट पर अभ्यास कर रहे थे। इस दौरान हमें पता चला कि दाएं घुटने की समस्या से उबरने के लिए मुझे अभी और समय चाहिए।'

सिनर ने लिखा, 'मैं जाहिर तौर पर बहुत दुखी और निराश हूं, क्योंकि न्यूयॉर्क मेरे दिल में खास जगह रखता है।' मैं वहां लौटकर शानदार प्रशंसकों के सामने जोशीले माहौल में खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रहा था।'

सिनर ने पिछले महीने विंबलडन के मेंस सिंगल्स का खिताब जीता था। उन्होंने फाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-7(7), 7-6(2), 6-3, 6-4 से हराया था।

सिनर लगातार दूसरी बार विंबलडन चैंपियन बने थे। वे ओपन एरा में इस चैंपियनशिप का खिताब बचाने वाले इतिहास के सिर्फ 10वें खिलाड़ी हैं।

कोको गॉफ सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में

सारा बेजलेक से होगी फाइनल में पहुंचने की जंग

सिनसिनाटी, 22 अगस्त (एजेंसियां)। कोको गॉफ ने 10वीं वरीयता प्राप्त मार्टा कोस्त्युक को 6-2, 6-2 से हराकर सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वह ओपन एरा में 23 साल की उम्र से पहले कई सिनसिनाटी ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी खिलाड़ी भी बन गई हैं। कोको गॉफ ने मार्टा कोस्त्युक को आसानी से हरा दिया। मुकाबले के दौरान गॉफ का दबदबा देखने को मिला। उन्होंने अलग-अलग तरह के शॉट चुने और टूर पर किसी से भी बेहतर कोर्ट कवर किया। जीत के बाद गॉफ ने कहा, 'यह कमाल है, मुझे लगता है कि हम सब बहुत अच्छा कर रहे हैं। उम्मीद है, हम डबल टाइटल जीत सकते हैं। ऐसा होने के लिए, हम बहुत कुछ करेंगे। हम पक्का एक-दूसरे का समर्थन करते हैं।'

सेमीफाइनल में कोको गॉफ का सामना सारा बेजलेक से होगा। बेजलेक ने एक सेट से पिछड़ने के बाद और आखिर में तीसरे सेट के टाइब्रेक में 4-2 से पिछड़ने के बाद पूर्व ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज को 3-6, 6-4, 7-6 (5) से हराकर सेमीफाइनल में पहुंची हैं।

बेजलेक ने फरवरी में अबू धाबी ओपन में क्वालिफायर के तौर पर अपना पहला डब्ल्यूटीए टूर खिताब जीता था। बेजलेक की अब तक की शानदार जीत में उनकी हमवतन कैरोलिन प्लिसकोवा और बारबोरा क्रेजसिकोवा भी शामिल हैं, जो सबालेंका और कीज के साथ पहले डब्ल्यूटीए 1000 चैंपियन बन चुकी हैं। 2009 के बाद से, बेजलेक डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल तक पहुंचने के रास्ते में ऐसी चार खिलाड़ियों को हराने वाली सिर्फ दूसरी खिलाड़ी हैं, इससे पहले प्लिसकोवा ने आठ साल पहले मैड्रिड में ऐसा किया था। सेमीफाइनल तक पहुंचने के रास्ते में बेजलेक ने पहले नंबर 1 कैरोलिन प्लिसकोवा, मौजूदा नंबर 1 अरिना सबालेंका, मैडिसन कीज और बारबोरा क्रेजसिकोवा जैसी दो और ग्रैंडस्लैम चैंपियन को हराया है।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय की अकादमिक टीम के साथ तेलंगाना प्रतिनिधिमंडल की बैठक

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना राइजिंग के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा, अनुसंधान और उद्यमिता में सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय की एक अकादमिक टीम के साथ एक अत्यंत उपयोगी बैठक की।

सीए रेवंत रेड्डी, सूचना एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू और के. रामकृष्ण राव तथा जयेश रंजन सहित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ, ने हैदराबाद में अपनी उपस्थिति स्थापित करने और विश्व स्तरीय वैश्विक ज्ञान केंद्र के निर्माण में योगदान देने के लिए अग्रणी वैश्विक संस्थानों के लिए उपलब्ध अपार अवसरों पर प्रकाश डाला। कैम्ब्रिज जज बिजनेस स्कूल में भारत सरकार द्वारा प्रायोजित मार्केटिंग विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर जयदीप प्रभु और कैम्ब्रिज जज बिजनेस स्कूल के प्रोफेसर वेंकट सेरिश गंडीकोटा, जो फ्रूगल एआई के सह-अध्यक्ष भी हैं, ने तेलंगाना सरकार के साथ साझेदारी करने में गहरी रुचि व्यक्त की। दोनों पक्षों ने हैदराबाद में शैक्षिक कार्यक्रम उपलब्ध कराने, संयुक्त अनुसंधान और उद्यमिता एवं नवाचार को बढ़ावा देने जैसे क्षेत्रों को शामिल करते हुए सहयोग के लिए एक ढांचा विकसित करने पर सहमति व्यक्त की।

एडब्ल्यूपीओ के अभियान से 97 पूर्व सैनिकों को नौकरी मिली

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र (टीएएसए) मुख्यालय के अंतर्गत सिकंदराबाद स्थित सेना कल्याण प्लेसमेंट संगठन (एडब्ल्यूपीओ) ने तकनीकी और गैर-तकनीकी श्रेणियों में पूर्व सैनिकों के लिए एक प्लेसमेंट अभियान चलाया। एयर इंडिया एसएटीएस, मुथूट फाइनेंस, आईसीआईसीआई, एसबीआई लाइफ और टाटा एआईए इंश्योरेंस सहित विभिन्न कंपनियों के सहयोग से आयोजित इस अभियान को मैजिक बस फाउंडेशन का सक्रिय समर्थन प्राप्त हुआ। इस प्रतियोगिता में 167 पूर्व सैनिकों ने भाग लिया, जिनमें से 97 का अस्थायी रूप से चयन हो चुका है और उनकी अंतिम दस्तावेज़ीकरण प्रक्रिया चल रही है। औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद नियुक्ति पत्र जारी किए जाएंगे। यह पहल पूर्व सैनिकों को उपयुक्त द्वितीय कैरियर के अवसर प्राप्त करने में सहायता करने के लिए एडब्ल्यूपीओ के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है।

तेलंगाना में भू-माफिया और बंदोबस्त का राज : किशन रेड्डी

भू-भारती के तहत निजी जमीनों को निषिद्ध सूची में डालने का आरोप

उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश से जांच की मांग

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री तथा भाजपा के वरिष्ठ नेता जी. किशन रेड्डी ने कांग्रेस सरकार पर तेलंगाना में भूमि विवाद, जमीनों के बंदोबस्त और कथित भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भू-भारती के नाम पर बड़ी संख्या में निजी जमीनों को निषिद्ध सूची में शामिल किया गया है।

उन्होंने पिछले दो-तीन वर्षों में निषिद्ध सूची में जोड़ी और हटाई गई जमीनों की उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश से व्यापक न्यायिक जांच कराने की मांग की। काचीगुड़ा में रज़ाकारों तथा निजाम की निरंकुश शासन व्यवस्था के खिलाफ कलम से संघर्ष करने वाले अमर शहीद शोएबुल्ला खान की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में किशन रेड्डी ने विभिन्न मुद्दों पर कांग्रेस सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि शोएबुल्ला खान ने क्षेत्र में तिरंगा फहराने और बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान को लागू करने की मांग की थी। इसी संघर्ष के कारण 21 अगस्त 1948 को रजाकारों ने काचीगुड़ा के लिंगमपल्ली चौराहे पर उनके हाथ काटकर उनकी निर्मम हत्या कर दी थी। 22 अगस्त को उन्हें शहीद के रूप में याद किया जाता है। उन्होंने बताया कि बुर्गुल रामकृष्ण राव के आवास से प्रकाशित 'इम्रोज' ने उस दौर में लोगों में स्वतंत्रता की चेतना जगाई।

किशन रेड्डी ने कहा कि इस वर्ष भी 17 सितंबर को सिकंदराबाद परेड मैदान में 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' केंद्र सरकार की ओर से आधिकारिक रूप से मनाया जाएगा। कार्यक्रम में अर्धसैनिक बलों की परेड और तेलंगाना के कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र और कर्नाटक में लंबे समय से यह आयोजन आधिकारिक तौर पर किया जा रहा है, जबकि तेलंगाना में पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति और वर्तमान कांग्रेस सरकार ने मजलिस के दबाव और वोट बैंक की राजनीति के कारण इसे आधिकारिक रूप से आयोजित नहीं किया। भू-भारती के तहत जमीनों को निषिद्ध सूची में शामिल किए जाने पर उन्होंने कहा कि केवल हैदराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल जिलों में करीब चार लाख एकड़ जमीन को कथित तौर पर रातोंरात निषिद्ध सूची में डाल दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि दशकों से नगर निकायों की अनुमति लेकर रह रहे निजी मकानों और भूखंडों को भी निषिद्ध सूची में शामिल कर लोगों को परेशान किया जा रहा है तथा जमीनों के बंदोबस्त के नाम पर हिस्सेदारी और भारी रिश्वत की मांग की जा रही है। किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत केंद्र सरकार गरीबों को पांच किलो मुफ्त चावल उपलब्ध कराने के लिए भारी सब्सिडी, अनाज की खरीद, परिवहन और उचित मूल्य दुकानदारों का कमीशन वहन कर रही है। उन्होंने सवाल किया कि तेलंगाना में राशन कार्डों पर प्रधानमंत्री और भारत सरकार का चिह्न क्यों नहीं लगाया जा रहा है। उन्होंने राज्य सरकार पर केंद्रीय योजना को अपने नाम से प्रचारित करने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तेलंगाना में महाविद्यालयों को करीब 15 हजार करोड़ रुपये के शुल्क प्रतिपूर्ति बकाये का भुगतान लंबित है। धनराशि नहीं मिलने से इंजीनियरिंग महाविद्यालयों पर संकट पैदा हो रहा है और कई निजी महाविद्यालय विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र नहीं दे रहे हैं। किशन रेड्डी ने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धीकरण केंद्रीय निर्वाचन आयोग की वैधानिक प्रक्रिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी लोगों को भयभीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोहरे और मृत व्यक्तियों के नाम हटाना आवश्यक है तथा इस प्रक्रिया में राज्य सरकार के अधिकारी और बूथ स्तर के अधिकारी भी कार्य कर रहे हैं।

अदलुरी ने सीएम की अमेरिका यात्रा रद्द करने पर केंद्र सरकार की आलोचना की

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने शनिवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की प्रस्तावित संयुक्त राज्य अमेरिका यात्रा रद्द करने को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि तेलंगाना के विकास और उसके युवाओं के भविष्य के आड़े राजनीतिक विचारों को नहीं आने देना चाहिए। मंत्री ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हैदराबाद को ज्ञान, शिक्षा, कौशल, अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के वैश्विक केंद्र में बदलने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा किए जा रहे प्रयासों को केंद्र सरकार की ओर से बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार को मीडिया से बात करते हुए लक्ष्मण कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री की अमेरिका की प्रस्तावित यात्रा कोई निजी यात्रा नहीं है, बल्कि यह एक आधिकारिक यात्रा है जिसका उद्देश्य तेलंगाना में निवेश और रोजगार के अवसर लाना है।

कालेश्वरम परियोजना का व्यापक तकनीकी मूल्यांकन होना चाहिए : मंत्री अद्लूरी

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने कहा कि कालेश्वरम परियोजना की दीर्घकालिक सुरक्षा और संरचनात्मक स्थिरता के बारे में सभी संदेहों को दूर करने के लिए एक व्यापक वैज्ञानिक और तकनीकी मूल्यांकन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मेडिगड्डा बैराज में सामने आई संरचनात्मक समस्याओं को केवल एक बैराज से संबंधित मुद्दे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे संपूर्ण कालेश्वरम परियोजना की दीर्घकालिक सुरक्षा, गुणवत्ता और जवाबदेही से जुड़े मामले के रूप में देखा जाना चाहिए, जिसका निर्माण सार्वजनिक धन से किया गया था। शनिवार को यहां मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि मेदिगाड्डा बैराज के ब्लॉक 7 के खंभों पर किए गए कंक्रीट की गुणवत्ता परीक्षणों में सामने आए चिंताजनक परिणामों को देखते हुए, संरचना के हर पहलू को विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत तकनीकी जांच के अधीन किया जाना चाहिए। कालेश्वरम तेलंगाना की जनता की धरोहर है। जनता के पैसे से बनी इस परियोजना को नुकसान क्यों पहुँचा? निर्माण में खामियाँ कहाँ-कहाँ हुईं? भविष्य में ऐसी घटनाएँ दोबारा न हों, इसके लिए क्या उपाय किए जाने चाहिए? जनता को सच्चाई जानने का पूरा अधिकार है।, मंत्री ने याद दिलाया कि मेडिगड्डा बैराज के ब्लॉक 7 के पियर 16 से 21 पर किए गए कंक्रीट गुणवत्ता परीक्षणों में, जो 2023 में धंसने से प्रभावित हुए थे, कथित तौर पर कई पियरों के संबंध में प्रतिकूल परिणाम सामने आए थे। उन्होंने कहा कि पियर 19 में 73.3 प्रतिशत, पियर 18 में 65.5 प्रतिशत और पियर 20 में 61.1 प्रतिशत प्रतिकूल परिणाम दर्ज किए गए। इसी प्रकार, पियर 17 में 50.5 प्रतिशत, पियर 21 में 49.9 प्रतिशत और पियर 16 में 41.3 प्रतिशत प्रतिकूल परिणाम दर्ज किए गए। इन आंकड़ों को महज सांख्यिकी मानकर खारिज नहीं किया जा सकता। ये बांध के फाटकों को सहारा देने वाले खंभों जैसे महत्वपूर्ण संरचनात्मक घटकों से संबंधित हैं। बांध की संरचनात्मक अखंडता और सुरक्षा पर इनके प्रभावों के लिए एक व्यापक तकनीकी मूल्यांकन की आवश्यकता है।,

पान मसाला इकाई में 160 करोड़ रुपये की कर चोरी का खुलासा

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सीजीएसटी जोन ने शहर के बाहरी इलाके में स्थित एक टिन-शेड सुविधा से संचालित एक गुप्त पान मसाला और तंबाकू निर्माण इकाई का भंडाफोड़ किया है, जिसमें लगभग 160 करोड़ रुपये की शुल्क और उपकर की चोरी का खुलासा हुआ है। विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, सीजीएसटी अधिकारियों ने 20 अगस्त को तलाशी अभियान चलाया और परिसर में 40 अघोषित एफएफएस पैकिंग मशीनें और लगभग 56 कर्मचारी पाए।

आरोप है कि यह इकाई ब्रांडेड और अनब्रांडेड पान मसाला और सुगंधित जर्दा का निर्माण और पैकिंग कर रही थी। अधिकारियों ने लगभग 5,500 किलोग्राम तैयार उत्पाद, 76 लाख रुपये मूल्य के तैयार माल, 2,015 किलोग्राम पान मसाला मिश्रण, 810 किलोग्राम तंबाकू, दो वाहन, पैकिंग सामग्री, मशीनरी और आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए। गुप्त अभियानों का कथित तौर पर संचालन करने वाले प्रमुख व्यक्ति को 21 अगस्त को गिरफ्तार किया गया और हैदराबाद के आर्थिक अपराधों के विशेष न्यायाधीश द्वारा उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सीजीएसटी जोन ने कहा कि 1 फरवरी, 2026 से क्षमता-आधारित उपकर और कराधान व्यवस्था लागू होने के बाद पान मसाला और तंबाकू क्षेत्र में कर चोरी पर अंकुश लगाने के लिए खुफिया जानकारी के आधार पर प्रवर्तन को तेज कर दिया गया है।

उत्पीड़न और तस्करी के खिलाफ कार्रवाई तेज, 18 गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अगस्त तक के सप्ताह के दौरान प्रवर्तन और जागरूकता गतिविधियों को तेज कर दिया, जिसमें एसएचई टीमों और मानव तस्करी विरोधी इकाई (एएचटीयू) ने उत्पीड़न, तस्करी और संबंधित अपराधों के खिलाफ कार्रवाई की। शी टीमों ने 109 गुप्त अभियान चलाए और सार्वजनिक स्थानों पर कथित तौर पर अश्लील हरकतें करते हुए 18 लोगों को रंगे हाथों पकड़ा। सत्रह छोटे-मोटे मामले दर्ज किए गए और परामर्श प्रदान किया गया। टीमों को महिलाओं से 25 शिकायतें भी मिलीं, जिनमें से तीन छोटे-मोटे मामले दर्ज किए गए, जबकि शेष लोगों को परामर्श दिया गया। अनैतिक व्यापार रोकथाम अधिनियम के तहत दो मामलों में एएचटीयू ने दो पीड़ितों को बचाया और चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। किशोर न्याय अधिनियम के एक अलग मामले में, दो लड़कों को बचाया गया और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस और परिवार परामर्श केंद्रों ने वैवाहिक विवादों में फंसे 32 परिवारों को फिर से मिलाने में भी मदद की। अपनी निवारक पहलों के अंतर्गत, एएचटीयू और एसएचई टीमों ने साइबराबाद में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें लगभग 4,974 लोगों तक पहुंचा गया।

इन कार्यक्रमों में मानव और बाल तस्करी, छेड़छाड़, साइबर उत्पीड़न और धोखाधड़ी, बाल विवाह, बाल अधिकार, बाल श्रम, पीछा करना और साइबरबुलिंग जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

माधापुर में बन रही इमारत गिरी, दो की मौत, एक घायल

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को माधापुर के अंजैया नगर में बन रही एक बहुमंजिला इमारत के गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और कुछ अन्य घायल हो गए।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, यह इमारत एक नाले के पास महज 50 वर्ग गज के प्लॉट पर अवैध रूप से बनाई जा रही थी। बताया जा रहा है कि सात मंजिला यह इमारत अचानक ढह गई और पास की एक अपार्टमेंट बिल्डिंग पर जा गिरी।

इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया और उसे इलाज के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया। इमारत गिरने से पड़ोसी बिल्डिंग को भी नुकसान पहुंचा, जिससे निवासियों में अफरातफरी मच गई।

सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस, हैड्रा, फायर डिपार्टमेंट और साइबराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की टीमें मौके पर पहुंचीं। पुलिस यह पता लगाने के लिए मौके की तलाशी ले रही है कि कहीं कोई व्यक्ति इमारत के मलबे में फंसा तो नहीं है।

वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान की निगरानी की। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस अकादमी में राजा बहादुर वेंकटरामिरेड्डी की 157वीं जयंती मनाई गई

पुलिस सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को किया याद

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजा बहादुर वेंकटरामिरेड्डी की 157वीं जयंती तेलंगाना पुलिस अकादमी परिसर में अकादमी अधिकारियों और आरबीवीआरआर शैक्षणिक ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में समारोहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर अकादमी परिसर में स्थापित राजा बहादुर वेंकटरामिरेड्डी की प्रतिमा पर अकादमी अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और आरबीवीआरआर शैक्षणिक ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अकादमी के उपनिदेशक के. आर. के. प्रसाद ने कहा कि राजा बहादुर वेंकटरामिरेड्डी का नाम तेलंगाना पुलिस अकादमी ही नहीं, बल्कि पूरी पुलिस व्यवस्था के लिए निरंतर प्रेरणा का स्रोत है। गरीबों और कमजोर वर्गों के लिए उनके द्वारा की गई सेवाएं सदैव स्मरणीय रहेंगी।

उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा के क्षेत्र में वेंकटरामिरेड्डी का योगदान अनुकरणीय था। पुलिस उपनिरीक्षक प्रशिक्षणार्थियों के कल्याण के लिए उनके द्वारा स्थापित निधि से प्रशिक्षणार्थियों के प्रति उनकी संवेदनशीलता और दूरदर्शिता का पता चलता है। तेलंगाना राज्य के गठन के बाद उनके नाम पर पुलिस अकादमी को और अधिक विकसित करना गौरव की बात है। उनका जीवन और सेवाएं भविष्य के पुलिस अधिकारियों के लिए सदैव आदर्श बनी रहेंगी। आरबीवीआरआर शैक्षणिक ट्रस्ट के अध्यक्ष कोंडा लक्ष्मीकांत रेड्डी ने कहा कि राजा बहादुर वेंकटरामिरेड्डी ने शिक्षा के विकास के लिए असाधारण कार्य किया।

उन्होंने शिक्षा के माध्यम से समाज के विकास का मार्ग प्रशस्त करने के उद्देश्य से अनेक शिक्षण संस्थाओं की स्थापना की और बड़ी संख्या में लोगों को शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराए। सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तिरुपति रेड्डी ने राजा बहादुर वेंकटरामिरेड्डी के बचपन, उनके संघर्ष और पुलिस विभाग में प्रवेश से लेकर उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने निजाम शासन के दौरान हैदराबाद के कोतवाल के रूप में वेंकटरामिरेड्डी द्वारा निभाई गई जिम्मेदारियों और जनता के साथ उनके व्यवहार की जानकारी दी।

SHIP BUILDING CENTRE, VISAKHAPATNAM

NOTIFICATION NO. 3201/2026

GOVT. OF INDIA / MINISTRY OF DEFENCE RECRUITMENT

(ONLY ONLINE APPLICATIONS WILL BE ACCEPTED)

1. Ship Building Centre, Visakhapatnam, a work centre under Ministry of Defence (R&D) invites applications from Indian Citizens for recruitment for General Central Service Group 'C', Technical/ Non- Technical, Non-Gazetted, Non-Ministerial Posts as per details given below.

2. **Details of Vacancies.**

Sl	Name of the Posts	Trade	No. of Posts	Category
1	Construction Assistant 'A' (CA'A')	Fitter	03	03 = UR
2	Construction Handler (CH)	Electrician	02	02 = UR
3	Fire Engine Driver (Ordinary Grade), {FED (OG)}	-	03	02 = UR 01 = ST
4	Civilian Motor Transport Driver (Ordinary Grade), {CMTD (OG)}	-	01	01 = UR

3. Age Limit 18 to 27 years. Relaxable as per Government Rules.

For Detailed Notification please visit our website and interested eligible candidates should apply through link available therein. Employment News/Rozgar Samachar issue of 22-28 August 2026 – vide EN No. 21/99 may also be referred.

4. Schedule of Recruitment:

Last date and time for receipt of online application	14 Sep 2026 (23:00 hours)
Last date and time for making online fee payment	14 Sep 2026 (23:00 hours)
Tentative month for Online Examination (CBT)	October, 2026
Website	https://sbcrecruitment.in

Please read the advertisement carefully and ensure your eligibility before paying fees/ submitting application.

तेलंगाना ने इंपीरियल कॉलेज लंदन के साथ रणनीतिक साझेदारी की मांग की

के. रामकृष्ण राव ने इंपीरियल कॉलेज लंदन का दौरा किया

हैदराबाद, 22 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार के. रामकृष्ण राव ने शनिवार को इंपीरियल कॉलेज लंदन का दौरा किया और संस्थान और तेलंगाना के बीच सहयोग के संभावित क्षेत्रों पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की। रणनीतिक जुड़ाव की उपाध्यक्ष और राष्ट्रपति की चीफ ऑफ स्टाफ अमांडा वोल्थुइज़ेन और वरिष्ठ अंतर्राष्ट्रीय संबंध प्रबंधक (दक्षिण एशिया और ऑस्ट्रेलिया) रोसन्ना गिलेस्पी के साथ अपनी बैठक के दौरान, रामकृष्ण राव ने तेलंगाना की ताकत पर प्रकाश डाला और सहयोग के कई अवसरों की रूपरेखा प्रस्तुत की। वोल्थुइज़ेन, जो इंपीरियल कॉलेज के अध्यक्ष के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में भी कार्यरत हैं, ने हैदराबाद में अल्पकालिक और कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम, साथ ही सहयोगी अनुसंधान और अकादमिक विनिमय कार्यक्रम प्रदान करने की संभावना सहित कई पहलों का पता लगाने में रुचि व्यक्त की।

रामकृष्ण राव ने इंपीरियल कॉलेज के प्रतिनिधियों को इस वर्ष 7, 8 और 9 दिसंबर को होने वाले इन्वेस्ट तेलंगाना ग्लोबल समिट में भाग लेने के लिए हैदराबाद आमंत्रित किया।

THE AGRASEN CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.

Head Office # 15-2-391/392/1, Siddiamber Bazar, Hyderabad - 500012

E-mail: info@agrasenbank.bank.in Website: www.agrasenbank.bank.in

अग्रसेन बैंक Estd.1998

(T.A. No. 1439)

NOTICE TO SHARE HOLDERS FOR SPECIAL GENERAL BODY MEETING

Notice is hereby given to the Share Holders of the Bank that a Special General Body Meeting will be held on 6th September, 2026 at K.L.N Prasad Auditorium, FTCCI House, Red Hills, Hyderabad-500004, TG at 11.30 am to transact the following items of the Agenda:

1. To accept, consent & approve the amalgamation of Agroha Co-operative Urban Bank Ltd., with The Agrasen Co-operative Urban Bank Ltd., in accordance with Section 44A read with Section 56 of the Banking Regulation Act 1949, TCS Act 1964 and the Scheme of Amalgamation to be sanctioned by the Reserve Bank of India.
2. To accept, consent & approve the Scheme of Amalgamation.
3. To empower & authorize the Board to create, issue & allot such number of equity shares of The Agrasen Co-operative Urban Bank Ltd. to the members of Agroha Co-operative Urban Bank Ltd in the Swap ratio of 1:1 and/ or in accordance with the Scheme to be sanctioned by the Reserve Bank of India.
4. To empower & authorize the Board to make modification & alteration to the Scheme of Amalgamation including those as may be required or suggested by The Reserve Bank of India.

By order of the Board of Directors
Sd/-
C. V. Rao
General Manager / CEO

Place : Hyderabad
Date : 14-08-2026

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.